उत्तर पुस्तिका

STELLAR LEARNING

हिंदी 'ब'

9

On Board! BOOKS

An imprint of Ratna Sagar P. Ltd.

अनुक्रमणिका

खंड–क

अपठित बोध

1. अपठित गद्यांश — 7–14

खंड–ख

व्यावहारिक व्याकरण

1. शब्द और पद — 16–19
2. अनुस्वार एवं अनुनासिक — 20–23
3. उपसर्ग एवं प्रत्यय — 24–28
4. स्वर संधि — 29–32
5. विरामचिह्न — 33–37
6. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद — 38–41

खंड–ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक

स्पर्श भाग 1 (गद्य खंड)
1. दुःख का अधिकार — 44–47
2. एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा — 48–51
3. तुम कब जाओगे, अतिथि — 52–55
4. वैज्ञानिक चेतना के वाहक : चंद्रशेखर वेंकट रामन् — 56–59
5. शुक्रतारे के समान — 60–63

स्पर्श भाग 1 (काव्य खंड)
6. पद — 66–68
7. दोहे — 69–72
8. गीत-अगीत — 73–75
9. अग्नि पथ — 76–78
10. ● नए इलाके में... ● खुशबू रचते हैं हाथ... — 79–83

संचयन भाग 1
1. गिल्लू — 85–86
2. स्मृति — 87–87
3. कल्लू कुम्हार की उनाकोटी — 88–89
4. मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय — 90–91

खंड–घ

लेखन

1. पत्र-लेखन (अनौपचारिक पत्र) — 94–94
2. अनुच्छेद-लेखन — 94–94
3. संवाद-लेखन — 94–94
4. चित्र-वर्णन — 94–94

- **खंड ‘क’**—अपठित बोध
- **खंड ‘ख’**—व्यावहारिक व्याकरण
- **खंड ‘ग’**—पाठ्यपुस्तक—स्पर्श भाग 1 व
  पूरक पाठ्यपुस्तक—संचयन भाग 1
- **खंड ‘घ’**—लेखन

खंड ‘क’
अपठित बोध

- अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश

1

— हल रहित अपठित गद्यांश —

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

गद्यांश 11

आपने 'ढाक के तीन पात' कहावत ज़रूर सुनी होगी। ढाक को 'पलाश' भी कहा जाता है। इसका रक्तिम वर्ण आरंभ से ही कवियों, शायरों तथा आम आदमी को सम्मोहित करने वाला रहा है। आज वही 'पलाश' संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर इसी तरह पलाश का विनाश जारी रहा तो 'ढाक के तीन पात' वाला पलाश सिर्फ़ कहावत में ही बचेगा। अरावली और सतपुड़ा पर्वत शृंखलाओं में जब पलाश के वृक्ष पर फूल लगते थे, तो लगता था कि वन में आग लग गई हो। इसके लाल रंग के फूल वन आच्छादित कर लेते थे। पलाश पर एक-दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में पलाश के वन घटकर दस प्रतिशत से भी कम रह गए हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश के वनों को बचाने के लिए एक अभियान चलाकर पलाश के वन रोपने की योजना प्रस्तुत की है ताकि इसे बचाया जा सके। एक समय था जब बंगाल का पलाश का मैदान, अरावली की पर्वत-मालाएँ टेसू के फूलों के लिए दुनिया में मशहूर थीं। विदेशों के लोग पलाश के रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। ब्रज, अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी आदि लोकगीतों में पलाश का वर्णन मिलता है। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुंदर-सजीले नवयुवक से की है, जो अपनी जवानी में सबको आकर्षित कर लेता है, किंतु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है।

1. **उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?**
   (क) वनों की कटाई पर
   (ख) पर्यावरण संकट पर
   (ग) पलाश वनों की सुरक्षा पर
   (घ) आम्र वनों की सुरक्षा पर

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. **वैज्ञानिकों ने पलाश के वनों को बचाने के लिए कौन-सा अभियान चलाने की योजना बनाई?**
   (क) पलाश को विदेशों से मँगवाने की
   (ख) पलाश के वन रोपने की
   (ग) कृत्रिम वर्षा करने की
   (घ) अच्छे उपकरण की

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**
   कथन : ढाक के तीन पात।
   निष्कर्ष : हमेशा एक-सा रहना।
   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. **वैज्ञानिकों ने पलाश के वनों को बचाने के लिए क्या किया?**

उत्तर– पलाश के वनों को बचाने के लिए वैज्ञानिकों ने एक अभियान चलाया जिसमें पलाश के वन रोपने की योजना प्रस्तुत की गई ताकि इसे बचाया जा सके।

5. **गद्यांश के अनुसार किन-किन चीज़ों में पलाश का वर्णन मिलता है?**

उत्तर– ब्रज, अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी आदि लोक गीतों में पलाश का वर्णन मिलता है। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुंदर-सजीले नवयुवक से की है जो अपनी जवानी में सबको आकर्षित करता है, किंतु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है।

गद्यांश 12

विद्यार्थी जीवन में समय का बड़ा महत्त्व है। जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत समझ ली, वह सफलता को अवश्य प्राप्त

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

करता है। प्रत्येक विद्‌यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्‌यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो किसी कार्य के पूरा न होने पर समय की दुहाई दिया करते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अपनी अकर्मण्यता छुपाने के लिए समय की कमी का बहाना बनाना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातों के धनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव व्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने पर कार्य फलदायक नहीं रहता। सूरज यदि समय पर उदय होना व अस्त होना बंद कर दे, वर्षा यदि समय पर न हो, किसान समय पर अनाज पैदा न करे तो कैसी स्थिति हो जाएगी? ठीक इसी प्रकार, यदि विद्‌यार्थी समय की कीमत नहीं समझेगा तो वह सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। विद्‌यार्थी केवल परीक्षा के समय परिश्रम करेगा और शेष दिन आराम करेगा तो उसे वांछित सफलता नहीं मिल सकती। इस कारण हमें परिश्रम करने की आदत विकसित करनी होगी। इसी से हमें सफलता मिलेगी।

1. **उपर्युक्त गद्‌यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?**
   (क) समय का पालन　(ख) समय की कीमत
   (ग) समय का सदुपयोग　(घ) समय की बर्बादी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **विद्‌यार्थी को सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है?**
   (क) समय की दुहाई देना　(ख) समय की कीमत समझना
   (ग) समय पर काम करना　(घ) समय को गँवा देना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

   कथन : अधिकांश लोग किसी कार्य के पूरा न होने पर समय की दुहाई देते हैं।

   निष्कर्ष : दुनिया के सफलतम लोगों ने अपने जीवन में समय का सदुपयोग किया है।

   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **गद्‌यांश के अनुसार विद्‌यार्थी जीवन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ क्या है?**

उत्तर– गद्‌यांश के अनुसार विद्‌यार्थी जीवन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ है– अनुशासन और समय का सदुपयोग। जिसने समय का सदुपयोग यानी सही उपयोग करना सीख लिया, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है।

5. **वे कौन लोग हैं जो कार्य को पूरा न कर पाने के पीछे समय की कमी का होना बताते हैं?**

उत्तर– जो लोग अकर्मण्य यानी काम नहीं करने वाले अथवा आलसी लोग होते हैं। वे अपनी अकर्मण्यता को छुपाने के लिए या आलस्य के कारण कार्य न पूरा होने पर समय की कमी का बहाना बनाते हैं।

गद्‌यांश 13

कहा जाता है कि शिक्षा से हीन मनुष्य पूँछ-विहीन पशु के समान है। इसीलिए प्रत्येक देश अपने समाज को शिक्षित करने हेतु प्रयासरत है। सभी सभ्य और विकसित देश अपने यहाँ साक्षरता-दर बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील हैं। लेकिन, आज भी भारत में साक्षरता का प्रतिशत लक्ष्य से काफ़ी कम है। लोगों को शिक्षा का महत्व समझाना है। यद्‌यपि काफ़ी लोग शिक्षा की आवश्यकता को समझ गए हैं, पर एक पूरी पीढ़ी के शिक्षित होने के बाद ही साक्षरता का लक्ष्य पाया जा सकेगा। सरकारी प्रचार-माध्यमों से लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जा रहा है, पर आर्थिक पिछड़ापन इसमें बाधक बन जाता है। भारत में प्रजातंत्र की स्थापना की गई है और प्रजातंत्र की सफलता के लिए लोगों का शिक्षित होना नितांत आवश्यक है। शिक्षा के अभाव में नागरिक अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का सफल निर्वाह नहीं कर पाते। शिक्षा का महत्व समझना अति आवश्यक है।

शिक्षा ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करती है। शिक्षा व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक बनाती है। अशिक्षित व्यक्ति न तो अपने अधिकारों को जानता है और न कर्तव्यों के प्रति सचेष्ट होता है। शिक्षित व्यक्ति ही लोकतंत्र का सही अर्थ समझते हैं। अशिक्षितों का लोकतंत्र तो भेड़चाल मात्र होता है।

अब सरकार भी साक्षरता अभियान चलाकर अधिक-से-अधिक लोगों को शिक्षित बनाने का भरपूर प्रयास कर रही है। हमें यह बात समझनी चाहिए कि शिक्षा से हम लोगों का जीवन उन्नत होगा।

1. **उपर्युक्त गद्‌यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?**
   (क) लोकतंत्र की महत्ता पर
   (ख) शिक्षा के महत्व पर
   (ग) राजनीति की महत्ता पर
   (घ) धर्म की महत्ता पर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

2. **गद्यांश के अनुसार व्यक्ति का सर्वांगीण विकास .... करती है।**

(क) खेलकूद (ख) शिक्षा

(ग) भ्रमण (घ) उपदेश

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

कथन : शिक्षा से लोगों का दृष्टिकोण व्यापक होता है।

निष्कर्ष : शिक्षा से हीन मनुष्य भी प्रजातंत्र की मूल भावना को सही अर्थों में समझ जाते हैं।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

4. **भारत में साक्षरता का प्रतिशत लक्ष्य से कम होने की क्या वज़ह है?**

उत्तर– भारत देश में साक्षरता का प्रतिशत लक्ष्य से कम होने की सबसे बड़ी वजह आर्थिक पिछड़ापन है। गरीबी और पेट की भूख उनकी कम साक्षरता दर की सबसे बड़ी वजह और सबसे बड़ी बाधक है।

5. **शिक्षा व्यक्ति के लिए क्यों आवश्यक है? अपने शब्दों में लिखें।**

उत्तर– शिक्षा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करती है। शिक्षा व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक बनाती है। अशिक्षित व्यक्ति न तो अपने अधिकारों को जानते हैं न ही अपने कर्तव्यों का सफल निर्वाह कर पाते हैं। असली लोकतंत्र का अर्थ शिक्षित व्यक्ति ही समझते हैं। शिक्षाविहीन मनुष्य पूँछ-विहीन पशु के समान होता है।

गद्यांश 14

जो गतिशील है, वह जीवंत है। गति का नाम ही जीवन है। दूसरे शब्दों में, जीवन रुकने का नहीं चलने का नाम है। जीवन की गति तभी कायम रहती है जब व्यक्ति के मन में उमंग और उत्साह बना रहता है। कुछ लोग असफलता की अवस्था में निराश होकर अपने उत्साह का दामन छोड़ देते हैं। उनके मन की उमंग तिरोहित हो जाती है। वे भूल जाते हैं कि परिश्रम एवं प्रयत्न में तो भाग्य को बदल देने की भी क्षमता रहती है। पुरुषार्थ ही मनुष्य को मनुष्य की श्रेणी में लेकर आता है। आलसी बनकर रोना-धोना व्यर्थ है। मनुष्य इस संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। अतः उसे अपना जीवन सार्थक बनाने के लिए आशा और पुरुषार्थ का सहारा लेना चाहिए। आलसी बनकर समय व्यर्थ बिताना अपने साथ अन्याय करना है। ऐसा व्यक्ति समाज और देश दोनों के लिए बोझ होता है। उसे न समाज में इज़्ज़त मिलती है और न ही वह देश के विकास में कुछ योगदान कर पाता है। हमें अपने साधनों एवं क्षमताओं का उचित प्रयोग कर प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए। हमें भावात्मक कार्य की अपेक्षा रचनात्मक कार्य करना चाहिए। इसके लिए हमें अपने पुरुषार्थ पर भरोसा करना चाहिए। दुःख में घबराना कायरता का प्रतीक है। हर शाम सूरज को ढलना ही है। रात को आना ही है तो क्या अँधेरे में हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहा जाए या उठकर एक दीपक जला लें। सूर्य के समक्ष दीपक की क्या बिसात! पर एक दीपक भी पर्याप्त है एक घर को रोशन करने के लिए। इसलिए हमें किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होना चाहिए। किसी भी कठिनाई से घबराना नहीं चाहिए। इससे हमें कुछ प्राप्त नहीं होगा। हमें हर कठिनाई और दुःख का सामना साहस, धैर्य और पुरुषार्थ से करना चाहिए।

1. **उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?**

(क) पुरुषार्थ पर

(ख) उमंग और उत्साह पर

(ग) गति ही प्रगति के सिद्धांत पर

(घ) साहसिक कृत्यों पर

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. **प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए क्या आवश्यक है?**

(क) अपने साधनों एवं क्षमताओं का प्रयोग

(ख) अपने लोगों का साथ

(ग) अपने परिवार के प्रति सजगता

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

कथन : दुःख में घबराना वीरता का प्रतीक है।

निष्कर्ष : स्थिर और शांत जीवन मन में उत्साह भर देता है।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

4. **गति को कायम रखने के लिए व्यक्ति के जीवन में क्या होना आवश्यक है?**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– गति को कायम रखने के लिए व्यक्ति को अपने मन में उमंग और उत्साह रखना चाहिए तभी जीवन में गति कायम रहती है।

5. गद्यांश के अनुसार हमें किस प्रकार प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए?

उत्तर– हमें अपने साधनों एवं क्षमताओं का उचित प्रयोग कर प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए। हमें भावनात्मक कार्य करना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होना चाहिए।

गद्यांश 15

मन ही मनुष्य के कर्म एवं संघर्षमय जीवन में जीत-हार की गाथाओं को चरितार्थ करता है। दृढ़ मन साधनहीन होने पर भी हार को जीत में बदलने की शक्ति रखता है, इसके विपरीत दुर्बल मन सभी प्रकार के सुलभ-साधनों के होते हुए भी जीत को हार में परिवर्तित कर देता है। यही कारण है कि सभी विद्वान मन को संयमित रखने पर सदैव बल देते हैं क्योंकि संयमित मन ही विकल्पों से मुक्त होकर कुछ करने का दृढ़ संकल्प लेता है। जब संकल्प दृढ़ होगा तो निश्चय ही साधनहीनता की स्थिति में भी कोई-न-कोई साधन या उपाय खोज लिया जाता है। श्रीराम घर से निर्वासित होकर वनवासी जीवन व्यतीत कर रहे थे, एकदम साधनहीन थे। लंका का बलशाली राजा रावण उनकी पत्नी सीता का हरण कर ले गया। यह राम के दृढ़ मन का ही परिणाम था कि साधनहीन होते हुए भी उन्होंने साधन जुटाए और रावण को पराजित करने में सफल हुए। यह तो पौराणिक काल की बात है। आधुनिक काल में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा इसका ज्वलंत उदाहरण है। हमारे साधनहीन नेताओं और उनके नेतृत्व में जन-मानस ने संकल्प लिया था कि हमें स्वतंत्रता प्राप्त करनी है। सशक्त ब्रिटिश साम्राज्य की विशाल सेना, पुलिस, शस्त्रास्त्रों के मुकाबले हमारे पास क्या था, केवल दृढ़ मन! उसी के कारण देश डटा रहा और अंत में सफल हुआ।

शारीरिक व मानसिक शक्ति प्रायः प्रत्येक व्यक्ति में होती है किंतु मानसिक शक्ति के स्तर पर प्रत्येक व्यक्ति में अंतर होता है। संसार में कितने ही लोग अपने मनोबल के कारण महापुरुषों की श्रेणी में आकर खड़े हुए। नेपोलियन, महाराजा रणजीत सिंह, महात्मा गांधी, विवेकानंद आदि ऐसे ही कुछ महापुरुष थे।

1. उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?

(क) आत्मबल पर

(ख) दृढ़ मन पर

(ग) आमजनों की समस्या पर

(घ) साधनहीनता पर

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

2. सभी विद्वान मन को संयमित रखने पर बल देते हैं क्योंकि–

(क) दृढ़ मन ही साधनहीन होने पर हार को जीत के बदलने की शक्ति रखता है।

(ख) दुर्बल मन ही साधनहीन होने पर हार को जीत में बदलने की शक्ति रखता है।

(ग) चंचल मन ही साधनहीन होने पर हार को जीत में बदलने की शक्ति रखता है।

(घ) साधनहीन होकर भी एक व्यक्ति जीत को हार में बदल सकता है।

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

3. निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

कथन : लंका का बलशाली राजा रावण सीता का हरण करके ले गया।

निष्कर्ष : यह राम के दृढ़ मन का ही परिणाम था कि साधनहीन होते हुए भी रावण को पराजित किया।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. इस गद्यांश के अनुसार जब संकल्प दृढ़ होता है तब क्या होता है?

उत्तर– जब संकल्प दृढ़ होता है तो निश्चय ही साधनहीनता की स्थिति में भी कोई-न-कोई साधन या उपाय ढूँढ़ लिया जाता है।

5. इस गद्यांश में आधुनिक काल की किस गाथा की बात की गई है?

उत्तर– आधुनिक काल में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा की बात की गई है। हमारे साधनहीन नेताओं और उनके नेतृत्व में जनमानस ने संकल्प लिया था कि हमें स्वतंत्रता प्राप्त करनी है। सशक्त ब्रिटिश के सामने केवल दृढ़ता के साथ डटे रहे और अंततः आज़ादी प्राप्त की।

गद्यांश 16

हमारा भारत पहले अंग्रेज़ों का गुलाम था। अंग्रेज़ों ने हमारे देश को परतंत्र बनाए रखने के लिए अनेक हथकंडे अपनाए। उन्होंने न केवल हमारा अनवरत शोषण किया अपितु हमें हीनभावना से भी ग्रस्त कर दिया। उन्होंने हमारे देश को मनमाने ढंग से लूटा। यह लूट न केवल आर्थिक थी, बल्कि सांस्कृतिक भी थी। लगभग दो सौ वर्षों की

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

गुलामी ने भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान को रौंद डाला, हमारी संस्कृति को समाप्त कर दिया, हमारे विश्वासों को हिला दिया और हमारे आत्मविश्वास को चकनाचूर कर दिया। किंतु अपने इस देश से प्यार करने वाले एक संकेत मात्र से अपने प्राण न्योछावर करने वाले दीवानों का अभाव न था। एक आवाज़ उठी और देखते-ही-देखते राष्ट्रीयता का दबा हुआ आत्मविश्वास उन्मत्त हो उठा। इतिहास साक्षी है—जाने और अनजाने सहस्रों देशभक्त स्वतंत्रता की अनमोल निधि को पाने के लिए शहीद हो गए। बहुत ही कठिनाई और लाखों कुर्बानियों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई। आज स्वतंत्रता की अनमोल निधि को सुरक्षित रखने का दायित्व नवयुवकों पर है। देश को आगे ले जाने और विकसित करने का भार उन्हीं के कंधों पर है। हमारे नवयुवकों ने अभी तक अपने दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया है और पूर्ण विश्वास है कि आगे भी हम अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखेंगे। हमें यकीन है कि वे देश को उसका वह पुराना गौरवशाली अतीत लौटाएँगे जब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

1. उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु है?

(क) भारत की दासता (ख) नवयुवकों का दायित्व
(ग) राष्ट्र मीमांसा (घ) सोने की चिड़िया

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

2. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): बहुत ही कठिनाइयों और कुर्बानियों के बाद हमें स्वतंत्रता मिली।

कारण (R): इतिहास साक्षी है— जाने-अनजाने हज़ारों देशभक्त स्वतंत्रता की अनमोल निधि को पाने के लिए शहीद हो गए।

(क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. गद्यांश के अनुसार एक आवाज़ उठने के साथ राष्ट्रीयता का दबा हुआ क्या उन्मत्त हो उठा?

(क) आत्मसमान (ख) आत्मविश्वास
(ग) आत्मनिर्भरता (घ) अविश्वास

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. गुलामी के दो सौ वर्षों ने किस प्रकार भारत को क्षतिग्रस्त किया?

उत्तर– लगभग दो सौ वर्षों की गुलामी ने भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान को रौंद डाला और हमारी संस्कृति को समाप्त कर दिया। इतना ही नहीं, उसने हमारे आत्मविश्वास को भी चकनाचूर कर डाला।

5. 'राष्ट्र का दबा हुआ आत्मविश्वास' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– 'राष्ट्र का दबा हुआ आत्मविश्वास' से आशय है कि लगभग दो सौ सालों की गुलामी ने राष्ट्रीय स्वाभिमान और आत्मविश्वास को दबा दिया था। पर खत्म नहीं हुआ था। इस कारण एक आह्वान पर जाग उठा।

गद्यांश 17

विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं। उन पर ही देश का भविष्य निर्भर करता है। यदि हम चाहते हैं कि भविष्य में अच्छे नागरिक मिलें तो हमें विद्यार्थियों को सभी दृष्टि से योग्य बनाना पड़ेगा। पहली बात उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करने की है। हमारा विद्यार्थी वर्ग अपने को राष्ट्र की धरोहर समझकर अपनी रक्षा और अपना विकास करे। उन्हें यह बात मन में ठान लेनी है कि उसके ऊपर भारत की रक्षा का भार है। उन्हें स्मरण रखना होगा कि वे उस महान राष्ट्र के नागरिक होने जा रहे हैं, जिसने आदिकाल में ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की उद्घोषणा की थी। उसे इसका क्रमशः पालन करना है। उन्हें यह बात माननी होगी कि देश का विकास होगा तो उनका विकास होगा। देश सुरक्षित रहेगा तो उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा।

दूसरी बात यह है कि उसे कर्मठ बनना है। आलस्य को अपना महान शत्रु समझकर उसकी छाया से भी घृणा करनी है। आज आवश्यकता है—अधिक-से-अधिक उत्पादन करने की और अधिक से अधिक कर्तव्यपरायण व अधिक से अधिक प्रगतिशील बनने की। विदेशों से होड़ करने के लिए हमारे छात्रों को समय से काम करने की आदत डालनी होगी। अधिक समय तक काम करने के लिए धैर्य और अनुशासन के गुण का विकास करना होगा। आज सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता है तभी देश से दरिद्रता भागेगी और अज्ञानता का अंधकार दूर होगा। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक को अपना कर्तव्य और उत्तरदायित्व समझना होगा।

1. उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु है?

(क) देश और समाज
(ख) छात्र और शिक्षक
(ग) विद्यार्थी और कर्मठता
(घ) भारत की खोज

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): उन्हें स्मरण रखना होगा कि वे उस महान राष्ट्र के नागरिक होने जा रहे हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

कारण (R): भारत ने आदिकाल में ही वसुधैव कुटुंबकम् की उद्‌घोषणा की थी।

(क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. विद्‌यार्थी को कर्मठ बनने के लिए किसे अपना महान शत्रु मानकर उसकी छाया से भी घृणा करनी चाहिए?

(क) लोगों को

(ख) आलस्य को

(ग) दूसरों पर निर्भरता को

(घ) मेहनत को

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. देश के विकास में विद्‌यार्थियों का क्या योगदान होता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विद्‌यार्थी देश का भविष्य होते हैं। उन पर ही देश का भविष्य निर्भर करता है। विद्‌यार्थी-वर्ग को जिस प्रकार की शिक्षा दी जाएगी, वे उसी प्रकार के राष्ट्र का निर्माण करेंगे।

5. प्रस्तुत गद्‌यांश को अच्छी तरह पढ़कर 'वसुधैव कुटुंबकम्' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आशय है—उदार हृदय वाले लोगों के लिए सारी धरती ही परिवार है। अर्थात् उदार व विशाल हृदय वालों के लिए इस समस्त पृथ्वी पर कोई पराया नहीं होता।

गद्‌यांश 18

अंग्रेज़ी में एक कहावत है 'Man is a social animal,' जिसका अर्थ है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहता है। वह समाज से सीखता है और समाज पर अपना प्रभाव डालता है। वह बहुत कुछ देखकर भी सीखता है। इसीलिए कहा गया है कि मनुष्य अनुकरणशील प्राणी है। वह हमेशा अनुकरण करता रहता है। वह अपने आसपास के लोगों से एवं सहचरों से कर्म सीखता है। व्यवहार सीखता है। किसी मनुष्य की प्रकृति क्या है, उसके गुण क्या हैं, उसका नैतिक, आध्यात्मिक चरित्र कैसा है, किस विषय में उसकी अभिरुचि है—इन सभी बातों का ज्ञान हमें उसकी संगति से होता है। किसी महापुरुष का कथन है—किसी को मित्र एवं सहृदय बनाना हो तो सबसे पहले उसके सहचरों को देखना चाहिए। उसके संगी कौन हैं, मित्र कौन-कौन हैं, इससे ही उसके चरित्र और अभिरुचि का परिचय मिलता है। सुसंगति एक ऐसी पारसमणि है जो लोहे को भी सोना बनाने की क्षमता रखती है। चंदन के समीप रहने से आसपास के वृक्ष भी सुगंधित हो जाते हैं। दूध के साथ पानी भी उसी मूल्य बिकता है। जल की बूँद गर्म तवे पर पड़े तो वह तत्क्षण मिट जाएगी। यदि संयोग से यही बूँद सीप के मुख में गिरे तो वह उज्ज्वल मोती बनेगी। यही सत्संग की महत्ता है। रहीमदास जी ने कहा भी है—

कदली, सीप, भुजंग-मुख, स्वाति एक गुण तीन।
जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन।

इसलिए हमें हमेशा अच्छे और सज्जन लोगों की संगति करनी चाहिए। अच्छे लोगों की संगति से हमें उनके व्यवहार और गुणों को अपनाने का मौका मिलता है। हमारा व्यवहार भी उनके अनुसार ही बनता है। अगर हम बुरे लोगों की संगति में रहेंगे तो हमारा व्यवहार भी बुरा बन जाएगा।

1. उपर्युक्त गद्‌यांश की विषयवस्तु है?

(क) पारसमणि (ख) सुसंगति

(ग) मनुष्य और समाज (घ) सामाजिक प्राणी

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

2. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): हमें हमेशा अच्छे और सज्जन लोगों की संगति करनी चाहिए।

कारण (R): अच्छे लोगों की संगति से हमें उनके व्यवहार और गुणों को अपनाने का मौका मिलता है।

(क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. गद्‌यांश के अनुसार मनुष्य अपना अधिकतर कर्म कहाँ और कैसे सीखता है?

(क) समाज में रहकर अपने आसपास के लोगों से

(ख) समाज में रहकर दूसरों की नकल करके

(ग) समाज में रहकर जीव-जंतुओं से सीखता है

(घ) समाज से बाहर जाकर

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

4. मनुष्य कैसा प्राणी है? उसकी पहचान कैसे की जाती है?

उत्तर– मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहता है, समाज से सीखता है और समाज पर अपना प्रभाव डालता है। मनुष्य की संगति से हम उसकी पहचान कर सकते हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. **हमें कैसे लोगों की संगति करनी चाहिए और क्यों? समझाइए।**

उत्तर– हमें हमेशा अच्छे और सज्जन लोगों की संगति करनी चाहिए। अच्छे लोगों की संगति से हमें उनके व्यवहार और गुणों को अपनाने का मौका मिलता है। यदि हम बुरे लोगों की संगति में रहेंगे तो हमारा व्यवहार भी बुरा बन जाएगा।

गद्यांश 19

इस संसार में कुछ व्यक्ति भाग्यवादी होते हैं और कुछ केवल अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखते हैं। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि भाग्यवादी व्यक्ति ईश्वरीय इच्छा को सर्वोपरि मानते हैं और अपने प्रयत्नों को क्षीण मान बैठते हैं। ये विधाता का ही दूसरा नाम भाग्य को मान लेते हैं। भाग्यवादी कभी-कभी अकर्मण्यता की स्थिति में भी आ जाते हैं। उनका कथन होता है कि कुछ नहीं कर सकते, सब कुछ ईश्वर के अधीन है। हमें उसी प्रकार परिणाम भुगतना पड़ेगा जैसे भगवान चाहेगा। भाग्योदय शब्द में भाग्य प्रधान है। भाग्य पर आश्रित रहकर हम कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते।

दूसरी तरफ़ पुरुषार्थ पर भरोसा रखने वाला व्यक्ति अपना भाग्य स्वयं बनाता है। उसे अपनी मेहनत और लगन पर भरोसा होता है। उन्हीं के बल पर वह अपने जीवन को सार्थक और सफल बनाता है। पुरुषार्थी व्यक्ति भाग्य पर भरोसा न करके अपना भाग्योदय स्वयं करता है। एक अन्य शब्द है—सूर्योदय। हम जानते हैं कि उदय सूरज का नहीं होता। सूरज तो अपनी जगह पर रहता है, चलती-घूमती तो धरती ही है। फिर भी सूर्योदय हमें बहुत शुभ और सार्थक मालूम होता है। भाग्य भी इसी प्रकार का है। लेकिन इसके लिए हमें भाग्य के भरोसे न रहकर अपने पुरुषार्थ पर भरोसा करना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। कहा भी गया है—

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है।

1. **उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु है?**

(क) अकर्मण्यता (ख) भाग्यव ाद

(ग) वैराग्य (घ) पुरुषार्थ

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

2. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।**

कथन (A): हम सभी जानते हैं कि उदय सूरज का नहीं होता।

कारण (R): सूरज तो अपनी जगह पर रहता है, चलती-फिरती तो धरती ही है।

(क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. **पुरुषार्थी व्यक्ति का भाग्य निर्भर करता है –**

(क) अपनी मेहनत पर (ख) ईश्वरीय शक्ति पर

(ग) दोस्तों पर (घ) पूजा-पाठ पर

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

4. **गद्यांश के आधार पर लिखिए कि भाग्यवादी और पुरुषार्थी में क्या अंतर है?**

उत्तर– भाग्यवादी व्यक्ति ईश्वरीय इच्छा को सर्वोपरि मानते हैं और अपने प्रयत्नों को क्षीण मान बैठते हैं जबकि पुरुषार्थी व्यक्ति अपना भाग्य स्वयं बनाते हैं। उन्हें अपनी मेहनत और लगन पर भरोसा होता है।

5. **'सूर्योदय' के द्वारा लेखक ने क्या समझाया है? स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर– लेखक के अनुसार उदय सूरज का नहीं होता है, सूरज तो अपनी जगह पर रहता है फिर भी सूर्योदय हमें शुभ और सार्थक मालूम होता है। भाग्य भी उसी प्रकार का है। हमें भी भाग्योदय के लिए धरती की तरह घूर्णन अर्थात् परिश्रम करना चाहिए।

गद्यांश 20

भूमि, जन और जन की संस्कृति को राष्ट्र कहते हैं। प्रत्येक नागरिक पर राष्ट्र के प्रति तीन प्रकार के ऋण होते हैं—देव ऋण, पितृ ऋण और ऋषि ऋण। प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने ऋणों को चुकाकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह करना चाहिए।

राष्ट्र हमारा पालन-पोषण एवं संवर्द्धन करता है, अतः उसे माता के समान माना गया है। हमें राष्ट्र को माँ के समान सम्मान देना चाहिए। राष्ट्र की सुख-समृद्धि और प्रगति में प्रत्येक नागरिक की साझेदारी है। ऐसा प्रयास करना ही राष्ट्र-वंदना है, राष्ट्र-पूजा है। यही उसके राष्ट्र-प्रेम, देश-भक्ति तथा मातृभूमि के प्रति सर्वस्व समर्पण की भावना को प्रकट करता है।

वर्तमान समय में हमारा राष्ट्र अनेक जटिल समस्याओं से घिरा हुआ है। आतंकवाद एवं विघटनकारी शक्तियों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को खतरे में डाल रखा है। कश्मीर, असम, नागालैंड आदि राज्यों में अशांति का वातावरण है। हमारा कर्तव्य हो जाता है कि इन सांप्रदायिक एवं विघटनकारी तत्त्वों के बहकावे में न आएँ तथा इनसे डटकर मुकाबला करें। राष्ट्र की एकता सर्वोपरि है। हमें यह याद रखना चाहिए कि राष्ट्र होगा तभी हम भी रहेंगे और राष्ट्र के विनाश होने पर हम कहीं के नहीं रहेंगे। इसलिए हमें इन विघटनकारी शक्तियों का मुकाबला हर स्तर पर करना चाहिए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी प्रगति में पूरा-पूरा सहयोग दें। राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका निर्णायक सिद्ध होगी। औद्योगिक एवं कृषि की दृष्टि से राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा तभी संभव है जब हम अपने-अपने क्षेत्र में पूरी लगन और मेहनत के साथ कार्य करें।

1. **उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु है?**

    (क) देव ऋण, मातृ ऋण, पितृ ऋण

    (ख) आत्मसुधार, आत्मकल्याण

    (ग) राष्ट्र-वंदन, राष्ट्र-प्रेम, राष्ट्र ही सर्वोपरि

    (घ) कृषि, उद्योग, आत्मनिर्भरता

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।**

    कथन (A): राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी प्रगति में पूरा-पूरा सहयोग दें।

    कारण (R): राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका निर्णायक सिद्ध होगी।

    (क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

    (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

    (ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

    (घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **इस गद्यांश के अनुसार राष्ट्र को किसके समान सम्मान देना चाहिए?**

    (क) माँ के समान (ख) पिता के समान

    (ग) भगवान के समान (घ) रिश्तेदार के समान

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. **आपके विचार में 'राष्ट्र' शब्द का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर– भूमि, जन और जन की संस्कृति को राष्ट्र कहते हैं। ये तीन तत्व मिलकर ही राष्ट्र का निर्माण करते हैं। राष्ट्र हमारा पालन-पोषण एवं संवर्धन करता है।

5. **राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका निर्णायक कैसे सिद्ध होगी।**

उत्तर– राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी प्रगति में पूरा-पूरा सहयोग दें, तभी राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका सिद्ध होगी। उद्योग एवं कृषि की दृष्टि से राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना अति आवश्यक है। ऐसा तभी संभव होगा, जब हम अपने-अपने क्षेत्र में पूरी लगन एवं मेहनत से कार्य करें।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

- शब्द और पद
- अनुस्वार एवं अनुनासिक
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- स्वर संधि
- विरामचिह्न
- अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद

शब्द और पद

1

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–

1. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. आम्र, सूर्य, क्षीर	(i) संकर शब्द
II. ऊँट, आँख, गोबर	(ii) तद्भव शब्द
III. अग्निबोट, सज़ाप्राप्त, नमक हराम	(iii) तत्सम शब्द

विकल्प

(क) I. (iii), II. (i), III. (ii)

(ख) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(घ) I. (i), II. (ii), III. (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. 'छोटा बच्चा गिर गया।' रेखांकित पद का भेद है –

(क) संज्ञा पद

(ख) सर्वनाम पद

(ग) विशेषण पद

(घ) क्रिया पद

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. 'आपके घर में एक चोर घुसा है।' रेखांकित पद का भेद है –

(क) संज्ञा पद

(ख) विशेषण पद

(ग) संबंधबोधक पद

(घ) क्रियाविशेषण पद

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. 'बच्चा छत पर बैठा है।' रेखांकित पद का भेद है –

(क) संबंधबोधक पद

(ख) क्रियाविशेषण पद

(ग) समुच्चयबोधक पद

(घ) विस्मयादिबोधक पद

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. 'मेरे घर के पास मंदिर है।' रेखांकित पद का भेद है –

(क) संबंधबोधक पद

(ख) क्रिया पद

(ग) विशेषण पद

(घ) क्रियाविशेषण पद

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. 'मेहनत करो नहीं तो फेल हो जाओगे।' रेखांकित पद का भेद है –

(क) क्रियाविशेषण पद

(ख) समुच्चयबोधक पद

(ग) संबंधबोधक पद

(घ) क्रिया पद

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. 'रमन पेंसिल से लिखता है।' रेखांकित शब्द का भेद है –

(क) तत्सम शब्द

(ख) तद्भव शब्द

(ग) देशज शब्द

(घ) विदेशी शब्द

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. 'घड़ीसाज घड़ी बनाता है।' रेखांकित शब्द का भेद है –

(क) संकर शब्द

(ख) विदेशी शब्द

(ग) देशज शब्द

(घ) तद्भव शब्द

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. 'वाह! क्या बढ़िया भोजन बनाया है। इस वाक्य में विस्मयादिबोधक पद होगा –

(क) क्या बढ़िया

(ख) भोजन बनाया है

(ग) वाह! क्या बढ़िया

(घ) वाह!

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

10. क्रियाविशेषण पद का उदाहरण छाँटिए –

(क) मुझे खीर बहुत अच्छी लगती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ख) लड़की के द्वारा खीर खाई जाती है।
(ग) आप जल्दी से छत पर जाइए।
(घ) मेरे घर के पास मंदिर है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. 'पानी, पैर, कल, कुर्सी' आदि शब्द के भेद हैं –
(क) यौगिक शब्द
(ख) योगरूढ़ शब्द
(ग) विदेशी शब्द
(घ) रूढ़ शब्द

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. बाहर कोई खड़ा है	(i) संज्ञा पद
II. मीरा अध्यापिका है	(ii) निपात पद
III. मुझको भी अमरीका जाना है।	(iii) सर्वनाम पद

विकल्प
(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)
(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii)
(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)
(घ) I. (ii), II. (iii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. निम्नलिखित शब्दों में से देशज शब्द है –
(क) पुस्तक
(ख) शक्तिमान
(ग) वीणापाणि
(घ) कटोरा

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. 'किशमिश, गिरफ़्तार, दीवार आदि स्रोत के आधार पर शब्द भेद हैं –
(क) तत्सम शब्द
(ख) विदेशी शब्द
(ग) देशज शब्द
(घ) संकर शब्द

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. सर्वनाम पद का उदाहरण छाँटिए।
(क) <u>आप</u> यहाँ से चले जाइए।
(ख) आप <u>यहाँ से</u> चले जाइए।
(ग) आप यहाँ से <u>चले</u> जाइए।
(घ) आप यहाँ से <u>चले जाइए</u>।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. 'बच्चे कागज़ की नाव बना रहे हैं।' इस वाक्य में विशेषण पद होगा –
(क) बच्चे कागज़ की
(ख) बच्चे कागज़ की नाव
(ग) कागज़
(घ) बना रहे हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

17. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. शाबाश! तुमने देश का नाम रोशन किया है।	(i) निपात पद
II. मुझे तो घर जाना है।	(ii) समुच्चयबोधक पद
III. ऐसा लगा मानो बादल गरज रहे हैं।	(iii) विस्मयादिबोधक पद

विकल्प
(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)
(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)
(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)
(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

18. 'नौकरी मात्र से कुछ नहीं होगा, कुछ काम <u>भी</u> करना पड़ेगा।' रेखांकित पद का भेद है –
(क) संज्ञा पद
(ख) समुच्चयबोधक पद
(ग) संबंधबोधक पद
(घ) निपात पद

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

19. 'के अंदर, के पास, की तरफ़ आदि शब्द आते हैं –
(क) संबंधबोधक पद में
(ख) समुच्चयबोधक पद में
(ग) विस्मयादिबोधक पद में
(घ) क्रियाविशेषण पद में

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

20. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. लड़कियाँ काम कर रही हैं।	(i) समुच्चयबोधक पद
II. माता और पिता दोनों से आशीर्वाद लो।	(ii) विशेषण पद
III. उगते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं।	(iii) क्रिया पद

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

II. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पद और शब्द में क्या संबंध होता है?

उत्तर– शब्द और पद में यह संबंध है कि शब्द भाषा की मूल इकाई है जबकि पद वह शब्द या शब्दों का समूह है जो वाक्य में विशेष व्याकरणिक नियमों के अनुसार प्रयुक्त होता है।

2. स्रोत के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?

उत्तर– स्रोत के आधार पर शब्दों के पाँच भेद होते हैं– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी और संकर शब्द।

3. 'शब्द' कब 'पद' बन जाता है?

उत्तर– वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द पद बन जाता है।

4. 'पानी' एक शब्द है। 'पानी' शब्द को पद के रूप में प्रयोग करके 'शब्द' और पद में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर– पानी के बिना जीवन असंभव है।

शब्द	पद
सार्थक वर्णसमूह का स्वतंत्र रूप 'शब्द' कहलाता है।	जब व्याकरण के नियमों के अनुसार किसी शब्द का प्रयोग वाक्य में किया जाता है तब वह 'पद' कहलाता है।

5. 'शब्द' किसे कहते हैं? 'पद' और 'शब्द' के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर– शब्द—शब्द से अभिप्राय सार्थक वर्णसमूह का स्वतंत्र रूप है।

उदाहरण—शब्द : छत, लड़का, खेल।

पद : लड़का छत पर खेल रहा है।

6. वाक्य में प्रयुक्त 'शब्द' को क्या कहते हैं?

उत्तर– वाक्य में प्रयुक्त शब्द को पद कहते हैं।

7. सार्थक वर्णों का मेल क्या कहलाता है?

उत्तर– सार्थक वर्णों का मेल शब्द कहलाता है।

III. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पद के कितने प्रकार होते हैं? लिखिए।

उत्तर– पद आठ प्रकार के होते हैं– संज्ञा, सर्वनाम, विशेष, क्रिया, क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक।

2. भाषा की स्वतंत्र इकाई तथा व्याकरणिक इकाई अर्थात् शब्द एवं पद को सोदाहरण स्पष्ट करें।

उत्तर– शब्द– एक या अधिक वर्णों से बनी हुई स्वतंत्र सार्थक ध्वनि शब्द कही जाती है। शब्द वर्णों का सार्थक समूह होता है।

पद– सार्थक वर्णसमूह शब्द कहलाता है पर जब इसका प्रयोग वाक्य में होता है तो वह स्वतंत्र नहीं रहता अपितु व्याकरण के नियमों में बँध जाता है और प्रायः इसका रूप भी बदल जाता है। इसलिए वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द 'पद' कहा जाता है।

उदाहरण—'अनार' एक शब्द है। परंतु वाक्य में—'दिनेश अनार खाता है' इस प्रकार प्रयुक्त होने पर पद कहलाएगा। यहाँ यह व्याकरण के नियमों में बँध गया है।

IV. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. दिए गए शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग कीजिए।

पंकज, पाठशाला, रात, नीलकंठ, अनुशासन, हाथ, देवालय, दशानन, राजपुरुष, किताब, घर, मुरलीधर, राजकुमारी, नदी।

उत्तर–

रूढ़ शब्द	**यौगिक शब्द**	**योगरूढ़ शब्द**
रात	पाठशाला	पंकज
हाथ	अनुशासन	नीलकंठ
किताब	देवालय	दशानन
घर	राजपुरुष	मुरलीधर
नदी	राजकुमारी	

2. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

(क) अश्रु (ख) अष्टादश (ग) कुपुत्र (घ) ताम्र (ङ) अंगुष्ठ (च) उष्ट्र (छ) कर्पूर (ज) प्रस्तर

उत्तर–

	तत्सम		**तद्भव**
(क)	अश्रु	=	आँसू
(ख)	अष्टादश	=	अठारह
(ग)	कुपुत्र	=	कपूत
(घ)	ताम्र	=	ताँबा
(ङ)	अंगुष्ठ	=	अँगूठा
(च)	उष्ट्र	=	ऊँट
(छ)	कर्पूर	=	कपूर
(ज)	प्रस्तर	=	पत्थर

3. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव, तत्सम, देशज और विदेशी शब्द चुनिए।

कर्म, सूरज, लोटा, सिनेमा, फ़िल्म, दधि, खिड़की, चाँद, गर्दभ, आग, बादल, बीमार, गमछा, घोटक, बटन, खिचड़ी।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर–

तद्भव	तत्सम	देशज	विदेशी
सूरज	कर्म	गमछा	फ़िल्म
आग	दधि	खिड़की	सिनेमा
बादल	गर्दभ	लोटा	बटन
चाँद	घोटक	खिचड़ी	बीमार

4. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पद छाँटिए।

(क) रवि क्रिकेट खेलता है।

(ख) राजा ने एक महल बनवाया।

(ग) हरीश पत्र लिखता है।

(घ) मोहसिन ने पाठ पढ़ा।

(ङ) वह ज़ोर-ज़ोर से रो रहा है।

(च) कुछ बच्चे आम खा रहे हैं।

उत्तर– (क) खेलता है

(ख) बनवाया

(ग) लिखता है

(घ) पढ़ा

(ङ) रो रहा है

(च) खा रहे हैं

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

(क) मोहिनी पत्र लिख रही है। (संज्ञा पद छाँटिए)

(ख) यह घर मेरा है। (सर्वनाम पद बताइए)

(ग) वंश खा चुका होगा। (क्रिया पद छाँटिए)

(घ) थोड़ी नमकीन ले आओ। (विशेषण पद बताइए)

(ङ) वह ध्यानपूर्वक सुन रहा है। (क्रियाविशेषण पद बताइए)

(च) रीना घर के भीतर बैठी है। (संबंधबोधक पद छाँटिए)

(छ) मन लगाकर पढ़ो अन्यथा फेल हो जाओगे। (समुच्चयबोधक पद बताइए)

(ज) हाय! मैं बरबाद हो गया। (विस्मयादिबोधक पद छाँटिए)

उत्तर– (क) मोहिनी पत्र लिख रही है।

(ख) यह घर मेरा है।

(ग) वंश खा चुका होगा।

(घ) थोड़ी नमकीन ले आओ।

(ङ) वह ध्यानपूर्वक सुन रहा है।

(च) रीना घर के भीतर बैठी है।

(छ) मन लगाकर पढ़ो अन्यथा फेल हो जाओगे।

(ज) हाय! मैं बरबाद हो गया।

6. निम्न शब्द समूहों में से देशज एवं विदेशी शब्दों को छाँटिए।

पगड़ी, खाना, चर्च, पढ़ाई, थैला, डॉक्टर, रेलवे स्टेशन

उत्तर–

देशज	विदेशी
पगड़ी	चर्च
खाना	डॉक्टर
पढ़ाई	रेलवे स्टेशन
थैला	

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अनुस्वार एवं अनुनासिक

2

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–

1. 'बच्चे मैदान में .... उड़ा रहे हैं।' दिए गए वाक्य में खाली स्थान में आने वाला शब्द है –

(क) पतँग (ख) पंतग

(ग) पतंग (घ) पतग

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. '<u>माँ</u> ने आज खीर बनाई।' रेखांकित शब्द में प्रयोग हुआ है –

(क) चंद्रबिंदु (ख) अनुस्वार

(ग) शिरारेखा (घ) पंचमाक्षर

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

3. निम्नलिखित में से किस शब्द युग्म में अनुस्वार का उपयुक्त प्रयोग किया गया है?

(क) मगंल, मजंन (ख) फिरंगी, मनोरंजन

(ग) चितंन, मडंप (घ) हसं, पूछं

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. अनुनासिक चिह्न के उचित प्रयोग वाला शब्द समूह है –

(क) कुँआ, चादँ, अँधेरा (ख) हंस, चांद, पूँछ

(ग) अगँना, सापँ, दिनाँक (घ) उँगली, काँच, बूँदें

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

5. ङ्, ञ, ण, न् और म् ये पाँचों अक्षर कहलाते हैं –

(क) दूसरा अक्षर (ख) पंचाक्षर

(ग) अनुनासिक (घ) आगत

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

6. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. शंकर	(i) ण्
II. घंटा	(ii) न्
III. हिंदी	(iii) म्

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

7. '<u>स्वावलम्बी</u> सदा सुखी रहते हैं।' रेखांकित शब्द का मानक शब्द है –

(क) स्वावलमबी

(ख) स्वावलंबी

(ग) स्वावलम्बी

(घ) स्वावंलबी

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

8. अनुनासिक के सही प्रयोग वाले वाक्य छाँटिए।

(क) लड़कियां किताब पढ़ रही हैं।

(ख) लड़ँकिया किताब पढ़ रही हैं।

(ग) लड़कियाँ किताब पढ़ रही हैं।

(घ) लड़किंया किताब पढ़ रही हैं।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

9. सही अनुस्वार के प्रयोग वाले वाक्य छाँटिए।

(क) मैं कभी <u>मुम्बई</u> नहीं गया।

(ख) मैं कभी <u>मुबंई</u> नहीं गया।

(ग) मैं कभी <u>मुंबई</u> नहीं गया।

(घ) मैं कभी <u>मोम्बई</u> नहीं गया।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

10. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. बिंदु	(i) अनुस्वार
II. आँख	(ii) अनुनासिक
III. हंसी	
IV. हँसी	

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (i), IV. (ii)

(ख) I. (ii), II. (i), III. (ii), IV. (i)

(ग) I. (i), II. (i), III. (ii), IV. (ii)

(घ) I. (ii), II. (ii), III. (i), IV. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. घंटा	(i) ं
II. कन्हैया	(ii) ँ
III. पुण्य	(iii) ण्
IV. ऊँचाई	(iv) न्

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iv), IV. (iii)

(ख) I. (i), II. (ii), III. (iii), IV. (iv)

(ग) I. (i), II. (iv), III. (iii), IV. (ii)

(घ) I. (i), II. (iii), III. (ii), IV. (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. 'आज सुबह से बूँदा-बाँदी हो रही है।' रेखांकित शब्द में प्रयोग हुआ है –

(क) अनुनासिक का

(ख) अनुस्वार का

(ग) पंचमाक्षर का

(घ) ऊष्म व्यंजन का

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. 'उत् + नति' शब्द को जोड़ने पर सही शब्द बनेगा –

(क) उन्नति

(ख) उतनति

(ग) उननति

(घ) उनति

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. 'पुराने गीत को सुनकर हम आज भी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।' रेखांकित शब्द में प्रयोग हुआ है –

(क) अर्धचंद्राकार

(ख) अनुनासिक

(ग) अनुस्वार

(घ) आगत

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. 'यदि शब्द में 'श' या 'स' आए तो उसके पूर्व आएगा –

(क) अनुस्वार

(ख) अनुनासिक

(ग) अर्धचंद्रकार

(घ) पंचमाक्षर

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. जिस शब्द में पंचम वर्ण के बाद उसकी वर्ग के शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो, तो पंचम वर्ण के स्थान पर आएगा –

(क) अर्धचंद्रकार

(ख) अनुनासिक

(ग) अनुस्वार

(घ) पंचमाक्षर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

17. 'मिठाई पर मक्खियाँ भिनभिना रही हैं।' रेखांकित शब्द में प्रयोग हुआ है –

(क) अनुनासिक

(ख) अर्धचंद्राकार

(ग) अनुस्वार

(घ) शिरोरेखा

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

18. 'फैक्ट्री से .... निकल रहा है।' खाली स्थान पर आने वाला सही शब्द है –

(क) धुँआ

(ख) धुआँ

(ग) धुआं

(घ) धुंआ

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

19. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. मेरी पिछली यात्रा अत्यंत कठिन थी।	(i) म्
II. पर्वत की ऊँचाई से नीचे देखना भयभीत करता है।	(ii) ँ
III. हमेशा बड़ों का सम्मान करना चाहिए।	(iii) ं

विकल्प

(क) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ख) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ग) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

20. **अनुस्वार के सही प्रयोग वाले वाक्य छाँटिए।**

(क) वायुमंडल जहरीला होता जा रहा है।

(ख) राधा के कण्ठ में सरस्वती का वास है।

(ग) देश की उन्नति के लिए प्रत्येक नागरिक को योगदान देना चाहिए।

(घ) सीता की माँ नौकरी करती हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

II. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. **अनुस्वार से संबंधित नियमों के बारे में लिखें।**

उत्तर– अनुस्वार में एक नियम है जिसे पंचमाक्षर का नियम कहते हैं। इसमें पंचम वर्ण के बाद उसी वर्ग के शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो तो उस पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार आता है। जैसे– 'अङ्‌ग' को 'अंग' लिखा जाता है।

2. **अनुनासिक से संबंधित ध्यान देने योग्य कौन-कौन-सी बातें हैं? लिखिए।**

उत्तर– अनुनासिक से संबंधित कुछ ध्यान देने योग्य बातें इस प्रकार हैं–

(क) हिंदी में अनुनासिक के लिए (ँ) का प्रयोग किया जाता है।

(ख) जिन स्वरों या मात्राओं का कोई हिस्सा शिरोरेखा के ऊपर हो, वहाँ चंद्रबिंदु के स्थान पर अनुस्वार का ही प्रयोग होता है। जैसे– सौंफ आदि

III. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. **अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर बताइए।**

उत्तर– अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर–

(क) उच्चारण के आधार पर अनुस्वार व्यंजन और अनुनासिक स्वर होता है।

(ख) अनुस्वार एक स्वतंत्र ध्वनि है लेकिन अनुनासिक की ध्वनि स्वतंत्र न होकर नासिक्य स्वर में मिल जाती है।

(ग) अनुस्वार पंचम वर्ण का द्‌योतक है जबकि अनुनासिक में स्वर का गुण होता है।

(घ) अनुस्वार जिस वर्ग के ऊपर लिखा जाता है उसके बाद बोला जाता है जबकि अनुनासिक जिस वर्ण पर लगता है उसके बाद ही बोला जाता है।

2. **अनुस्वार से संबंधित पंचमाक्षर नियम के बारे में लिखिए।**

उत्तर– पंचमाक्षर नियम–

(क) यदि पंचम वर्ग के बाद य, व, ह आता है तो अनुस्वार नहीं लिखा जाता है; जैसे पुण्य, मान्यता आदि।

(ख) यदि दो पंचम वर्ण एक साथ आएँ तो अनुस्वार नहीं लिखा जाता है; जैसे अन्न, जन्म आदि।

(ग) जहाँ पंचम वर्ण के बाद उसी वर्ग के शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो तो उस पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार आता है; जैसे– अङ्‌क का अंक आदि।

IV. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कर दोबारा लिखिए।**

प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर
व्यजन	व्यंजन	मजन	मंजन
मकरद	मकरंद	गगा	गंगा
तुरग	तुरंग	दडित	दंडित
चदन	चंदन	जगल	जंगल
मगल	मंगल	सघर्ष	संघर्ष
पतग	पतंग	सवाद	संवाद
अग	अंग	शकर	शंकर
वशज	वंशज	झडा	झंडा
अधा	अंधा	अतर	अंतर
ठडाई	ठंडाई	अश	अंश
डडा	डंडा	वशी	वंशी
दगल	दंगल	मजरी	मंजरी
पक्ति	पंक्ति	पकज	पंकज
रगोली	रंगोली	बधन	बंधन

2. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर दोबारा लिखिए।**

प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर
काटा	काँटा	बाटना	बाँटना
लड़किया	लड़कियाँ	महगाई	महँगाई
चाद	चाँद	फादना	फाँदना
महिलाए	महिलाएँ	आगन	आँगन
उगलिया	उँगलियाँ	भाति	भाँति
सभाल	सँभाल	साझ	साँझ
गाव	गाँव	बकरिया	बकरियाँ
बासुरी	बाँसुरी	आच	आँच
आंकड़ा	आँकड़ा	जांच	जाँच
स्वांग	स्वाँग	गूंज	गूँज
पाव	पाँव	खिड़किया	खिड़कियाँ
बास	बाँस	आचल	आँचल
भांग	भाँग	सांचा	साँचा

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

तांगा	ताँगा	भंवरा	भँवरा
छाव	छाँव	तितलिया	तितलियाँ
बाधना	बाँधना	कापना	काँपना
सांप	साँप	हंसना	हँसना
कांटा	काँटा	लहंगा	लहँगा

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक या अनुस्वार लगाइए।

प्रश्न	**उत्तर**	**प्रश्न**	**उत्तर**
चचल	चंचल	लाघना	लाँघना
ऊचा	ऊँचा	पाचवा	पाँचवाँ
हिदी	हिंदी	सबोधन	संबोधन
भावनाए	भावनाएँ	ककाल	कंकाल
अगूर	अंगूर	सपादन	संपादन
अगूठी	अँगूठी	खूटा	खूँटा
आशका	आशंका	गवार	गँवार
बसत	बसंत	अतरग	अंतरंग
वदना	वंदना	प्रपच	प्रपंच
ग्रथ	ग्रंथ	अगुली	अँगुली

4. निम्नलिखित शब्दों का मानक रूप लिखिए।

प्रश्न	**उत्तर**	**प्रश्न**	**उत्तर**
कम्बल	कंबल	चन्दन	चंदन
चम्पा	चंपा	झण्डारोहण	झंडारोहण
धन्धा	धंधा	हिन्दी	हिंदी
ठण्डी	ठंडी	भुजङ्ग	भुजंग
कङ्घा	कंघा	चञ्चल	चंचल
सम्बन्ध	संबंध	मतङ्ग	मतंग
नन्दन	नंदन	घण्टा	घंटा
सम्पादक	संपादक	सम्वाद	संवाद

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उपसर्ग एवं प्रत्यय

3

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. **निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–**

1. **'नदी का बहाव बहुत तेज़ है।' रेखांकित शब्द प्रत्यय का भेद है –**
   (क) कर्तृवाचक कृदंत
   (ख) कर्मवाचक कृदंत
   (ग) भाववाचक कृदंत
   (घ) करणवाचक कृदंत

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **'लुटिया' में लगने वाला 'इया' प्रत्यय भेद है –**
   (क) लघुतावाचक तद्धित
   (ख) गणनावाचक तद्धित
   (ग) क्रियार्थक कृत प्रत्यय
   (घ) कर्मवाचक कृदंत

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **'दुर्बल' शब्द में लगने वाला 'दुर' उपसर्ग भेद है –**
   (क) हिंदी भाषा का
   (ख) संस्कृत भाषा का
   (ग) विदेशी भाषा का
   (घ) उर्दू-फ़ारसी भाषा का

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. चालक, कढ़ाई, सुखिया	(i) कर्मवाचक कृदंत
II. उठना, पालना, गाना	(ii) भाववाचक कृदंत
III. मिलाप, विलाप, बुलावा	(iii) कर्तृवाचक कृदंत

   विकल्प
   (क) I. (ii), II. (iii), III. (i)
   (ख) I. (iii), II. (ii), III. (i)
   (ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)
   (घ) I. (i), II. (ii), III. (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **'स्वच्छता अभियान में देशवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।' रेखांकित शब्द उपसर्ग भेद है –**
   (क) संस्कृत उपसर्ग
   (ख) भाववाचक कृदंत
   (ग) विदेशी उपसर्ग
   (घ) कर्तृवाचक कृदंत

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. **'आराध्या' शब्द में प्रत्यय है –**
   (क) आर
   (ख) अ
   (ग) आ
   (घ) या

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. **'बाज़ार में सन्नाटा-सा पसरा है।' रेखांकित शब्द प्रत्यय भेद है –**
   (क) सादृश्यवाचक तद्धित
   (ख) क्रियार्थक कृत
   (ग) संबंधवाचक तद्धित
   (घ) भाववाचक तद्धित

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. **'तटस्थता' शब्द में शब्द और प्रत्यय है –**
   (क) तट + स्थता
   (ख) तटस्थ + ता
   (ग) तटस्था + ता
   (घ) त + टस्थता

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. **'कठिन' शब्द में 'आई' प्रत्यय जोड़ने पर शब्द बनेगा –**
   (क) कठिनआई
   (ख) कठिनाआई
   (ग) कठिनअई
   (घ) कठिनाई

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

10. **'वह नौजवान बड़ा शर्मीला है।' रेखांकित शब्द में प्रत्यय भेद है –**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) गुणवाचक तद्धित
(ख) स्थानवाचक तद्धित
(ग) स्त्रीलिंगवाचक तद्धित
(घ) बहुवचनवाचक तद्धित

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. शर्मीला, रंगीला, सजीला	(i) लु
II. श्रद्धालु, दयालु, कृपालु	(ii) इया
III. डिबिया, चुहिया, लुटिया	(iii) ईला

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)
(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)
(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)
(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. 'स्वाधीनता' शब्द में लगने वाले उपसर्ग और प्रत्यय हैं –

(क) 'स्वा' उपसर्ग और 'ता' प्रत्यय
(ख) 'स्व' उपसर्ग और 'नता' प्रत्यय
(ग) 'स्वा' उपसर्ग और 'आ' प्रत्यय
(घ) 'स्व' उपसर्ग और 'ता' प्रत्यय

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

13. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. अव + मान + इत	(i) अवमानित
II. अ + मानव + ईय	(ii) अमानवीय
III. बे + रोज़गार + ई	(iii) वैज्ञानिक
IV. वि + ज्ञान + इक	(iv) बेरोज़गारी

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii), IV. (iv)
(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii), IV. (iv)
(ग) I. (i), II. (ii), III. (iv), IV. (iii)
(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii), IV. (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. 'स्वस्थ रहने के लिए <u>संतुलित</u> आहार लेना चाहिए।' रेखांकित शब्द में आने वाले उपसर्ग और प्रत्यय हैं –

(क) 'स' उपसर्ग और 'लित्'
(ख) 'सम' उपसर्ग और 'इत' प्रत्यय
(ग) 'स' उपसर्ग और 'त्' प्रत्यय
(घ) 'सम' उपसर्ग और 'इत' प्रत्यय

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. 'पहला, सातवाँ, पिछला' आदि शब्द प्रत्यय भेद है –

(क) क्रियार्थक कृत्य प्रत्यय
(ख) संबंधवाचक तद्धित
(ग) भाववाचक तद्धित
(घ) गणनावाचक तद्धित

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

16. 'गैरहाज़िर, गैरकानूनी, दरअसल' आदि शब्द उपसर्ग भेद है –

(क) उर्दू-फ़ारसी का
(ख) हिंदी का
(ग) अंग्रेज़ी का
(घ) संस्कृत का

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

17. 'परदेश' शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द है –

(क) प + रदेश
(ख) परदे + श
(ग) पर + देश
(घ) परद + ऐश

उत्तर–**सही विकल्प (ग) है।**

18. जब प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अथवा अव्यय के अंत में लगकर नए शब्द बनाते हैं तो उन्हें कहा जाता है –

(क) कृत् प्रत्यय
(ख) क्रियार्थक कृत प्रत्यय
(ग) तद्धित प्रत्यय
(घ) कर्मवाचक कृंदत

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

19. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. कर्मवाचक	(i) कृत् प्रत्यय
II. संबंधवाचक	(ii) तद्धित प्रत्यय
III. लघुतावाचक	
IV. करणवाचक	

विकल्प

(क) I. (i), II. (i), III. (ii), IV. (ii)
(ख) I. (i), II. (ii), III. (ii), IV. (i)
(ग) I. (i), II. (ii), III. (i), IV. (ii)
(घ) I. (ii), II. (ii), III. (i), IV. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

20. जिस प्रत्ययों से संबंध का बोध हो वो प्रत्यय कहलाता है –

(क) लघुतावाचक

(ख) गणनावाचक

(ग) संबंधवाचक

(घ) सादृश्यवाचक

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

II. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उपसर्ग के शब्द को शब्द क्यों नहीं कहते?

उत्तर– उपसर्ग के शब्द को शब्द नहीं कहते क्योंकि इनका प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं किया जाता है। इन्हें शब्द न कहकर 'शब्दांश' कहते हैं।

2. प्रत्यय किसे कहते हैं?

उत्तर– जो शब्दांश मूल शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ को बदल देते हैं या उसे नया रूप देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।

III. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संधि युक्त और संधि मुक्त उपसर्ग के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– संधि युक्त उपसर्ग में दोनों खंड आपस में मिले होते हैं; जैसे प्रति + उपकार – प्रत्युपकार, जबकि संधि-मुक्त उपसर्ग में दोनों खंड स्वतंत्र होते हैं; जैसे सु + यश – सुयश आदि।

2. प्रत्यय के कितने प्रकार होते हैं? लिखिए।

उत्तर– प्रत्यय के मुख्यतः दो प्रकार होते हैं–

(क) कृत प्रत्यय, (ख) तद्धित प्रत्यय

(क) कृत प्रत्यय– जो प्रत्यय धातुओं अथवा क्रियाओं के अंत में लगकर उनके अर्थ को परिवर्तित करते हैं, वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं। इनके योग से बने शब्द कृदंत कहलाते हैं। जैसे, पढ़ाई, कढ़ाई आदि।

(ख) तद्धित प्रत्यय– जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अथवा अव्यय के अंत में लगकर उनसे नए शब्द बनाते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं। हिंदी के कुछ तद्धित भाववाचक तद्धित, कर्तावाचक तद्धित, गणना वाचक तद्धित आदि हैं। इसके उदाहरण हैं– सुनार, सफ़ाई, बालपन आदि।

IV. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए।

प्रश्न		उत्तर		
टिकाऊ	–	टिक	+	आऊ
पाठक	–	पाठ	+	अक
पालनहार	–	पालन	+	हार
बालपन	–	बाल	+	पन
लुटेरा	–	लूट	+	एरा
दुकानदार	–	दुकान	+	दार
दैनिक	–	दिन	+	इक
दादागीरी	–	दादा	+	गीरी
पेटू	–	पेट	+	ऊ
खिलौना	–	खिल	+	औना
डरावना	–	डर	+	आवना
सुनवाई	–	सुन	+	वाई
हँसना	–	हँस	+	ना
लटककर	–	लटक	+	कर
देवरानी	–	देवर	+	आनी
बचपन	–	बच्चा	+	पन
मासिक	–	मास	+	इक
मेधावी	–	मेधा	+	वी
लड़ाका	–	लड़	+	आका
पढ़ाकू	–	पढ़	+	आकू
बुद्धिमान	–	बुद्धि	+	मान
दिनकर	–	दिन	+	कर
बेचैनी	–	बेचैन	+	ई
जादूगर	–	जादू	+	गर
गरमाहट	–	गरम	+	आहट
शक्तिमान	–	शक्ति	+	मान
पकड़कर	–	पकड़	+	कर
कीमती	–	कीमत	+	ई
गठीला	–	गठा	+	ईला
कड़वाहट	–	कड़वा	+	आहट
भ्रमित	–	भ्रम	+	इत
खाया	–	खा	+	या
बनवाई	–	बन	+	वाई
लुहारिन	–	लुहार	+	इन
जेठानी	–	जेठ	+	आनी
गवैया	–	गव	+	ऐया
मौखिक	–	मुख	+	इक
श्रद्धालु	–	श्रद्धा	+	आलु
सजीला	–	सज	+	ईला
सजावट	–	सज	+	आवट
गतिमान	–	गति	+	मान
लालिमा	–	लाल	+	इमा
अच्छाई	–	अच्छा	+	ई

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

V. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय को पहचानकर अलग कीजिए।**

प्रश्न		**उत्तर**
वैज्ञानिक	–	इक
अधिकतर	–	तर
प्रोत्साहित	–	इत
प्रतिभावान	–	वान
समझदारी	–	ई
स्वर्णिम	–	इम
राष्ट्रीय	–	ईय
चमकीली	–	ई
कठिनाई	–	आई
लड़कपन	–	पन
सुंदरता	–	ता
भुलक्कड़	–	अक्कड़
बनावट	–	आवट
घटिया	–	इया
मनौती	–	औती
उड़ान	–	आन
भारतीय	–	ईय
मिठास	–	आस
मरियल	–	इयल
उपकारी	–	ई
भावुक	–	उक
अकेलापन	–	पन
भड़कीला	–	ईला
अधिकतर	–	तर

VI. **नीचे दिए गए शब्दांशों को प्रत्यय के रूप में प्रयोग करके शब्द बनाइए।**

प्रश्न		**उत्तर**	
ईय	–	ईश्वरीय	स्वर्गीय
ईला	–	चमकीला	भड़कीला
ऐया	–	गवैया	खेवैया
अक	–	पावक	धावक
वाला	–	रिक्शावाला	चायवाला
मय	–	गरिमामय	भक्तिमय
इत	–	रक्षित	शिक्षित
त्व	–	प्रभुत्व	नेतृत्व
हार	–	पालनहार	चंद्रहार
वान	–	प्रतिभावान	गाड़ीवान
वाला	–	हींगवाला	दूधवाला
तम	–	उच्चतम	निम्नतम
इमा	–	लालिमा	नीलिमा
क	–	पाठक	लेखक

VII. **निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द पहचानकर अलग कीजिए।**

प्रश्न		**उत्तर**
मजहबी	–	मजहब
जगमगाहट	–	जगमग
आशंकित	–	आशंका
चालक	–	चाल
लेखक	–	लेख
ठंडाई	–	ठंडा
देनदार	–	देन
रसोइया	–	रसोई
पढ़ाई	–	पढ़
ग्रंथकार	–	ग्रंथ
प्रोत्साहित	–	प्रोत्साहन
खुलकर	–	खुल
उपजाऊ	–	उपज
घबराहट	–	घबरा
उच्चतम	–	उच्च

VIII. **दिए गए शब्दों में उपयुक्त प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए।**

प्रश्न		**उत्तर**		
चिकना	+	आहट	–	चिकनाहट
पठन	+	ईय	–	पठनीय
सजा	+	आवट	–	सजावट
शक्ति	+	शाली	–	शक्तिशाली
दया	+	वान	–	दयावान
झगड़ा	+	आलू	–	झगड़ालू
चोर	+	ई	–	चोरी
पढ़	+	आई	–	पढ़ाई
समझ	+	दार	–	समझदार
तैराक	+	ई	–	तैराकी

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

IX. **निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए।**

प्रश्न				**उत्तर**				
शब्द		**उपसर्ग**		**मूल शब्द**		**प्रत्यय**
विदेशी	–	वि	+	देश	+	ई
बख़ूबी	–	ब	+	ख़ूब	+	ई
स्वाभिमानी	–	स्व	+	अभिमान	+	ई
अनावश्यक	–	अन्	+	अवश्य	+	अक
बेरोज़गारी	–	बे	+	रोज़गार	+	ई
विफलता	–	वि	+	फल	+	ता
अनुकरणीय	–	अनु	+	करण	+	ईय
वैज्ञानिक	–	वि	+	ज्ञान	+	इक
संचालनीय	–	सम्	+	चालन	+	ईय
अलौकिक	–	अ	+	लोक	+	इक
अशिक्षित	–	अ	+	शिक्षा	+	इत
सम्माननीय	–	सम्	+	मान	+	नीय
अमानवीय	–	अ	+	मानव	+	ईय
प्रोत्साहित	–	प्र	+	उत्साह	+	इत

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

स्वर संधि

4

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. **निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–**

1. स्वर और स्वर यानि दो स्वरों की संधि वाले उदाहरण छाँटिए।

(क) पर + अधीन

(ख) दिक् + गज

(ग) मनः + रथ

(घ) सम् + चार

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. 'सूर्योदय' शब्द में प्रयुक्त संधि है –

(क) गुण संधि

(ख) वृद्धि संधि

(ग) यण संधि

(घ) दीर्घ संधि

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. स्वर संधि का सही उदाहरण है –

(क) कवीश्वर

(ख) निर्जल

(ग) सम्मोहन

(घ) संयुक्त

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. 'न्यायाधीश' का संधि-विच्छेद है –

(क) न्याय + धीश

(ख) न्या + यधीश

(ग) न्याय + अधीश

(घ) न्याया + धीश

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. मेरे बेटे के स्कूल में दीक्षांत समारोह होने वाला है। रेखांकित शब्द में दो स्वरों की संधि है –

(क) अ + इ (ख) अ + उ

(ग) आ + आ (घ) अ + आ

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. आ + आ, ई + ई	(i) गुण संधि
II. आ + ई, आ + ऊ	(ii) यण संधि
III. इ + अ, इ + ऊ	(iii) दीर्घ संधि

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)

(घ) I. (i), II. (iii), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. 'भवन' शब्द में प्रयुक्त होने वाले संधि के सही नियम को छाँटिए –

(क) अ + अ = आ

(ख) ओ + अ = अव

(ग) औ + अ = आव

(घ) ए + अ = अय

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. 'अ + इ = ए' स्वर संधि के भेद को व्यक्त करता है –

(क) दीर्घ संधि

(ख) गुण संधि

(ग) वृद्धि संधि

(घ) यण संधि

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. 'परम + ईश्वर' संधि-विच्छेद उदाहरण है –

(क) दीर्घ संधि का

(ख) अयादि संधि का

(ग) गुण संधि का

(घ) यण संधि का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. 'वार्तालाप' शब्द का सही संधि-विच्छेद है –

(क) वार्त + आलाप

(ख) वार्ता + लाप

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) वार्त + लाप

(घ) वार्ता + आलाप

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

11. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. रवि + इंद्र	(i) अ + अ = आ
II. परम + अर्थ	(ii) इ + इ = ई
III. सूर्य + उदय	(iii) अ + उ = ओ

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

12. 'अधः + गति = अधोगति' में विसर्ग परिवर्तित हो जाता है –

(क) 'अ' में

(ख) 'ओ' में

(ग) 'ग' में

(घ) 'गो' में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. 'छात्रावास' का सही संधि-विच्छेद है –

(क) छात्र + आवास (ख) छात्रा + वास

(ग) छत्र + आवास (घ) छात्रा + आवास

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. 'दुः + शासन' संधि-विच्छेद में विसर्ग का नियम है –

(क) विसर्ग का 'स' में परिवर्तन

(ख) विसर्ग का लोप

(ग) विसर्ग का यथारूप रहना

(घ) विसर्ग का श में परिवर्तन

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. राका + ईश	(i) गुण संधि
II. अति + अधिक	(ii) यण संधि
III. नौ + इक	(iii) दीर्घ संधि
IV. भाव + अर्थ	(iv) अयादि संधि

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii), IV. (iv)

(ख) I. (i), II. (ii), III. (iv), IV. (iii)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (iv), IV. (i)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i), IV. (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

16. 'दो दोस्त बड़ी देर से <u>वार्तालाप</u> कर रहे हैं।' रेखांकित शब्द स्वर संधि का भेद है –

(क) दीर्घ संधि

(ख) गुण संधि

(ग) यण संधि

(घ) अयादि संधि

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

17. 'देवर्षि' शब्द में गुण संधि का नियम है –

(क) आ + ऊ = ओ

(ख) अ + ऋ = अर्

(ग) अ + ष = अष्

(घ) व् + अ = व

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

18. यदि 'ए' के बाद 'अ' आए तो 'अय्' बन जाता है। यह स्वर संधि का भेद है –

(क) दीर्घ संधि

(ख) गुण संधि

(ग) अयादि संधि

(घ) यण संधि

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

19. 'देव + इंद्र' का सही संधि होगा –

(क) देविंद्र (ख) देवइंद्र

(ग) देवींद्र (घ) देवेंद्र

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

20. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. अ + आ = आ	(i) गजानन
II. ओ + इ = अवि	(ii) अन्वेषण
III. उ + ए = वे	(iii) भविष्य

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

II. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संधि के कितने भेद हैं?

उत्तर– संधि के मुख्य तीन भेद होते हैं– स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

2. व्यंजन संधि किसे कहते हैं?

उत्तर– किसी व्यंजन का स्वर अथवा व्यंजन से मेल होने पर उनमें जो परिवर्तन या विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

III. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. स्वर संधि के कितने भेद हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर– स्वर संधि के मुख्यतः पाँच भेद होते हैं–

(क) दीर्घ संधि– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ के साथ अ, आ, इ, ई, उ, ऊ की संधि होने पर ये बदलकर आ, ई, अ हो जाते हैं; जैसे– कथन + अनुसार = अ + अ = कथनानुसार

(ख) गुण संधि– जब 'अ' अथवा 'आ' के बाद ह्रस्व अथवा दीर्घ इ/ई/उ/ऊ अथवा ऋ आएँ तो इनके स्थान पर 'ए', 'ओ' या 'अर्' हो जाता है, जैसे– देव + इंद्र = देवेंद्र (आ + इ = ए)।

(ग) वृद्धि संधि– जब 'अ' अथवा 'आ' के बाद ए/ऐ अथवा ओ/औ आएँ तो इनके स्थान पर क्रमशः 'ऐ' या 'औ' हो जाता है; जैसे सदैव – सदा + एव। यहाँ आ + ए = ऐ हो गया है।

(घ) यण संधि– जब इ/ई, उ/ऊ तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो इ/ई का य, उ/ऊ का व और ऋ का अर् हो जाता है। जैसे– अत्यधिक – अति + अधिक। इ + अ = य।

(ङ) अयादि संधि– जब 'ए', 'ऐ', 'ओ' अथवा 'औ' के बाद कोई अन्य स्वर आए तो ए का अय्, ऐ का आय्, 'ओ' का 'अब्' , 'ओ' का 'अब्' तथा 'औ' का आब् हो जाता है; जैसे चयन – चे + अन – ए + अ – अय।

2. व्यंजन संधि और विसर्ग संधि में क्या अंतर है? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– (क) किसी व्यंजन का स्वर अथवा व्यंजन से मेल होने पर उसमें जो परिवर्तन या विकार उत्पन्न होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जैसे सत् + गुण = सद्गुण। जबकि विसर्ग के बाद स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार या परिवर्तन को विसर्ग संधि कहते हैं। जैसे निः + मल = निर्मल।

(ख) दूसरा प्रमुख अंतर यह है कि व्यंजन संधि में व्यंजन का परिवर्तन होता है जबकि विसर्ग संधि में विसर्ग का रूप बदलता है।

IV. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए।

प्रश्न		उत्तर
वि + आयाम	=	व्यायाम
प्रति + एक	=	प्रत्येक
प्रातः + काल	=	प्रातःकाल
पर्वत + आरोही	=	पर्वतारोही
निः + तेज	=	निस्तेज
एक + एक	=	एकैक
नारी + इष्ट	=	नारीष्ट
तत् + लीन	=	तल्लीन
चरण + अमृत	=	चरणामृत
देवी + ऐश्वर्य	=	देव्यैश्वर्य
सम् + गम	=	संगम
रेखा + अंकित	=	रेखांकित
राम + अवतार	=	रामावतार
सम् + देश	=	संदेश
परि + आवरण	=	पर्यावरण
भारत + इंदु	=	भारतेंदु
स्व + इच्छा	=	स्वेच्छा
कारा + आवास	=	कारावास
मनः + बल	=	मनोबल
सत् + गति	=	सद्गति
पूर्ण + अंक	=	पूर्णांक
नै + अक	=	नायक
महा + ओजस्वी	=	महोजस्वी
शुभ + इच्छा	=	शुभेच्छा
यदि + अपि	=	यद्यपि
ब्रह्म + ऋषि	=	ब्रह्मर्षि

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विद्या + अर्थी	=	विद्यार्थी
तेजः + मय	=	तेजोमय
तत् + लीन	=	तल्लीन
अभि + आगत	=	अभ्यागत

V. **निम्नलिखित शब्दों को संधि-विच्छेद करके लिखिए।**

प्रश्न	**उत्तर**	
पूर्वोक्त	= पूर्व	+ उक्त
दिनेश	= दिन	+ ईश
पुष्पांजलि	= पुष्प	+ अंजलि
उदयांचल	= उदय	+ अंचल
गजानन	= गज	+ आनन
वीरोचित	= वीर	+ उचित
सत्यान्वेषी	= सत्य	+ अन्वेषी
वृक्षारोपण	= वृक्ष	+ आरोपण
प्राचार्य	= प्र	+ आचार्य
सुखार्थी	= सुख	+ अर्थी
नयन	= ने	+ अन
महात्मा	= महा	+ आत्मा
तथैव	= तथा	+ एव
सूक्ति	= सु	+ उक्ति
नवागत	= नव	+ आगत
वार्षिकोत्सव	= वार्षिक	+ उत्सव
अधीश्वर	= अधि	+ ईश्वर
प्रतीक्षालय	= प्रतीक्षा	+ आलय
सन्मार्ग	= सत्	+ मार्ग
भोजनालय	= भोजन	+ आलय
अखिलेश	= अखिल	+ ईश
उद्गम	= उत्	+ गम
अत्याचार	= अति	+ आचार
सर्वोत्तम	= सर्व	+ उत्तम
मधूष्मा	= मधु	+ ऊष्मा
शास्त्रार्थ	= शास्त्र	+ अर्थ
पुस्तकालय	= पुस्तक	+ आलय
चिन्मय	= चित्	+ मय
नायिका	= नै	+ इका
यशोदा	= यशः	+ दा
मनोविकार	= मनः	+ विकार
पयःपान	= पयः	+ पान
उल्लेख	= उत्	+ लेख
विच्छेद	= वि	+ छेद
सरोज	= सरः	+ ज
धर्माधर्म	= धर्म	+ अधर्म
पित्राज्ञा	= पितृ	+ आज्ञा
विषम	= वि	+ सम

VI. **निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए तथा संधि का भेद बताइए।**

प्रश्न		**उत्तर**	
संधि-विच्छेद		**संधि**	**भेद**
लंका + ईश्वर	=	लंकेश्वर	गुण संधि
वि + आपक	=	व्यापक	यण संधि
निर् + बल	=	निर्बल	व्यंजन संधि
दिक् + पाल	=	दिग्पाल	व्यंजन संधि
निः + झर	=	निर्झर	विसर्ग संधि
रमा + ईश	=	रमेश	गुण संधि
धर्म + आत्मा	=	धर्मात्मा	दीर्घ संधि
हरिः + चंद्र	=	हरिश्चंद्र	विसर्ग संधि
जगत् + ईश	=	जगदीश	व्यंजन संधि
सु + अच्छ	=	स्वच्छ	यण संधि
पौ + अन	=	पावन	अयादि संधि
जीव + एषणा	=	जीवैषणा	वृद्धि संधि
ततः + एव	=	ततएव	विसर्ग संधि
सम् + हार	=	संहार	व्यंजन संधि
मत + अनुसार	=	मतानुसार	दीर्घ संधि

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विरामचिह्न

5

—— अभ्यास हेतु प्रश्न ——

I. **निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–**

1. **'जब मेरा मित्र आया मैं सो रहा था' इस वाक्य में यथावत लगने वाला उचित विरामचिह्न है–**

(क) (:) (,)

(ख) (;) (।)

(ग) (,) (।)

(घ) (,) (!)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **'डटकर परिश्रम करो परीक्षा निकट है' वाक्य में यथावत लगने वाला उचित विरामचिह्न है–**

(क) अर्ध विराम, प्रश्नवाचक

(ख) अपूर्ण विराम, पूर्ण विराम

(ग) अल्प विराम, प्रश्नवाचक

(घ) अर्ध विराम, पूर्ण विराम

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **कोष्ठक ( ) चिह्न वाले सही उदाहरण छाँटिए।**

(क) रीटा (हँसते हुए मैंने तो मज़ाक किया था)

(ख) (बापू गांधी जी) अहिंसा के समर्थक थे।

(ग) मोहन (चबाते हुए) मेरा खाना समाप्त हो गया है।

(घ) (राधा और श्याम) गहरे दोस्त हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **तिलक ने कहा स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है इस वाक्य में प्रयुक्त होने वाले विरामचिह्न है–**

(क) (,) (' ') (।)

(ख) (,) (" ") (?)

(ग) (,) (" ") (।)

(घ) (;) (' ') (।)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. मैंने सुख छोड़े, आराम छोड़ा पर कुछ नहीं हुआ।	(i) (,)
II. तुम केले अमरूद और संतरे ले आओ।	(ii) (?)
III. क्या तुम कल स्कूल जाओगे	(iii) (;)

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. **अर्ध विराम का सही उदाहरण वाक्य छाँटिए–**

(क) जीवन संग्राम में सब लड़ रह हैं; कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे।

(ख) हाँ, मैं यह काम अवश्य करूँगी।

(ग) विवरण के लिए निम्नलिखित उदाहरण देखेंः-

(घ) हमारे स्कूल में निम्नलिखित अध्यापक हैं–

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. **'हुर्रे! हम जीत गए' इस वाक्य में यथावत लगने वाला विरामचिह्न है–**

(क) पूर्ण विराम (ख) योजक चिह्न

(ग) निर्देशक चिह्न (घ) विस्मय सूचक

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. **'क्या तुमने कभी शिमला की बर्फ़बारी का आनंद उठाया है' इस वाक्य में यथावत लगने वाला विरामचिह्न है–**

(क) विवरण चिह्न (ख) प्रश्नवाचक चिह्न

(ग) योजक चिह्न (घ) पूर्ण विराम

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

9. उचित विरामचिह्नों वाला सही वाक्य छाँटिए–

(क) काश! मैं भी उसके साथ घूम पाता।

(ख) तुम्हें क्या बताऊँ कि मैं क्या चाहता हूँ?

(ग) जब मेरा दोस्त आया; मैं घर पर नहीं था।

(घ) गांधी जी हमारे बीच नहीं हैं; पर उसके आदर्श हमारे साथ हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

10. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. अपूर्ण विराम	(i) संक्षेपक
II. योजक चिह्न	(ii) उपविराम
III. लाघव चिह्न	(iii) समास बोधक

विकल्प

(क) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ख) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. 'प्रेमचंद का गोदान जीवन की झाँकी प्रस्तुत करता है' इस वाक्य में यथावत विरामचिह्न लगेगा–

(क) (' ') (।) (ख) (" ") (?)

(ग) (,) (;) (घ) (!) (;)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

12. 'दोहरा उद्धरण चिह्न' के सही वाक्य छाँटिए–

(क) 'गीता" एक धार्मिक ग्रंथ है।

(ख) राजा (उदास होकर)–'अब क्या होगा'!

(ग) संन्यासी ने कहा, "दूसरों की भलाई से बड़ा पुण्य कुछ नहीं है।"

(घ) श्रीमान, 'आज घर पर मुझे आवश्यक कार्य है।'

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. मैंने रात-दिन श्रम किया	(i) (!), (?)
II. अरे यह क्या हो रहा है	(ii) (०)
III. बी ए	(iii) (–), (।)

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. गांधी जी ने कहा–एक झूठ से अगर किसी व्यक्ति का भला हो तो वह सौ सच के बराबर है क्योंकि ... इस वाक्य के अंत में दिया गया विरामचिह्न है–

(क) हंसपद

(ख) लोप-निर्देशक चिह्न

(ग) लाघव चिह्न

(घ) अवतरण चिह्न

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. अर्ध विरामचिह्न से प्रयुक्त सही वाक्य छाँटिए–

(क) बच्चे खेल रहे थे।

(ख) क्या आप जा रही हैं?

(ग) वह हाथ जोड़ता रहा; वे लोग उसे पीटते रहे।

(घ) अरे! वह चली गई।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

16. मेरे छत का <u>एक-चौथाई</u> भाग फूलों के गमलों से भरा है। रेखांकित युग्म में लगने वाला विरामचिह्न है–

(क) प्रश्नवाचक चिह्न (ख) निर्देशक चिह्न

(ग) लाघव चिह्न (घ) योजक चिह्न

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

17. पाप और पुण्य सच और झूठ बेईमानी और ईमानदारी ये सब सामाजिक मूल्य हैं वाक्य में लगने वाले विरामचिह्न हैं–

(क) (,) (।) (ख) (:) (?)

(ग) (,) (?) (घ) (;) (।)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

18. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. विवरण चिह्न	(i) (:–)
II. पूर्ण विराम	(ii) (,)
III. अल्प विराम	(iii) (।)

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(ग) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(घ) I. (ii), II. (iii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

19. कालिदास संस्कृत के महाकवि को सभी जानते हैं इस वाक्य में लगने वाले विरामचिह्न हैं–

(क) (,) (?) (ख) (;) (।)

(ग) (:) (?) (घ) ( ) (।)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

20. हमने आपसे पहले ^ही कह दिया था कि इस समय वे नहीं मिलेंगे। रेखांकित चिह्न है–

(क) लाघव चिह्न

(ख) हंसपद या त्रुटिपूरक

(ग) निर्देशक चिह्न

(घ) योजक चिह्न

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

II. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. हिंदी भाषा में कितने विरामचिह्न होते हैं? सभी के नाम लिखिए।

उत्तर– हिंदी भाषा के विरामचिह्न निम्नलिखित हैं–

1. पूर्णविराम 2. अल्पविराम 3. अर्ध विराम 4. अपूर्ण विराम 5. योजक चिह्न 6. निर्देशक चिह्न 7. विवरण चिह्न 8. प्रश्नवाचक चिह्न 9. विस्मयादिबोधक 10. उद्धरण/अवतरण चिह्न 11. कोष्ठक 12. संक्षेपक/लाघव चिह्न 13. हंसपद अथवा त्रुटिपूरक 14. लोप-निर्देशक चिह्न

2. अर्ध विराम किसे कहते हैं? चिह्न सहित बताइए।

उत्तर– अर्ध विराम, पूर्णविराम और अल्प विराम के बीच की स्थिति है। इसका चिह्न (;) होता है।

III. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. योजक चिह्न (-) और निर्देशक चिह्नों (–) किस-किसमें प्रयोग होता है?

उत्तर– योजक चिह्न को समासबोधक भी कहा जाता है। इसके लिए एक बड़ी छोटी लकीर लगाई जाती है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है–

- द्वंद्व समास में दोनों पदों के मध्य; जैसे– माता-पिता, भाई-बहन आदि।
- शब्द-युग्मों के मध्य; जैसे– अभी-अभी, खाना-पीना आदि।
- समानता या तुलनावाचक सा/से/सी से पूर्व; जैसे– फूल-सी कोमल
- संख्याओं और अंशों के साय; जैसे– एक-चौथाई। निर्देशक चिह्न योजक चिह्न से थोड़ा बड़ा होता है। इसे रेखिका भी कहते हैं। इसका प्रयोग निम्नलिखित जगहों पर होता है–
- संवादों/वार्तालापों में नाम के तुरंत बाद; जैसे– राहुल – तुम कहाँ जा रहे है?
- किसी व्यक्ति के कथन को उद्धृत करने से पूर्व; जैसे– नेहरू ने कहा था– 'आराम हराम है।'
- किसी पद या वाक्यांश की पुनरावृत्ति करने; जैसे– वे देश के सच्चे नेता थे– ईमानदार, सत्यवादी
- किसी पंक्ति, अंश अथवा अवतरण के वक्ता या लेखक के नाम के पहले; जैसे– 'मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो'– सूरदास

2. कोष्ठक का प्रयोग किस प्रकार से किया जाता है? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर– कोष्ठक तीन प्रकार के होते हैं जिनका प्रयोग गणित में होता है। हिंदी में एक ही कोष्ठक का प्रयोग होता है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है–

➢ किसी पद का अर्थ स्पष्ट करने के लिए; जैसे–
- नेता जी (सुभाषचंद्र बोस) ने आज़ाद हिंद फ़ौज का गठन किया था।

➢ क्रमसूचक अंकों एवं अक्षरों को शब्द से अलग दर्शाने के लिए; जैसे–
- गांधी जी के तीनों बंदर ये तीन संदेश देते हैं; यथा–

(1) हमें बुरा नहीं बोलना चाहिए।

(2) हमें बुरा नहीं देखना चाहिए।

(3) हमें बुरा नहीं सुनना चाहिए।

➢ एकांकी अथवा नाटक में रंगमंचीय संकेतों को स्पष्ट करने के लिए; जैसे–

मोहनः (मुसकराते हुए) हमें उनकी बात मान ही लेनी चाहिए।

सोहनः (गुस्से में) चुप रहो, उनकी बात खतरे से खाली नहीं है।

(गुस्से में चला जाता है)

IV. नीचे दिए गए वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए।

1. शिक्षक ने मुझसे पूछा क्या तुमने अपना कार्य कर लिया है

2. मेरे बाग में बहुत सारे पेड़ पौधे हैं

3. बाग में चंपा चमेली गुलाब और गेंदे के फूल हैं

4. अरे रोहन तुम कब आए

5. हिंदी में लिंग के दो भेद हैं स्त्रीलिंग और पुल्लिंग

6. आपने रमेश को कल क्यों बुलाया था

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

7. उसके लिए एक एक क्षण भारी पड़ रहा था
8. नमक का दारोगा प्रेमचंद की उत्कृष्ट रचना है
9. बेशक यह मामला केवल धार्मिक नहीं है
10. जी हाँ मैं यह काम अवश्य कर दूँगा
11. मेरा भाई एम ए पी एच डी है

उत्तर–

1. शिक्षक ने मुझसे पूछा, "क्या तुमने अपना कार्य कर लिया है?"
2. मेरे बाग में बहुत सारे पेड़-पौधे हैं।
3. बाग में चंपा, चमेली, गुलाब और गेंदे के फूल हैं।
4. अरे रोहन! तुम कब आए?
5. हिंदी में लिंग के दो भेद हैं—स्त्रीलिंग और पुल्लिंग।
6. आपने रमेश को कल क्यों बुलाया था?
7. उसके लिए एक-एक क्षण भारी पड़ रहा था।
8. 'नमक का दारोगा' प्रेमचंद की उत्कृष्ट रचना है।
9. बेशक, यह मामला केवल धार्मिक नहीं है।
10. जी हाँ, मैं यह काम अवश्य कर दूँगा।
11. मेरा भाई एम. ए., पीएच. डी. है।

V. **निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न का प्रयोग कीजिए।**

1. सुनो जाकर देखो तो कौन आया है
2. नहीं नहीं ऐसा हो ही नहीं सकता
3. प्रशिक्षक ने पूछा तुम रक्षात्मक क्यों खेलते हो

उत्तर–

1. सुनो, जाकर देखो तो कौन आया है?
2. नहीं-नहीं, ऐसा हो ही नहीं सकता।
3. प्रशिक्षक ने पूछा, "तुम रक्षात्मक क्यों खेलते हो?"

VI. **निम्नलिखित प्रत्येक विरामचिह्न का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य लिखिए।**

1. विस्मयादिबोधक
2. योजक चिह्न
3. इकहरा उद्धरण चिह्न
4. प्रश्नवाचक चिह्न
5. लाघव चिह्न

उत्तर–

1. वाह! तुमने कमाल कर दिया।
2. हम तीन भाई-बहन हैं।
3. रामधारी सिंह 'दिनकर' राष्ट्रकवि थे।
4. तुम्हारा नाम क्या है?
5. डॉ. गौरव अस्पताल गए हैं।

VII. **नीचे दिए गए वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए।**

1. पिता जी ने मुझसे पूछा कहाँ जा रहे हो
2. सड़क पर बहुत सारे पेड़ पौधे और झाड़ियाँ हैं
3. कौआ मोर गिलहरी और लोमड़ी मित्र थे
4. हिंदी में संज्ञा के तीन भेद हैं व्यक्तिवाचक जातिवाचक और भाववाचक
5. आपने मुझे क्यों बुलाया था
6. उसके लिए एक एक क्षण भारी पड़ रहा था

उत्तर–

1. पिता जी ने मुझसे पूछा, "कहाँ जा रहे हो?"
2. सड़क पर बहुत सारे पेड़-पौधे और झाड़ियाँ हैं।
3. कौआ, मोर, गिलहरी और लोमड़ी मित्र थे।
4. हिंदी में संज्ञा के तीन भेद हैं—व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।
5. आपने मुझे क्यों बुलाया था?
6. उसके लिए एक-एक क्षण भारी पड़ रहा था।

VIII. **निम्नलिखित वाक्यों में सही स्थान पर उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए।**

1. देखो हमें अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
2. वाह तुमसे यही उम्मीद थी
3. उसने ललकारा कोई और वीर है सभा में
4. सही बात है हर आदमी संत नहीं होता
5. जी हाँ मैं आगरा ही जाऊँगा
6. जी डॉ सुब्रमण्यम मेरे भाई हैं

उत्तर–

1. देखो, हमें अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी।
2. वाह! तुमसे यही उम्मीद थी।
3. उसने ललकारा—कोई और वीर है सभा में।
4. सही बात है, हर आदमी संत नहीं होता।
5. जी हाँ, मैं आगरा ही जाऊँगा।
6. जी, डॉ. सुब्रमण्यम मेरे भाई हैं।

IX. **निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न लगाकर दोबारा लिखिए।**

1. ध्यान से सुनो कोई दरवाज़ा खटखटा रहा है
2. अरे भाई उधर मत जाओ
3. धन्य है वह माँ जिसने ऐसा रत्न पैदा किया
4. तुमने एम ए कहाँ से किया

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. रमण राधा और रोहन पढ़ाई कर रहे हैं
6. शनैः शनैः शीतल बयार चल रही थी

उत्तर–

1. ध्यान से सुनो, कोई दरवाज़ा खटखटा रहा है।
2. अरे भाई! उधर मत जाओ।
3. धन्य है वह माँ! जिसने ऐसा रत्न पैदा किया।
4. तुमने एम.ए. कहाँ से किया?
5. रमण, राधा और रोहन पढ़ाई कर रहे हैं।
6. शनैः-शनैः शीतल बयार चल रही थी।

X. **निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न का प्रयोग कीजिए।**

1. वह माफ़ी माँगता रहा वे उसकी उपेक्षा करते रहे।
2. अपना देश अपना घर अपना समाज और अपनी संतान किसे अच्छी नहीं लगती
3. हमारा देश 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था
4. हमारे देश में मुख्यतः तीन अलग अलग मौसम हैं सरदी गरमी और बरसात
5. स्त्री सदा से दया ममता त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति रही है
6. मैं क्या खाता हूँ क्या पीता हूँ कहाँ जाता हूँ इस सबसे आपको मतलब नहीं होना चाहिए

उत्तर–

1. वह माफ़ी माँगता रहा; वे उसकी उपेक्षा करते रहे।
2. अपना देश, अपना घर, अपना समाज और अपनी संतान किसे अच्छी नहीं लगती।
3. हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ था।
4. हमारे देश में मुख्यतः तीन अलग-अलग मौसम हैं—सरदी, गरमी और बरसात।
5. स्त्री सदा से दया, ममता, त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति रही है।
6. मैं क्या खाता हूँ, क्या पीता हूँ, कहाँ जाता हूँ—इस सबसे आपको मतलब नहीं होना चाहिए।

XI. **नीचे दिए गए वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए।**

1. रूप रस गंध स्पर्श इन्हें कौन संभव करता है
2. इनके लिए बेटा बेटी खसम लुगाई धर्म ईमान सब रोटी का टुकड़ा है
3. इसके बाद मैं अपने घुटनों के बल बैठी बर्फ़ पर अपने माथे को लगाकर मैंने सागरमाथे के ताज का चुंबन लिया
4. इनके कपड़े लॉण्ड्री पर देने हैं मैंने कहा
5. जब कीचड़ ज़्यादा सूखकर ज़मीन ठोस हो जाए तब गाय बैल पाड़े भैंस भेड़ बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं
6. एक आदमी ने घृणा से एक तरफ़ थूकते हुए कहा क्या ज़माना है

उत्तर–

1. रूप, रस, गंध, स्पर्श—इन्हें कौन संभव करता है?
2. इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।
3. इसके बाद, मैं अपने घुटनों के बल बैठी, बर्फ़ पर अपने माथे को लगाकर मैंने 'सागरमाथे' के ताज का चुंबन लिया।
4. "इनके कपड़े लॉण्ड्री में देने हैं।" मैंने कहा।
5. जब कीचड़ ज़्यादा सूखकर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल, पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं।
6. एक आदमी ने घृणा से एक तरफ़ थूकते हुए कहा, "क्या ज़माना है!"

XII. **नीचे दिए गए वाक्यों में उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए।**

1. काकभुशुंडि भी विचित्र पक्षी है एक साथ समादरित अनादरित अति सम्मानित अति अवमानित
2. एक एक इंच ज्यों ज्यों मैं नीचे उतरता जाता था त्यों त्यों मेरी एकाग्रचित्तता बढ़ती जाती थी
3. चाय के दौरान उन्होंने मुझे बताया कि टी पी एस की खेती को त्रिपुरा में खासकर उत्तरी ज़िले में किस तरह सफलता मिली है
4. मेरा परिचय बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की दुर्गेशनंदिनी कपाल कुण्डला और आनंदमठ से हुआ
5. गांधी ने कहा मैं स्वराज लिए बिना नहीं लौटूँगा
6. अरे तू लौट कैसे आया पिक्चर नहीं देखी माँ ने पूछा

उत्तर–

1. यह काकभुशुंडि भी विचित्र पक्षी है—एक साथ समादरित अनादरित, अति सम्मानित अति अवमानित।
2. एक-एक इंच ज्यों-ज्यों मैं नीचे उतरता जाता था, त्यों-त्यों मेरी एकाग्रचित्तता बढ़ती जाती थी।
3. चाय के दौरान उन्होंने मुझे बताया कि टी.पी.एस. की खेती को त्रिपुरा में, खासकर उत्तरी ज़िले में किस तरह सफलता मिली है।
4. मेरा परिचय बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपाल कुण्डला' और 'आनंदमठ' से हुआ।
5. गांधी ने कहा, "मैं स्वराज लिए बिना नहीं लौटूँगा।"
6. "अरे तू लौट कैसे आया? पिक्चर नहीं देखी?" माँ ने पूछा।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद

6

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. **निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–**

1. **'वर्षा होती, तो फसल अच्छी होती' यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–**
   (क) संकेतवाचक वाक्य
   (ख) संदेहवाचक वाक्य
   (ग) विधानवाचक वाक्य
   (घ) इच्छावाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **'अपना गृहकार्य पूरा करो' यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–**
   (क) विधानवाचक वाक्य
   (ख) इच्छावाचक वाक्य
   (ग) आज्ञावाचक वाक्य
   (घ) विस्मयादिबोधक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **दिए गए वाक्यों में से सही इच्छावाचक वाक्य छाँटिए।**
   (क) वह खाना खा चुका होगा।
   (ख) मेरे लिए खाना लाओ।
   (ग) आपकी यात्रा मंगलमय हो।
   (घ) दरवाज़े पर कौन खड़ा है?

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **'वह जी खोलकर दान देता है' इस वाक्य का प्रश्नवाचक वाक्य होगा–**
   (क) क्या वह जी खोलकर दान देता है?
   (ख) क्या वह दान देता है?
   (ग) क्या दान देता है वह?
   (घ) क्या वह दान नहीं देता?

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **कॉलम 1 कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. विधानवाचक वाक्य	(i) सम्राट अशोक एक चक्रवर्ती सम्राट थे।
II. प्रश्नवाचक वाक्य	(ii) महिमा कल स्कूल नहीं गई।
III. निषेधवाचक वाक्य	(iii) आप क्या काम करते हैं?

विकल्प
   (क) I. (i), II. (ii), III. (iii)
   (ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)
   (ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)
   (घ) I. (i), II. (iii), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. **'घूमने मत जाओ' यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–**
   (क) प्रश्नवाचक वाक्य
   (ख) संदेहवाचक वाक्य
   (ग) आज्ञावाचक वाक्य
   (घ) इच्छावाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. **दिए गए वाक्यों में से सही विधानवाचक वाक्य छाँटिए–**
   (क) गीता आज बाज़ार नहीं जाएगी।
   (ख) क्या तुम खेलोगे?
   (ग) अच्छा! तुमने स्नान कर लिया।
   (घ) बच्चों ने अपने शिक्षक का स्वागत किया।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. **'यदि छुट्टियाँ हुई तो हम शिमला अवश्य जाएँगे' यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–**
   (क) संकेतवाचक वाक्य
   (ख) संदेहवाचक वाक्य
   (ग) विधानवाचक वाक्य
   (घ) इच्छावाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

9. 'सुमन ने यह पुस्तक पढ़ी है।' इस वाक्य का निषेधवाचक वाक्य होगा–

(क) नहीं, सुमन ने यह पुस्तक पढ़ी है।

(ख) सुमन ने यह पुस्तक नहीं पढ़ी है।

(ग) सुमन ने नहीं यह पुस्तक पढ़ी है।

(घ) क्या सुमन ने यह पुस्तक पढ़ी है?

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. रमन दसवीं में पढ़ता है।	(i) निषेधवाचक
II. क्या रमन दसवीं में पढ़ता है?	(ii) प्रश्नवाचक
III. रमन दसवीं में नहीं पढ़ता है।	(iii) विधानवाचक

विकल्प

(क) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. दिए गए वाक्यों में से संदेहवाचक वाक्य छाँटिए–

(क) वर्षा होती, तो किसान खुश हो जाते।

(ख) काश! आज वर्षा न हो।

(ग) क्या आज वर्षा हुई थी?

(घ) संभवतः आज वर्षा हो।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. दिए गए वाक्यों में सही निषेधवाचक वाक्य छाँटिए–

(क) सदैव सत्य बोलो।

(ख) झगड़ा मत करो।

(ग) क्या तुम आपस में झगड़ते हो?

(घ) मैं घर जाउँगा।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. अगर इस साल बाढ़ आई, तो हज़ारों मकान डूब जाएँगे। यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–

(क) संदेहवाचक वाक्य

(ख) इच्छावाचक वाक्य

(ग) संकेतवाचक वाक्य

(घ) निषेधवाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. दिए गए वाक्यों में से सही विस्मयादिबोधक वाक्य छाँटिए–

(क) तुम्हारे बुलाने पर वह ज़रूर आएगा।

(ख) तुम्हें वहाँ नहीं जाना चाहिए।

(ग) हाय पुत्र दुर्योधन! तुम्हारे बिना यह राज-पाट सब बेकार है।

(घ) सभी लोग यहाँ से चले जाएँ।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. कॉलम 1 कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
I. मोहन आज बाज़ार जाएगा।	(i) विधानवाचक
II. मोहन आज बाज़ार नहीं जाएगा।	(ii) संदेहवाचक
III. शायद मोहन आज बाज़ार जाएगा।	(iii) निषेधवाचक

विकल्प

(क) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (i), II. (ii), III. (iii)

(घ) I. (iii), II. (ii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. 'प्रेम ने काम नहीं किया' दिए गए वाक्य का प्रश्नवाचक वाक्य होगा–

(क) प्रेम ने काम क्यों नहीं किया?

(ख) क्या प्रेम ने काम किया?

(ग) प्रेम ने काम क्यों किया?

(घ) क्या प्रेम ने काम नहीं किया?

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

17. 'बारिश होने पर फ़सल अच्छी होती है।' यह वाक्य अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद का उदाहरण है–

(क) विधानवाचक वाक्य

(ख) संदेहवाचक वाक्य

(ग) निषेधवाचक वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

18. 'माली ने फूलों की माला बनाई' इस वाक्य का प्रश्नवाचक वाक्य होगा–

(क) शायद माली ने फूलों की माला बनाई।

(ख) क्या माली ने फूलों की माला बनाई?

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) क्या माली ने फूलों की माला नहीं बनाई।

(घ) माली ने ही फूलों की माला बनाई है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

19. इच्छावाचक वाक्य के उदाहरण छाँटिए।

(क) क्या तुम आज खेलने जाओगे?

(ख) अपना-अपना काम करो।

(ग) आज अध्यापक ने पहला कालांश नहीं लिया।

(घ) आज मिलकर घूमने चला जाए।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

20. कॉलम 1 कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
1. संदेह, संभावना	(i) विस्मयादिबोधक वाक्य
2. विस्मय, हर्ष, घृणा, शोक	(ii) संदेहवाचक वाक्य
3. इच्छा, आशीर्वाद	(iii) इच्छावाचक वाक्य

विकल्प

(क) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i)

(घ) I. (ii), II. (iii), III. (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

II. **नीचे दिए गए वाक्यों को अर्थ के आधार पर पहचानकर उनका वाक्य भेद बताइए।**

1. वाह! तुम बहुत सुंदर लग रही हो।

(क) विस्मयादिबोधक वाक्य (ख) संकेतवाचक वाक्य
(ग) प्रश्नवाचक वाक्य (घ) संदेहवाचक वाक्य

2. यदि खाना बनाना है, तो सामान ले आओ।

(क) संदेहवाचक वाक्य (ख) निषेधवाचक वाक्य
(ग) प्रश्नवाचक वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

3. शर्मा जी बाहर नहीं हैं।

(क) आज्ञावाचक वाक्य (ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) निषेधवाचक वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

4. बाहर कौन खड़ा है?

(क) विधानवाचक वाक्य
(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संदेहवाचक वाक्य
(घ) विस्मयादिबोधक वाक्य

5. विकास पढ़ाई करने जाओ।

(क) संदेहवाचक वाक्य (ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संकेतवाचक वाक्य (घ) आज्ञावाचक वाक्य

6. शायद वह घर में न मिले।

(क) आज्ञावाचक वाक्य (ख) विधानवाचक वाक्य
(ग) संदेहवाचक वाक्य (घ) निषेधवाचक वाक्य

7. पिता जी जल्दी आएँगे।

(क) विधानवाचक वाक्य (ख) संदेहवाचक वाक्य
(ग) इच्छावाचक वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

8. भगवान करें कि सभी स्वस्थ रहें।

(क) संकेतवाचक वाक्य (ख) इच्छावाचक वाक्य
(ग) विस्मयादिबोधक वाक्य (घ) विधानवाचक वाक्य

उत्तर

1. सही विकल्प (क) है।

वाह! तुम बहुत सुंदर लग रही हो।– अर्थ के आधार पर यह विस्मयादिबोधक वाक्य है। सही उत्तर (क) है।

2. सही विकल्प (घ) है।

यदि खाना बनाना है, तो सामान ले आओ।– यह वाक्य अर्थ के आधार पर संकेतवाचक वाक्य है। सही उत्तर (घ) है।

3. सही विकल्प (ग) है।

शर्मा जी बाहर नहीं हैं।– अर्थ के आधार पर यह निषेधवाचक वाक्य है। सही उत्तर (ग) है।

4. सही विकल्प (ख) है।

बाहर कौन खड़ा है?– अर्थ के आधार पर यह प्रश्नवाचक वाक्य है। सही उत्तर (ख) है।

5. सही विकल्प (घ) है।

विकास पढ़ाई करने जाओ।– अर्थ के आधार पर यह आज्ञावाचक वाक्य है। सही उत्तर (घ) है।

6. सही विकल्प (ग) है।

शायद वह घर में न मिले।– अर्थ के आधार पर यह संदेहवाचक वाक्य है। सही उत्तर (ग) है।

7. सही विकल्प (क) है।

पिता जी जल्दी आएँगे।– अर्थ के आधार पर यह विधानवाचक वाक्य है। सही उत्तर (क) है।

8. सही विकल्प (ख) है।

भगवान करें कि सभी स्वस्थ रहें।– अर्थ के आधार पर यह इच्छावाचक वाक्य है। सही उत्तर (ख) है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

III. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं?

उत्तर– अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं। विधानवाचक वाक्य, निषेधात्मक वाक्य, आज्ञावाचक वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य, संदेहवाचक वाक्य, इच्छावाचक वाक्य और विस्यमादिबोधक वाक्य।

2. नीचे दिए गए वाक्यों को अर्थ के आधार पर पहचानकर उनका वाक्य भेद बताइए।

(क) सुमन बेईमान नहीं है।

(ख) काश पिता जी मेरे लिए बहुत सारे उपहार लाएँ।

(ग) आपका क्या नाम है?

(घ) सभी एक साथ खड़े होकर राष्ट्रीय गीत गाएँगे।

उत्तर– (क) निषेधवाचक वाक्य

(ख) इच्छावाचक वाक्य

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य

(घ) आज्ञावाचक वाक्य

3. निम्नलिखित वाक्यों को अर्थ के आधार पर पहचानकर उनका वाक्य भेद बताइए।

(क) सुमन ने अपनी पढ़ाई कर ली है।

(ख) यदि संतुलित भोजन खाओगे, तो स्वस्थ रहोगे।

(ग) घर में कौन आ रहा है?

(घ) यदि तुम चुप रहोगे, तो बहुत अच्छा होगा।

उत्तर– (क) विधानवाचक वाक्य

(ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य

(घ) संकेतवाचक वाक्य

IV. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संकेतवाचक और संदेहवाचक वाक्यों को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर– जिन वाक्यों में एक कार्य का पूर्ण होना, दूसरे कार्य पर आश्रित होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। उदाहरण के लिए– यदि जल्दी जाओगे, तो पहुँच पाओगे।

जिन वाक्यों में संदेह अथवा संभावना व्यक्त की जाती है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं। उदाहरण के लिए– शायद आज माँ आगरा से आ जाए।

2. निषेधवाचक वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– जिन वाक्यों में कार्य के नहीं होने का बोध होता है, उन्हें निषेधात्मक वाक्य कहते हैं। उदाहरण के लिए– घर में खाना नहीं बना है।

V. नीचे दिए गए वाक्यों को अर्थ के आधार पर रूपांतरित कीजिए।

1. भागो! माता जी आ रही हैं।
2. मंगल की धरती लाल है।
3. अपने कमरे को साफ़ करो।
4. तुम्हें चोट कैसे लग गई?
5. आज धूप निकल आए।
6. शायद आज परीक्षा का परिणाम निकलेगा।
7. यदि जैकेट पहनोगे, तो ठंड से बच जाओगे।
8. यह कूड़ा गिराने का स्थान नहीं है।
9. तुमने वाशिंग मशीन कब खरीदी?
10. मेहनत का फल मीठा होता है।

उत्तर

1. विस्मयादिबोधक वाक्य
2. विधानवाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. प्रश्नवाचक वाक्य
5. इच्छावाचक वाक्य
6. संदेहवाचक वाक्य
7. संकेतवाचक वाक्य
8. निषेधवाचक वाक्य
9. प्रश्नवाचक वाक्य
10. विधानवाचक वाक्य

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

खंड 'ग'
पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक

स्पर्श–भाग 1

गद्य खंड

1. दुःख का अधिकार
2. एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा
3. तुम कब जाओगे, अतिथि
4. वैज्ञानिक चेतना के वाहक : चंद्रशेखर वेंकट रामन्
5. शुक्रतारे के समान

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

दुःख का अधिकार

यशपाल (1903–1976)

1

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. जब समाज के ऊँचे वर्गों के लोग छोटे वर्गों की भावनाओं को समझना चाहते हैं तो उसमें क्या बाधा बन जाती है?

(क) कटी हुई पतंग
(ख) अनेक बंद दरवाज़ें
(ग) मनुष्य का पहनावा/पोशाक
(घ) परिस्थितियाँ

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. लेखक उस स्त्री के दुःखी होने का कारण जानने में क्यों असमर्थ था?

(क) उसके पास खरबूज़े खरीदने के लिए धन नहीं था।
(ख) लेखक संपन्न वर्ग से था और उसने अच्छे वस्त्र पहने हुए थे।
(ग) लेखक बीमारी के कारण बात करने में असमर्थ था।
(घ) लेखक उस स्त्री से नाराज़ था।

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. भगवाना की मृत्यु कैसे हुई थी?

(क) खरबूज़ा खाने के कारण
(ख) साँप के डसने के कारण
(ग) भूख के कारण
(घ) सिर पर चोट लगने के कारण

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

4. संपन्न घर की स्त्री ने कितने समय तक अपने पुत्र का शोक मनाया था?

(क) 4 दिन तक (ख) 4 महीने तक
(ग) ढाई महीने तक (घ) साल भर तक

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

5. बुढ़िया के दुःख से दुःखी लेखक को किसकी याद आई?

(क) संभ्रांत महिला की (ख) दुकानदार की
(ग) भगवाना की (घ) ईश्वर की

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

6. बुढ़िया और उसके बेटे के परिवार का निर्वाह कैसे होता था?

(क) मजदूरी करके
(ख) सब्ज़ी-तरकारी बेचकर
(ग) शहर से सौदा लाकर गाँव में बेचकर
(घ) परचून की दुकान पर नौकरी करके

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

7. बुढ़िया के किस काम को लोग अपराध बता रहे थे?

(क) अधेड़ उम्र में खरबूज़े बेचने को
(ख) खरबूज़े ज़मीन पर रखकर बेचने को
(ग) फुटपाथ पर बैठकर खरबूज़े बेचने को
(घ) सूतक में खरबूज़े बेचने को

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

8. 'फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

(क) उसकी पोशाक बहुत तंग थी।
(ख) फुटपाथ पर बैठने से उसको पोशाक के गंदे होने का डर था।
(ग) फुटपाथ पर बैठना उनकी शान के खिलाफ़ था।
(घ) लेखक को बुढ़िया से परेशानी थी।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

9. 'कई बार खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें नीचे झुकने से रोकती है।' इस कथन का अर्थ है–

(क) तंग पोशाकें हमें नीचे नहीं झुकने देती हैं।
(ख) नीचे झुकने से कीमती पोशाकों के खराब होने का डर लगा रहता है।
(ग) हमें पोशाक की मर्यादा को बनाए रखना होता है।
(घ) हर कोई नीचे झुकना नहीं चाहता।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

10. बुढ़िया और संभ्रांत महिला का दुःख समान होते हुए भी भिन्न कैसे था?

(क) उनके दृष्टिकोण के कारण
(ख) शिक्षा में अंतर के कारण

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) आर्थिक असमानता के कारण

(घ) मजबूरी के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. पोशाकें हमारे लिए बंधन कब बन जाती हैं?

(i) जब हम दूसरों से आगे बढ़ना चाहते हैं।

(ii) जब हम अपने से नीचे के दर्जे के लोगों के साथ दुःख बाँटने की इच्छा रखते हैं।

(iii) जब हम निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं।

(iv) जब हम विद्यालय में पढ़ने जाते हैं।

(क) (i), (iv) (ख) (i), (ii)

(ग) (ii), (iii) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. लेखक बेचैन था क्योंकि–

(i) वह बुढ़िया के दुःख को साझा नहीं कर पा रहा था।

(ii) समाज की बनाई झूठी मर्यादा में वह अपने आपको लाचार पा रहा था।

(iii) अपनी तंग पोशाक से वह परेशान हो रहा था।

(iv) लेखन के क्षेत्र में आने वाली विषमताएँ उसे आहत किए हुए थीं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. अपने बेटे को बचाने के लिए बुढ़िया ने क्या प्रयास किया?

(i) नाग देवता की पूजा की।

(ii) झाड़-फूँक करवाया।

(iii) अस्पताल से डॉक्टर को बुलाकर लाई।

(iv) वैद्य जी से देसी दवा लाकर बेटे को पिलाई।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. 'शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए।' इस कथन से लेखक का तात्पर्य है–

(i) शोक मनाने की पोशाक सुविधाजनक होनी चाहिए।

(ii) शोक मनाने की परिस्थितियाँ भी भगवान हर किसी को नहीं देता है।

(iii) कई बार जीवन में कुछ ऐसी मजबूरियाँ आ जाती हैं कि व्यक्ति को शोक करने का मौका भी नहीं मिलता है।

(iv) अधिक सरदी या अधिक गरमी में शोक मनाना कठिन होता है।

(क) (i), (iv) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. इस कहानी में लेखक के स्थान पर यदि आप होते तो क्या करते?

(i) उसके सारे खरबूज़े खरीद लेता।

(ii) उसके दुःख को सुनने और साझा करने में अपना समय देता।

(iii) सांत्वना देकर उसके मन को शांत करने का प्रयास करता।

(iv) खरबूजे फुटपाथ से उठाकर किसी तख्त पर रखवा देता।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

पास-पड़ोस की दुकानों से पूछने पर पता लगा - उसका तेईस बरस का जवान लड़का था। घर में उसकी बहू और पोता-पोती हैं। लड़का शहर के पास डेढ़ बीघा भर ज़मीन में कछियारी करके परिवार का निर्वाह करता था। खरबूज़ों की डलिया बाज़ार में पहुँचाकर कभी लड़का स्वयं सौदे के पास बैठ जाता, कभी माँ बैठ जाती। लड़का परसों सुबह मुँह-अँधेरे बेलों में से पके खरबूज़ें चुन रहा था। गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए एक साँप पर लड़के का पैर पड़ गया। साँप ने लड़के को डँस लिया।

1. लेखक को कहाँ से पूछने पर बुढ़िया माँ के दुःख का पता चला?

(क) बुढ़िया माँ के घर से

(ख) पास-पड़ोस की दुकानों से

(ग) बुढ़िया माँ की बहू के द्वारा

(घ) बुढ़िया के पोते और पोती से

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. बुढ़िया माँ के लड़के की मृत्यु कैसे हुई?

(क) दुर्घटना से (ख) खेत में गिरने से

(ग) बीमारी से (घ) साँप के काटने से

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. बुढ़िया माँ के बेटे की मृत्यु के बाद परिवार में कौन-कौन था?

(क) बहू और पोता-पोती (ख) दादा-दादी और बहू

(ग) चाचा-चाची और पति (घ) देवर और पोता-पोती

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. लड़का किस तरह परिवार का निर्वाह करता था?

(क) जुआ खेलकर

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ख) बाज़ार में मजदूरी करके
(ग) खेतों में फल और सब्ज़ी उगाकर
(घ) गाड़ी चलाकर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): बुढ़िया का एक तीस बरस का जवान लड़का था।
कारण (R): लड़के को नेवले ने काट लिया था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश 2

ज़िदा आदमी नंगा भी रह सकता है, परंतु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाए? उसके लिए तो बजाज की दुकान से नया कपड़ा लाना ही होगा, चाहे उसके लिए माँ के हाथों के छन्नी-ककना ही क्यों न बिक जाएँ।

1. **'जिंदा आदमी नंगा भी रह सकता है, परंतु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाए?' से तात्पर्य है –**

(क) मुर्दे को नए कपड़ों की ज़िद होती है।
(ख) ज़िंदा व्यक्ति को अपने वस्त्र मुर्दे को देने होते हैं।
(ग) मृत व्यक्ति के अंतिम संस्कार में बहुत दान-दक्षिणा की जाती है
(घ) जीवित व्यक्ति को नंगा रहने की आदत होती है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **लेखक का 'माँ के हाथों के छन्नी-ककना ही क्यों न बिक जाएँ।' से आशय है –**

(क) अंतिम संस्कार की पूजा व दान-दक्षिणा में इतना अनाज दिया जाता है कि गरीब व्यक्ति का सब कुछ बिक जाता है।
(ख) माँ नए आभूषण में कंगन खरीद लेती हैं।
(ग) अपने घर के खर्चे के लिए माँ अपने गहने बेच देती है।
(घ) बेटे की जुए की आदत के कारण माँ के गहने भी बिक जाते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **'उसके लिए तो बजाज की दुकान से .... लाना ही होगा' (रिक्त स्थान की पूर्ति करें)**

(क) सामान (ख) नया कपड़ा
(ग) नया जूता (घ) अनाज

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **निम्न शब्द में से कौन-सा शब्द 'मुर्दे' का पर्याय है?**

(क) मार (ख) पैतृक
(ग) मृतक (घ) मातृ

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **'छन्नी-ककना' का अर्थ है –**

(क) चाय की छन्नी
(ख) मामूली गहना, जेवर
(ग) गेहूँ को छानने वाला बरतन
(घ) खाना बनाने की हाँडी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. **बुढ़िया कहाँ बैठकर रो रही थी?**

उत्तर– बुढ़िया बाज़ार में फुटपाथ पर बैठकर रो रही थी।

2. **बुढ़िया के परिवार में कौन-कौन था?**

उत्तर– बुढ़िया के परिवार में बेटे की विधवा पत्नी और एक पोता व एक पोती थे।

3. **भगवाना किस समय खरबूज़े तोड़ने गया था?**

उत्तर– भगवाना सुबह अँधेरे के समय खरबूज़े तोड़ने गया था।

4. **फुटपाथ पर एक स्त्री को रोता देख भी लेखक उसके पास नहीं जा पा रहे थे। इसका क्या कारण था?**

उत्तर– इसका मुख्य कारण उसकी पोशाक थी जो उन्हें उस स्त्री के पास जाने से रोक रही थी।

5. **उस स्त्री के सूतक में भी खरबूजा बेचने पर समाज के कौन लोग ताना मार रहे थे?**

उत्तर– उस स्त्री की मजबूरी को न समझकर समाज के ठेकेदार लोग, जिन्हें दूसरों के दुख से बस इतना ही मतलब होता है कि उन्हें उस स्थिति में भी कैसे नीचा दिखाया जाए– ताना मार रहे थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. **भगवाना की मृत्यु के बाद बुढ़िया के परिवार की आर्थिक दशा कैसी हो गई थी?**

उत्तर– भगवाना को बचाने के लिए, घर में जो आटा-चावल था वह दान देने में चला गया। जो थोड़े-बहुत पैसे थे वे सब अंतिम

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

संस्कार में निकल गए। बुढ़िया की दशा दयनीय थी। घर में खाने-पीने के लिए कुछ भी न था।

2. **बुढ़िया को रोता देख लेखक क्या करना चाहते थे?**

उत्तर– लेखक बहुत ही संवेदनशील हैं। बाज़ार में बुढ़िया को ज़ोर-ज़ोर से रोता देख उसके पास बैठकर सांत्वना देना चाहते थे परंतु इस कार्य में पोशाक अड़चन बन जाती है।

3. **बुढ़िया को लोगों ने पत्थर दिल क्यों कहा?**

उत्तर– बुढ़िया को लोगों ने पत्थर दिल इसलिए कहा क्योंकि कुछ दिन पहले बुढ़िया का जवान बेटा मरा था और अगले दिन वह खरबूज़े बेचने आ गई।

4. **लेखक को पास-पड़ोस की दुकानों से उस स्त्री के बारे में क्या जानकारी मिली?**

उत्तर– पास-पड़ोस की दुकान के लोगों ने बताया कि उसका बाईस-तेइस बरस का जवान लड़का साँप के काटने से मर गया। वह उसके परिवार का एक मात्र सहारा था।

5. **लेखक उस स्त्री के दुःख में दुःखी होने के बावजूद उसके पास क्यों नहीं जा पा रहा था?**

उत्तर– आधुनिक समाज में लोगों की इज़्ज़त उसके पोशाक से होती है और लेखक के साथ भी यही समस्या थी। जिसके कारण वह उस स्त्री के पास दुख बाँटने नहीं जा पा रहा था।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. **भगवाना को साँप ने डस लिया, यह जानते ही बुढ़िया ने क्या किया?**

उत्तर– भगवाना सुबह-सुबह गीले खेत में खरबूज़े चुन रहा था। उसी समय गीली मिट्टी की तरावट में आराम करते हुए साँप पर उसका पैर पड़ गया और साँप ने भगवाना को डस लिया। भगवाना का शरीर नीला पड़ गया। माँ तो यह सुनकर बावली-सी हो गई, दौड़कर ओझा को बुला लाई तथा झाड़-फूँक करवाई। नाग देवता की पूजा भी करवाई। घर में जो कुछ था वह सब भगवाना के इलाज में खर्च हो गया पर भगवाना को माँ बचा नहीं सकी।

2. **'दुःख का अधिकार' कहानी द्वारा समाज की विसंगतियों पर व्यंग्य किया है। बताइए, कैसे?**

उत्तर– इस कहानी में लेखक ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, वर्गभेद, जातिभेद आदि पर कटाक्ष किया है। उन्होंने समाज को भटकाने वाली कुरीतियों, झाड़-फूँक आदि पर भी निशाना साधा है। किसी के मरने का दुःख तो सभी को समान होता है चाहे वह किसी भी श्रेणी का हो, अमीर हो चाहे गरीब। परंतु उच्च-वर्ग जहाँ इस शोक को अपनी सुविधा के अनुसार कई दिनों तक मना सकता है, वहाँ निम्न-वर्ग के लोगों के पास पुत्र की मृत्यु का शोक मनाने के लिए एक दिन भी नहीं होता। उन्हें अपने परिवार की रोज़ी-रोटी की चिंता रहती है। अपने पेट की आग बुझाने के लिए तथा परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्हें घर से बाहर निकलकर मेहनत-मज़दूरी करनी पड़ती है। लेखक के पड़ोस की संभ्रांत महिला पुत्र शोक में अढ़ाई मास तक बिस्तर से नहीं उठ सकी थी जबकि भगवाना की मृत्यु के अगले ही दिन उसकी माँ को रोज़ी-रोटी जुटाने के लिए बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ा। लेखक ने इस विसंगति पर व्यंग्य करते हुए कहा है कि दुःख मनाने के लिए भी अधिकार चाहिए। इसमें इस बात पर दुःख प्रकट किया गया है कि लोग गरीबों के दुःख को दुःख नहीं समझते।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा

बचेंद्री पाल (1954)

2

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. बचेंद्री पाल ने सर्वप्रथम एवरेस्ट को कहाँ से देखा था?

(क) बेस कैंप से (ख) हवाई जहाज़ से

(ग) नमचे बाज़ार से (घ) अपने घर की खिड़की से

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. लेखिका के अनुसार किस कारण से अचानक प्रायः खतरनाक स्थिति बन जाती थी?

(क) बर्फ़ीली हवाओं के कारण

(ख) साक्षी की मृत्यु हो जाने के कारण

(ग) बड़े-बड़े बर्फ़ की चट्टानों के अचानक से गिरने से

(घ) बीमार पड़ने के कारण

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. कैंप-एक पर पहुँचने वाली दो महिलाएँ थी?

(क) डॉक्टर मीनू मेहता तथा बचेंद्री पाल

(ख) कर्नल खुल्लर तथा बचेंद्री पाल

(ग) रीता गोंबू तथा बचेंद्री पाल

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

4. बचेंद्री पाल और उनके साथियों के तंबू का रास्ता साफ़ करने में कौन सफल हो गए थे?

(क) लोपसांग (ख) तशारिंग

(ग) एन. डी. शेरपा (घ) लोपसांग व तशारिंग

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

5. लेखिका एवरेस्ट की चोटी पर कब खड़ी थी?

(क) 23 मार्च 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर

(ख) 21 मई 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर

(ग) 25 मई 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर

(घ) 29 मई 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

6. शेरपालैंड का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र कौन-सा है?

(क) जावलाखेल बाज़ार (ख) सुनधारा बाज़ार

(ग) नमचे बाज़ार (घ) लेपचा बाज़ार

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

7. जब लेखिका अपने दल के साथ 26 मार्च को पैरिच पहुँची तब उन्हें किसकी मृत्यु का दुःखद समाचार मिला?

(क) अपने साथी का

(ख) अपने किसी करीबी का

(ग) एक शेरपा कुली का

(घ) शेरपा कुलियों के दल का

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

8. अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहे थे?

(क) उपनेता प्रेमचंद (ख) कर्नल खुल्लर

(ग) बचेंद्री पाल (घ) डॉ. मीनू मेहता

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

9. लेखिका किसके साथ आगे बढ़ रही थीं?

(क) रीता वासु (ख) रीता गोंबू

(ग) सीता मेहता (घ) गीता रानी

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

10. 29 अप्रैल को उन्होंने कितने मीटर पर कैंप-चार लगाया?

(क) 7000 मीटर पर (ख) 7800 मीटर पर

(ग) 7900 मीटर पर (घ) 8000 मीटर पर

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

11. लेखिका ने एवरेस्ट की तरफ़ क्या देखा?

(i) भारी बर्फ़ का एक फूल

(ii) जो पर्वत-शिखर पर लहराता एक ध्वज-सा लग रहा था

(iii) बड़े-बड़े लहराते पेड़

(iv) ऊँची-ऊँची पर्वतों की चोटियाँ

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iii), (i)

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

12. डॉ॰ मीनू मेहता ने लेखिका व उनके दलों को कौन-कौन सी जानकारियाँ दीं?

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(i) अल्यूमिनियम की सीढ़ियों से अस्थाई पुलों को बनाना
(ii) लट्ठों और रस्सियों का उपयोग
(iii) बरफ़ पर चलने का सही तरीका
(iv) बरफ़ की आड़ी-तिरछी दीवारों पर रस्सियों को बाँधना

(क) (i), (ii), (iii) (ख) (i), (ii), (iv)
(ग) (ii), (iii), (iv) (घ) (ii), (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. तेनजिंग ने लेखिका से कहा कि–

(i) तुम अगर डर रही हो तो वापस लौट जाओ।
(ii) हिम्मत बनाकर रखो।
(iii) तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो।
(iv) तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)
(ग) (ii), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. वह बड़ी-सी सख्त चीज़ क्या थी?

(i) एक लंबा बरफ़ का पिंड जो उनके कैंप के ठीक ऊपर ल्होत्से ग्लेशियर से टूटकर नीचे आ गिरा था।
(ii) जो एक विशाल हिमपुंज बन गया था।
(iii) एक बड़ा-सा पत्थर का टुकड़ा
(iv) एक गैस सिलेंडर

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. एवरेस्ट पर पहुँचने पर कर्नल खुल्लर ने बधाई देते हुए लेखिका से क्या कहा?

(i) वे लेखिका की अनूठी उपलब्धि पर उनके माता-पिता को बधाई देना चाहेंगे।
(ii) देश को लेखिका पर गर्व है।
(iii) उन्होंने अच्छी कोशिश की।
(iv) कभी हिम्मत नहीं हारी।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

उपनेता प्रेमचंद, जो अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे, 26 मार्च को पैरिच लौट आए। उन्होंने हमारी पहली बड़ी बाधा खुंभु हिमपात की स्थिति से हमें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उनके दल ने कैंप-एक (6000 मी.), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ़ कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा झंडियों से रास्ता चिह्नित कर, सभी बड़ी कठिनाइयों का जाय़ज़ा ले लिया गया है। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया कि ग्लेशियर बर्फ़ की नदी है और बर्फ़ का गिरना अभी जारी है। हिमपात में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के किए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं और हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा करना पड़ सकता है।

1. एवरेस्ट अभियान में अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे–

(क) सोलह शेरपा (ख) डेकी
(ग) उपनेता प्रेमचंद (घ) बचेंद्री पाल

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. पहली बड़ी बाधा क्या थी?

(क) कुली की मृत्यु (ख) खुंभु हिमपात
(ग) बड़े-बड़े ग्लेशियर (घ) बर्फ़ीली हवा

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. कैंप-एक हिमपात के कितने मीटर ऊपर था?

(क) 2000 मीटर (ख) 4000 मीटर
(ग) 6000 मीटर (घ) 10000 मीटर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. लेखिका के दल को खुंभु हिमपात की स्थिति से किसने अवगत करवाया?

(क) उपनेता प्रेमचंद (ख) डॉक्टर मीनू मेहता
(ग) कर्नल खुल्लर (घ) शेरपा

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. .... में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के लिए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं।

(क) ग्लेशियर (ख) हिमपात
(ग) खाने की कमी (घ) रस्सी की कमी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश 2

ल्हाटू हमारे पीछे-पीछे आ रहा था और जब हम दक्षिणी शिखर के नीचे आराम कर रहे थे, वह हमारे पास पहुँच गया। थोड़ी-थोड़ी चाय पीने के बाद हमने फिर चढ़ाई शुरू की। ल्हाटू एक नायलॉन की रस्सी लाया था। इसलिए अंगदोरजी और मैं रस्सी के सहारे चढ़े, जबकि ल्हाटू एक हाथ से रस्सी पकड़े हुए बीच में चला। उसने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय हमारे संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी। ल्हाटू ने ध्यान दिया कि मैं इन ऊँचाइयों के लिए सामान्यतः आवश्यक, चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा, लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

दर से लेकर चढ़ रही थी। मेरे रेगुलेटर पर जैसे ही उसने ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई, मुझे महसूस हुआ कि सपाट और कठिन चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी।

1. **दक्षिणी शिखर के नीचे आराम करते हुए, बचेंद्री और अंगदोरजी के पास कौन पहुँच गया?**

   (क) कर्नल खुल्लर (ख) जय
   (ग) ल्हाटू (घ) बिस्सा

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. **ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ते ही किसे महसूस हुआ कि सपाट और कठिन चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी?**

   (क) अंगदोरजी को (ख) ल्हाटू को
   (ग) बचेंद्री को (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

3. **लेखिका ने आखिरी दिन की चढ़ाई किसके साथ की?**

   (क) अंगदोरजी के साथ (ख) बिस्सा के साथ
   (ग) तेनजिंग के साथ (घ) जय के साथ

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

4. **ल्हाटू ने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय किसके संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी?**

   (क) दिशा और तेनजिंग की
   (ख) जय और अंगदोरजी की
   (ग) बचेंद्री और अंगदोरजी की
   (घ) दिशा और जय की

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

   कथन (A): ल्हाटू लेखिका के आगे-आगे चल रहा था।
   कारण (R): ल्हाटू जूट की एक रस्सी लाया था।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
   (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. **नेपाली एवरेस्ट को किस नाम से पुकारते हैं?**

उत्तर– नेपाली एवरेस्ट को 'सागरमाथा' नाम से पुकारते हैं।

2. **लेखिका को चाय बनाने के लिए पानी कहाँ से मिला?**

उत्तर– लेखिका ने बर्फ़ पिघलाकर पानी का प्रबंध किया।

3. **लेखिका एवरेस्ट शिखर पर कितने बजे पहुँचीं?**

उत्तर– दोपहर एक बजकर सात मिनट पर लेखिका एवरेस्ट शिखर पर पहुँचीं।

4. **एवरेस्ट की तरफ़ गौर से निहारते समय लेखिका को क्या दिखा?**

उत्तर– एवरेस्ट की तरफ़ गौर से निहारते समय लेखिका को एक भारी बरफ़ का फूल दिखा, जो पर्वत शिखर पर लहराता हुआ एक ध्वज-सा लग रहा था।

5. **26 मार्च को पैरिच पहुँचने पर लेखिका को कौन-सा दुःखद समाचार मिला?**

उत्तर– लेखिका को हिम-स्खलन के कारण एक शेरपा की मृत्यु का समाचार मिला। यह घटना खुंभु हिमपात पर जाने वाले अभियान दल के रास्ते के बाईं तरफ़ सीधी पहाड़ी के धंसने से, लहोत्से की ओर से एक बहुत बड़ी बरफ़ की चट्टान के नीचे खिसकने से हुई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. **दक्षिणी शिखर के ऊपर दृश्यता शून्य तक क्यों आ गई थी?**

उत्तर– दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बहुत अधिक बढ़ गई थी। उस ऊँचाई पर तेज़ हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ़ के कणों को चारों तरफ़ उड़ा रहे थे, जिससे दृश्यता शून्य तक आ गई थी।

2. **लेखिका को अपने लक्ष्य तक पहुँचाने में अंगदोरजी का क्या योगदान रहा?**

उत्तर– अंगदोरजी लेखिका के रज्जु-नेता थे। वे बिना ऑक्सीजन के ही चढ़ाई करते थे। उनकी हिम्मत व साहस को देखकर लेखिका उन्हें अपना आदर्श मानने लगी थीं। अंगदोरजी के द्वारा प्रोत्साहित किए जाने के कारण ही लेखिका अपने लक्ष्य तक पहुँच पाईं। इसलिए शिखर पर पहुँचकर लेखिका ने हाथ जोड़कर, आदर भाव के साथ उनको नमस्कार किया।

3. **आशय स्पष्ट कीजिए– 'मैं तुम्हारी इस अनूठी उपलब्धि के लिए, तुम्हारे माता-पिता को बधाई देना चाहूँगा।'**

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

4. **15-16 मई 1984 को जब लेखिका कैंप तीन के तंबू में थी, तो रात के 12:30 बजे क्या घटना घटी?**

उत्तर– 15-16 मई को जब लेखिका कैंप-तीन में गहरी नींद में सोई थीं कि रात 12:30 बजे के लगभग उनके सिर के पिछले हिस्से से किसी सख्त चीज़ के टकराने से उनकी नींद अचानक खुल गई, साथ ही ज़ोरदार धमाका हुआ। लेखिका को ऐसा महसूस

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

हुआ कि एक ठंडी, बहुत भारी चीज़ उनके शरीर को कुचलती जा रही है। उन्हें साँस लेने में भी तकलीफ़ होने लगी।
ये एक ग्लेशियर से टूटकर गिरा विशाल हिमपुंज था जो सीधे ढलान से नीचे आते हुए इनके कैंप को भी तहस-नहस कर दिया।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. लेखिका ने अपने मित्रों की सहायता किस प्रकार की?

उत्तर– लेखिका के व्यवहार से सहयोग और सहायता का परिचय तब मिलता है जब उसने अपने दल के दूसरे सदस्यों की मदद करने का निश्चय किया। इसके लिए उसने एक थरमस को जूस से तथा दूसरे को गर्म चाय से भरा तथा बर्फ़ीली हवा में तंबू से बाहर निकली और नीचे कैंप में पहुँची। बचेंद्री ने जय के सवाल के जवाब में कहा कि मैं एक पर्वतारोही हूँ। इस दल में आई हूँ। शारीरिक रूप से ठीक हूँ इसलिए मुझे अपने दल के सदस्यों की मदद क्यों नहीं करनी चाहिए। यह भावना उसकी सहयोगी प्रवृत्ति को दर्शाती है।

2. 'महान अभियानों में खतरों और कभी-कभी तो मृत्यु को भी सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– महान अभियानों में खतरों और कभी-कभी तो मृत्यु को भी सहज भाव से स्वीकार कर लेना चाहिए। ये शब्द कर्नल खुल्लर ने अभियान दल के सदस्यों को कहे थे जिनका आशय था कि एवरेस्ट पर पहुँचना एक महान अभियान है जिसमें खतरे तो रहते ही हैं। कभी-कभी किसी सदस्य की मृत्यु भी हो जाती है। इसमें कदम-कदम पर जान जाने का खतरा होता है। यदि ऐसा कठिन कार्य करते हुए मृत्यु भी हो जाए तो उसे स्वाभाविक घटना के रूप में लेना चाहिए। बहुत हाय-तौबा नहीं मचानी चाहिए क्योंकि ऐसे महान अभियानों में यह सब संभव है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

तुम कब जाओगे, अतिथि

शरद जोशी (1931–1991)

3

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. अतिथि को घर पर रहते कितने दिन हो गए थे?

(क) दो (ख) पाँच

(ग) तीन (घ) चार

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. लेखक कितने दिनों से अतिथि को कैलेंडर दिखाकर तारीख बदल रहा है?

(क) विगत तीन दिनों से (ख) विगत चार दिनों से

(ग) विगत दो दिनों से (घ) विगत एक दिनों से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. लॉण्ड्री में कपड़े देने की बात सुनकर लेखक की पत्नी को लगा–

(क) अतिथि वहीं से गाड़ी पकड़कर चला जाएगा।

(ख) अतिथि इसका खर्चा भी इन्हीं से माँगेगा।

(ग) अतिथि कुछ और दिन ठहरेगा।

(घ) अतिथि लॉण्ड्री में ही नौकरी करेगा।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. लेखक के मन में बार-बार कौन-सा प्रश्न उठ रहा है?

(क) तुम कब सिनेमा ले जाओगे।

(ख) अतिथि, तुम क्या खाओगे।

(ग) अतिथि, तुम कब जाओगे।

(घ) तुम हमारा पीछा कब छोड़ोगे, अतिथि।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. अंत में लेखक दुःखी होकर अतिथि से क्या कहता है?

(क) बस और नहीं सहा जाता।

(ख) कितनी बक-बक करते हो?

(ग) उफ़, तुम कितना खाते हो?

(घ) उफ़, तुम कब जाओगे अतिथि?

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. आज अतिथि के आगमन का चार दिन हो जाने पर कौन-सा प्रश्न लेखक के मन में बार-बार घुमड़ रहा है?

(क) तुम कब जाओगे, अतिथि?

(ख) ये कितना परेशान करता है

(ग) पता नहीं कब जाएगा

(घ) दुःखी कर दिया है

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. जिस दिन अतिथि लेखक के घर आया उस दिन लेखक का हृदय किस बात से धड़क उठा था?

(क) किसी ख़ुशी के कारण

(ख) अपने संबंधी को अचानक देखकर

(ग) किसी अज्ञात आशंका से

(घ) किसी अनचाही आतिथ्य के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. अतिथि के सम्मान में लेखक ने रात के भोजन में क्या बदलाव किया?

(क) एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया।

(ख) रोज़ की तरह ही भोजन बनाया।

(ग) भोजन के साथ मीठा भी बनाया।

(घ) खाना बाहर से मँगवाया।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. लेखक ने विश्वास से अतिथि के कपड़े लॉण्ड्री में देने को क्यों कहा?

(क) लेखक को ये विश्वास था कि उनके अतिथि के कपड़े अच्छे से धुलकर आएँगे।

(ख) उन्हें उम्मीद थी कि शायद अतिथि जल्दी कपड़े धुलकर आने के बाद चले जाएँगे।

(ग) क्योंकि लॉण्ड्री में कपड़े साफ़ धुलते हैं।

(घ) लॉण्ड्री उनके घर के पास में थी।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. अतिथि को पहली बार देखकर जो मुसकराहट लेखक के चेहरे पर आई थी अब वह मुसकराहट कैसी थी?

(क) धीरे-धीरे हँसी में बदल गई।

(ख) मुसकराहट का स्थान क्रोध ने ले लिया।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) धीरे-धीरे मुसकराहट गायब हो गई।

(घ) अतिथि से लेखक को घृणा होने लगी।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. 'ठहाकों के रंगीन गुब्बारे जो कल तक इस कमरे के आकाश में उड़ते थे, अब दिखाई नहीं देते।' इस पंक्ति के माध्यम से लेखक क्या कहना चाह रहे हैं?

(i) अतिथि के आने से जो खुशी मिली थी, वह अब लुप्त हो चुकी है।

(ii) घर का माहौल जो अतिथि के आने से खुशनुमा हो गया था, वह धीरे-धीरे गम में बदल गया।

(iii) कमरे में जो ठहाके लगते थे, वह अब खत्म हो गए हैं।

(iv) ठहाके लगाने वाले अब चले गए हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

12. अतिथि के लेखक के घर ज़्यादा दिन टिकने से क्या हुआ?

(i) सभी घरवाले परेशान हो गए।

(ii) सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी।

(iii) डिनर से चले थे, अब खिचड़ी पर आ गए।

(iv) खाने से पापड़, सलाद और मीठा गायब हो गया था।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. लेखक और उनकी पत्नी ने आए अतिथि का स्वागत कैसे किया था?

(i) पति ने अनमने ढंग से हाथ मिलाया।

(ii) पत्नी ने नकली मुसकान के साथ हाथ जोड़े।

(iii) पति ने स्नेह भरी मुसकान से गले लगाया।

(iv) पत्नी ने भी आदर के साथ मुसकराते हुए हाथ जोड़े।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. सिनेमा दिखाने के बाद लेखक के हिसाब से कौन-सा क्षण आ जाना चाहिए था, जिसकी वह कल्पना कर रहा था?

(i) अतिथि द्वारा धन्यवाद कहना

(ii) भावभीनी विदाई का भीगा हुआ क्षण

(iii) अतिथि का वापस जाने के लिए कहना

(iv) अतिथि को स्टेशन छोड़ने जाना

(क) (i), (ii), (iii) (ख) (ii), (i), (iii)

(ग) (iii), (ii), (i) (घ) (ii), (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. 'यह मनुष्य अपनी वाली पर उतरे।' इस पंक्ति में लेखक का क्या कटाक्ष है?

(i) मनुष्य के सहनशक्ति की परीक्षा मत लो।

(ii) जिस तरह ईश्वर दर्शन देकर चले जाते हैं उसी प्रकार तुम भी चले जाओ।

(iii) इससे पहले कि अतिथि के साथ कुछ गलत व्यवहार करे उससे पहले ही उसे चले जाना चाहिए।

(iv) अतिथि अपनी मर्ज़ी का मालिक होता है।

(क) (i), (ii), (iii) (ख) (ii), (iii), (iv)

(ग) (iii), (iv), (i) (घ) (ii), (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

उस दिन जब तुम आए थे, मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था। अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया। उसके बावजूद एक स्नेह-भीगी मुसकराहट के साथ मैं तुमसे गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथि, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। तुम्हें स्मरण होगा कि दो सब्ज़ियों और रायते के अलावा हमने मीठा भी बनाया था। इस सारे उत्साह और लगन के मूल में एक आशा थी। आशा थी कि दूसरे दिन किसी रेल से एक शानदार मेहमाननवाज़ी की छाप अपने हृदय में ले तुम चले जाओगे। हम तुमसे रुकने के लिए आग्रह करेंगे, मगर तुम नहीं मानोगे और एक अच्छे अतिथि की तरह चले जाओगे। पर ऐसा नहीं हुआ!

1. अतिथि के आने पर लेखक का हृदय किस आशंका से धड़क रहा था?

(क) घर का राशन समाप्त होने वाला है।

(ख) पत्नी गुस्से में मायके चली जाएगी।

(ग) पता नहीं अतिथि कब वापस जाएगा।

(घ) लेखक को कार्यालय से छुट्टी लेनी पड़ेगी।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. लेखक का बटुआ अंदर-ही-अंदर क्यों काँपा?

(क) लेखक की आर्थिक स्थिति डाँवाडोल होने लगी थी।

(ख) लेखक की पतलून फट रही थी।

(ग) लेखक एक चोर के आगे खड़ा था।

(घ) लेखक अपने लिए नया बटुआ खरीद रहा था।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **पहली रात लेखक ने अतिथि की खातिरदारी में –**
   (क) बाहर से खाना मँगवाया।
   (ख) अतिथि को होटल में खाना खिलाया।
   (ग) घर पर ही दो सब्ज़ियों और रायते के अलावा मीठा भी बनवाया।
   (घ) घर का बासी खाना गर्म करके खिलाया।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **लेखक ने किस आशा से अतिथि की शानदार मेहमाननवाज़ी की?**
   (क) अतिथि बहुत पैसा देकर जाएगा।
   (ख) अतिथि लेखक को पूरा शहर घुमाएगा।
   (ग) अतिथि रेल से एक शानदार मेहमाननवाज़ी की छाप अपने हृदय में लेकर चला जाएगा।
   (घ) अतिथि अगली बार अपना परिवार लेकर आएगा।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **अतिथि ने पहली रात की मेहमाननवाज़ी के बाद भी क्या नहीं किया?**
   (क) लेखक को कोई उपहार नहीं दिया।
   (ख) घर के काम में कोई मदद नहीं की।
   (ग) अतिथि ने भावभीनी विदाई नहीं ली।
   (घ) लेखक के खाने की तारीफ़ नहीं की।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

गद्यांश 2

तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है न! मैं जानता हूँ। दूसरों के यहाँ अच्छा लगता है। अगर बस चलता तो सभी लोग दूसरों के यहाँ रहते, पर ऐसा नहीं हो सकता। अपने घर की महत्ता के गीत इसी कारण गाए गए हैं। होम को इसी कारण स्वीट-होम कहा गया है कि लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें। तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है, पर सोचो प्रिय, कि शराफ़त भी कोई चीज़ होती है और गेट आउट भी एक वाक्य है, जो बोला जा सकता है।

1. **'तुम्हें यहाँ क्या अच्छा लग रहा है न।' लेखक ये किस विषय में कह रहा है –**
   (क) लेखक अपनी पत्नी से कह रहा है।
   (ख) लेखक अपने पड़ोसी से कह रहा है।
   (ग) लेखक अपने अतिथि के ठहरने के विषय में कह रहा है।
   (घ) लेखक अपने नौकर के स्वास्थ्य के विषय में कह रहा है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **लेखक के अनुसार किसकी महत्ता के गीत गाए गए हैं?**
   (क) पत्नी की महत्ता
   (ख) अतिथि की महत्ता
   (ग) घर की महत्ता
   (घ) सिनेमा की महत्ता

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **लेखक की अतिथि से क्या उम्मीद थी?**
   (क) वह कुछ घर का काम करे।
   (ख) वह कुछ आर्थिक मदद करे।
   (ग) वह अगले दिन ही चला जाए।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **'तुम कब जाओगे अतिथि' पाठ में लेखक ने कैसे लोगों पर व्यंग्य किया है?** **(मूल्यपरक प्रश्न)**
   (क) राजनेताओं पर
   (ख) फ़िल्म अभिनेताओं पर
   (ग) अध्यात्म पर
   (घ) ऐसे अतिथियों पर जो आकर जाने का नाम नहीं लेते।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**
   कथन (A)ः लोग दूसरे के होम के स्वीटनेस को काटने न दौड़ें।
   कारण (R)ः अतिथि को अधिक दिन रुककर मेजबान के घर की शांति तथा चैन भंग नहीं करना चाहिए।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
   (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. लेखक ने अतिथि का स्वागत कैसे किया?

उत्तर– अतिथि का स्वागत, लेखक और उसकी पत्नी ने स्नेह भरी भीगी मुसकराहट से किया।

2. लेखक को कब लगा कि सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही है?

उत्तर– शानदार डिनर से खिचड़ी तक आते-आते लेखक को लगने लगा कि सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही है।

3. ''क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती''–का आशय बताएँ।

उत्तर– इसका आशय है– क्या तुम्हें अपने घर की याद नहीं आती है?

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. लेखक ने इस पाठ में किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर– लेखक ने इस पाठ में यह व्यंग्य ऐसे लोगों पर किया है जो शहर में रहने वाले लोगों के घर बिना खबर किए अतिथि बनकर आते हैं और जाने का नाम नहीं लेते हैं।

5. लेखक के घर अतिथि के आने पर उन्हें कैसा महसूस हुआ था?

उत्तर– अतिथि के आने पर अनजानी आशंकाओं से लेखक का बटुआ काँप गया था। क्योंकि एक मध्यम वर्गीय परिवार की कमाई अपने परिवार को चलाने के लिए पर्याप्त होती है। उनका बजट किसी और के आने पर हिल जाता है। वो भी अगर एक या दो दिन से ज्यादा टिक जाए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. लेखक ने अतिथि की तुलना एस्ट्रॉनाट्स से क्यों की?

उत्तर– लेखक कहना चाह रहे हैं कि एस्ट्रॉनाट्स धरती से चाँद की लाखों किलोमीटर की दूरी तय करके भी वहाँ अंतरिक्ष में इतने दिन नहीं रुकते जितने दिन वहाँ (लेखक के घर) अतिथि रुके हुए थे। लेखक, अतिथि को यह स्मरण कराना चाहते हैं कि वह उसके पास, उसके घर में आ गए हैं और मेहमाननवाज़ी की भी एक परंपरा है।

2. आशय स्पष्ट कीजिए – 'डिनर से चले थे, खिचड़ी पर आ गए।'

उत्तर– इसका आशय है कि अतिथि को दिया जाने वाला सम्मान धीरे-धीरे समाप्त हो गया है और उसे घर से भगाने तक की नौबत आ गई है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए – 'तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुसकराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है।'

उत्तर– लेखक इन पंक्तियों में अपने अतिथि के विषय में सोचते हुए, अपने मनोभाव व्यक्त कर रहे हैं। लेखक के घर अतिथि को आए हुए चार दिन गुज़र चुके हैं और वह अभी तक जाने की बात सोचते भी नहीं हैं। इसलिए लेखक अपने मन में सोच रहे हैं कि जिस अतिथि को देखकर, उनके मुख पर सहज रूप से मुसकराहट फूट पड़ती है वह अब स्वयं ही समाप्त हो गई है।

4. अतिथि को एहसास दिलाने के लिए लेखक और उनकी पत्नी ने क्या-क्या प्रयत्न किए?

उत्तर– लेखक ने पहले दिन जो रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। पूरे उत्साह से उनका स्वागत किया था। अब वो उत्साह खत्म हो चुका था। रात के डिनर ने खिचड़ी का स्थान ले लिया था। सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। उन्हें देखकर जो मुसकान फैली थी वो भी अब फीकी हो चुकी थी। बातचीत का दौर भी खत्म हो चुका था।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. लेखक ने अतिथि को जाने की याद दिलाने के लिए क्या-क्या यत्न किए? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर– लेखक अतिथि को जाने की याद दिलाने के लिए दिखा-दिखाकर कैलेंडर की तारीख बदलता है। जब कई दिन बीतने पर भी अतिथि ने जाने का नाम तक नहीं लिया तो लेखक के अतिथि सत्कार में कमी आ गई। लंच और डिनर की गरिमा खिचड़ी पर उतर आई थी। उन्होंने अतिथि के साथ मुस्कराकर बात करना छोड़ दिया। वे चुपचाप उपन्यास पढ़ने लगते। परिवार, बच्चे, नौकरी, राजनीति, रिश्तेदारी आदि पर चर्चा समाप्त हो चुकी थी और कमरे में चुप्पी छाई रहती। लेखक अतिथि की उपस्थिति में बोरियत महसूस करने लगे। शानदार लंच और डिनर कराने के बाद लेखक अतिथि को खिचड़ी खिलाने लगे। उनके कपड़े लॉण्ड्री से धुलवाए ताकि वह जल्दी जा सके परंतु अतिथि टस से मस न हुआ। धीरे-धीरे लेखक की भावनाएँ गालियों का स्वरूप ग्रहण करने लगीं।

2. यदि आपके यहाँ कोई अतिथि अचानक आ जाए और जाने का नाम न लें। तब आप उस स्थिति में क्या-क्या कदम उठाएँगे। अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– यदि मेरे यहाँ कोई अतिथि अचानक आ जाए और जाने का नाम न ले, तो मैं विनम्रता और समझदारी से स्थिति को संभालने की कोशिश करूँगा। पहले तो मैं उनका उचित सत्कार करूँगा, लेकिन अगर वे जरूरत से ज्यादा रुकने लगें, तो संकेतों के माध्यम से उन्हें यह एहसास दिलाने की कोशिश करूँगा कि अब उन्हें प्रस्थान करना चाहिए। मैं अपने व्यस्त कार्यक्रम या आवश्यक कार्यों का उल्लेख करूँगा यदि वे फिर भी नहीं समझें, तो स्पष्ट लेकिन सम्मानजनक तरीके से उन्हें यह बताऊँगा कि अब मुझे अपने कामों में लगना होगा। इस तरह, मैं सौहार्दपूर्ण ढ़ंग से समस्या का समाधान करूँगा। (अन्य उत्तर भी स्वीकार्य)

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

वैज्ञानिक चेतना के वाहक : चंद्रशेखर वेंकट रामन्

4

धीरंजन मालवे (1952)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. शुरुआती दिनों में चंद्रशेखर वेंकट रामन् को क्या संघर्ष करना पड़ा था?

(क) प्रयोगशाला तथा उपकरणों की कमी

(ख) प्रयोगशाला तथा पत्रिकाओं की कमी

(ग) समुद्र की कमी

(घ) उपकरणों की कमी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. समुद्र को देखकर रामन् के मन में क्या जिज्ञासाएँ उठीं?

(क) समुद्र में जल का रंग नीला क्यों होता है? कुछ और क्यों नहीं?

(ख) किसी तरल पदार्थ में प्रकाश किस प्रकार बहता है?

(ग) प्रकाश की किरणों में कितने रंग होते हैं?

(घ) समुद्र का जल खारा क्यों होता है?

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस प्रयोगशाला की स्थापना किसने की थी?

(क) न्यूटन ने

(ख) लेखक ने

(ग) चंद्रशेखर वेंकट रामन् ने

(घ) डॉक्टर महेंद्रलाल सरकार ने

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. एकवर्णीय प्रकाश की किरणों में सबसे अधिक ऊर्जा किस रंग के प्रकाश में होती है?

(क) लाल (ख) बैंगनी

(ग) सफ़ेद (घ) काला

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. रामन् द्वारा स्थापित प्रयोगशाला और शोध संस्थान का क्या नाम है?

(क) चंद्रशेखर रिसर्च इंस्टीट्यूट

(ख) रामन् रिसर्च इंस्टीट्यूट

(ग) वेंकट रिसर्च इंस्टीट्यूट

(घ) इंडियन एसोसिएशन रिसर्च सेंटर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. रामन् भावुक होने के साथ-ही-साथ और क्या थे?

(क) समुद्र प्रेमी (ख) प्रकृति प्रेमी

(ग) संगीत प्रेमी (घ) कला प्रेमी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. रामन् का जन्म कब हुआ था?

(क) 8 दिसंबर 1888 ई.

(ख) 7 जनवरी 1889 ई.

(ग) 7 नवंबर 1888 ई.

(घ) 10 नवंबर 1868 ई.

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. रामन् के पिता कौन-सा विषय पढ़ाते थे?

(क) गणित और रसायन

(ख) अंग्रेज़ी साहित्य और इतिहास

(ग) हिंदी और संस्कृत

(घ) गणित और भौतिकी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. अपनी इच्छाशक्ति के ज़ोर से भौतिक विज्ञान को समृद्ध बनाने का प्रयास करते-करते वे किसकी ओर आकृष्ट हुए?

(क) वाद्‌य यंत्रों की ओर (ख) मशीनों की ओर

(ग) संगीत की ओर (घ) फिल्मों की ओर

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

10. रामन् की खोज की वजह से किसकी आंतरिक संरचना का अध्ययन सहज हो गया?

(क) पदार्थों के अणुओं का

(ख) पदार्थों के परमाणुओं का

(ग) फोटॉन का

(घ) पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं का

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

11. कलकत्ता में सरकारी नौकरी के दौरान दफ़्तर से फ़ुरसत पाते ही वे कहाँ जाते थे?

(i) बहू बाज़ार जाते थे।

(ii) जहाँ 'इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' की प्रयोगशाला थी।

(iii) बच्चों को पढ़ाने जाते थे।

(iv) बच्चों के साथ खेलने जाते थे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

12. वाद्य यंत्रों पर किए जा रहे शोधकार्यों के दौरान उनके अध्ययन के दायरे में आने वाले किन-किन वाद्यों पर उन्होंने काम किया?

(i) तबला, सितार और तानपूरा

(ii) वायलिन, चैलो या पियानों जैसे विदेशी वाद्य

(iii) वीणा, तानपूरा और मृदंगम्

(iv) सितार, तानपूरा, तबला

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. पदार्थों की आणविक और परमाणविक संरचना के अध्ययन के लिए प्रयोग किया जाने वाला रामन् स्पेक्ट्रोस्कोपी कैसी तकनीक है?

(i) जो एकवर्णीय प्रकाश के वर्ण में परिवर्तन के आधार पर

(ii) जिसने आइंस्टाइन की धारणा का प्रत्यक्ष प्रमाण दे दिया

(iii) पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं की संरचना की सटीक जानकारी देती है

(iv) प्रकाश की किरण सूक्ष्म कणों के प्रवाह के रूप में व्यवहार करती है

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (ii), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. रामन् स्पेक्ट्रास्कोपी तकनीक द्वारा संरचना की सटीक जानकारी की वजह से क्या संभव हो गया?

(i) पदार्थों का संश्लेषण प्रयोगशाला में करना

(ii) अनेक उपयोगी पदार्थों का कृत्रिम रूप से निर्माण करना

(iii) प्रकाश की प्रकृति के बारे में आइंस्टाइन के विचारों को प्रायोगिक प्रमाण मिलना

(iv) 'सर' की उपाधि का मिलना

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. रामन् को अधिकांश सम्मान उस दौर में मिले जब भारत अंग्रेज़ों का गुलाम था। इस बात से देश को कितना गर्व महसूस हुआ?

(i) भारत को एक नया आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दिया।

(ii) अंग्रेज़ों के साथ आँख-से-आँख मिलाने की स्थिति में थे।

(iii) विज्ञान के क्षेत्र में उन्होंने एक नई भारतीय चेतना को जाग्रत किया।

(iv) रामन् प्रभाव की खोज ने रामन् को विश्व के चोटी के वैज्ञानिकों की पंक्ति में ला खड़ा किया।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

कलकत्ता में सरकारी नौकरी के दौरान उन्होंने अपने स्वाभाविक रुझान को बनाए रखा। दफ़्तर से फ़ुर्सत पाते ही वे लौटते हुए बहू बाज़ार आते, जहाँ 'इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' की प्रयोगशाला थी। यह अपने आपमें एक अनूठी संस्था थी, जिसे कलकत्ता के एक डॉक्टर महेंद्रलाल सरकार ने वर्षों की कठिन मेहनत और लगन के बाद खड़ा किया था। इस संस्था का उद्देश्य था देश में वैज्ञानिक चेतना का विकास करना। अपने महान् उद्देश्यों के बावजूद इस संस्था के पास साधनों का नितांत अभाव था। रामन् इस संस्था की प्रयोगशाला में कामचलाऊ उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए शोधकार्य करते। यह अपने आपमें एक आधुनिक हठयोग का उदाहरण था, जिसमें एक साधक दफ़्तर में कड़ी मेहनत के बाद बहू बाज़ार की इस मामूली-सी प्रयोगशाला में पहुँचता और अपनी इच्छाशक्ति के ज़ोर से भौतिक विज्ञान को समृद्ध बनाने के प्रयास करता। उन्हीं दिनों वे वाद्ययंत्रों की ओर आकृष्ट हुए। वे वाद्ययंत्रों की ध्वनियों के पीछे छिपे वैज्ञानिक रहस्यों की परतें खोलने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अनेक वाद्ययंत्रों का अध्ययन किया जिनमें देशी और विदेशी, दोनों प्रकार के वाद्ययंत्र थे।

1. दफ़्तर से फ़ुर्सत पाते ही रामन् कहाँ जाते थे?

(क) समुद्र किनारे

(ख) इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस की प्रयोगशाला

(ग) बाज़ार घूमने

(घ) इनमें से कोई भी नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

2. **'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' की स्थापना किसने की?**

(क) डॉक्टर मदनलाल सरकार ने

(ख) चंद्रशेखर वेंकट रामन् ने

(ग) आशुतोष मुखर्जी ने

(घ) न्यूटन ने

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस' की प्रयोगशाला का उद्‌देश्य था–**

(क) नए वैज्ञानिक बनाना

(ख) नए आविष्कार करना

(ग) वैज्ञानिक चेतना का विकास करना

(घ) पैसा कमाना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **इस प्रयोगशाला में नितांत अभाव था –**

(क) बिजली का

(ख) साधनों का

(ग) शोध पत्रों का

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **रामन् ने अनेक वाद्‌ययंत्रों का अध्ययन किया जिनमें–**

(i) पियानो नहीं था।

(ii) देशी वाद्‌य यंत्र थे।

(iii) विदेशी वाद्‌य यंत्र थे।

(iv) केवल विदेशी वाद्‌य यंत्र थे।

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्‌यांश 2

रामन् की खोज की वजह से पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं की आंतरिक संरचना का अध्ययन सहज हो गया। पहले इस काम के लिए इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का सहारा लिया जाता था। यह मुश्किल तकनीक है और गलतियों की संभावना बहुत अधिक रहती है। रामन् की खोज के बाद पदार्थों की आणविक और परमाणविक संरचना के अध्ययन के लिए रामन् स्पेक्ट्रोस्कोपी का सहारा लिया जाने लगा। यह तकनीक एकवर्णीय प्रकाश के वर्ण में परिवर्तन के आधार पर, पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं की संरचना की सटीक जानकारी देती है। इस जानकारी की वजह से पदार्थों का संश्लेषण प्रयोगशाला में करना तथा अनेक उपयोगी पदार्थों का कृत्रिम रूप से निर्माण संभव हो गया है।

1. **रामन् की खोज की वजह से पदार्थों की कौन-सी संरचना का अध्ययन सहज हो गया?**

(क) सूक्ष्म कणों के प्रभाव की

(ख) अणुओं और परमाणुओं की

(ग) एकवर्णीय प्रकाश की

(घ) इंफ्रा रेड की

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **पहले इस अध्ययन के लिए किसका सहारा लिया जाता था?**

(क) इंफ्रा ग्रीन स्पेक्ट्रोस्कोपी का

(ख) इंफ्रा येलो स्पेक्ट्रोस्कोपी का

(ग) इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **किस जानकारी की वजह से पदार्थों का संश्लेषण प्रयोगशाला में करना तथा अनेक पदार्थों का कृत्रिम रूप से निर्माण संभव हो गया है?**

(क) इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (ख) फोटॉन थेरेपी

(ग) रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (घ) (क) और (ख) दोनों ही

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **किस तकनीक के कारण गलतियों की संभावना बहुत अधिक रहती थी?**

(क) रामन् स्पेक्ट्रोस्कोपी (ख) फोटॉन

(ग) इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (घ) इंफ्रा ग्रीन स्पेक्ट्रोस्कोपी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): रामन् की खोज से अणुओं और परमाणुओं की आंतरिक संरचना का अध्ययन सहज हो गया।

कारण (R): इसके कारण अनेक उपयोगी पदार्थों का कृत्रिम रूप से निर्माण संभव हो गया।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. रामन् के पिता कौन-कौन से विषय पढ़ाते थे?

उत्तर– रामन् के पिता गणित और भौतिकी के शिक्षक थे।

2. रामन् बहू बाज़ार की किस प्रयोगशाला में शोधकार्य करते थे?

उत्तर– रामन् बहू बाज़ार की 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' नामक प्रयोगशाला में शोधकार्य करते थे।

3. रामन् ने कौन-सी शोध-पत्रिका का संपादन किया?

उत्तर– रामन् ने 'करेंट साइंस' नामक पत्रिका का संपादन किया।

4. रामन् केवल अठारह साल की आयु में ही किस पद पर नियुक्त किए गए?

उत्तर– रामन् अठारह साल की आयु में कलकत्ता (कोलकाता) में भारत सरकार के फाइनेंस डिपार्टमेंट में सहायक जनरल एकांउटेंट के पद पर नियुक्त किए गए।

5. उन दिनों किस पेशे को कैरियर के रूप में अपनाने की व्यवस्था नहीं थी?

उत्तर– उन दिनों शोध कार्य को पूरे समय के कैरियर के रूप में अपनाने की कोई खास व्यवस्था नहीं थी। प्रतिभावान छात्र सरकारी नौकरी की ओर आकर्षित होते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. रामन् ने किस शोध संस्थान की स्थापना की तथा वे शोध-छात्रों के लिए किस प्रकार सहायक बने?

उत्तर– रामन् ने अपने प्रारंभिक शोधकार्यों में अत्यंत कठिनाई का सामना किया था। कलकत्ता के बहू बाज़ार में डॉ. महेंद्रलाल सरकार के अपने संसाधनों से जोड़ी गई प्रयोगशाला के कामचलाऊ उपकरणों से वे अपना शोधकार्य करते थे। अतः शोधकार्य करने वाले विद्यार्थियों की सहायता हेतु उन्होंने बंगलोर में 'रामन् रिसर्च इंस्टीट्यूट' नामक संस्था की स्थापना की।

2. कलकत्ता विश्वविद्यालय में जाकर रामन् की दिनचर्या कैसी थी?

उत्तर– कलकत्ता विश्वविद्यालय में जाकर रामन् अपना संपूर्ण समय अध्ययन, अध्यापन एवं शोधकार्यों में लगाने लगे। उनके लिए सरकारी नौकरी की मोटी तनख्वाह एवं सुख-सुविधाओं से भरपूर नौकरी की अपेक्षा कलकत्ता विश्वविद्यालय में रहते हुए सरस्वती की साधना ज़्यादा महत्त्वपूर्ण थी।

3. भौतिक शास्त्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रामन् ने क्या किया?

उत्तर– भौतिक शास्त्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रामन् ने बंगलोर में 'रामन् रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना की।

4. रामन् के लिए कौन-सा निर्णय कठिन था?

उत्तर– जब प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री सर आशुतोष मुखर्जी ने रामन् के समक्ष प्रस्ताव रखा कि वे सरकारी नौकरी छोड़कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर का पद स्वीकार कर लें। उस ज़माने के हिसाब से उस वक्त के अत्यंत प्रतिष्ठित सरकारी पद पर थे, जिसके साथ मोटी तनख्वाह और उनेक सुविधाएँ जुड़ी थीं। ऐसी हालत में आशुतोष मुखर्जी के एक बार प्रस्ताव रखने पर रामन् ने सरकारी नौकरी छोड़कर कम वेतन और कम सुविधाओं वाली विश्वविद्यालय की नौकरी में आना, यह निर्णय लेना कठिन था।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. सिद्ध कीजिए कि रामन् भारतीय संस्कृति के प्रति आस्थावान थे।

उत्तर– भारतीय संस्कृति से रामन् को गहरा लगाव था। उन्होंने अपनी भारतीय पहचान को सदा-सर्वदा अक्षुण्ण रखा। 'रामन् प्रभाव' की खोज के बाद भी उन्होंने अपने भारतीय पहनावे को नहीं छोड़ा। वे कट्टर शाकाहारी थे और मदिरा से सख्त परहेज़ रखते थे। जब वे नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने स्टॉकहोम गए तो वहाँ आयोजित पार्टी में उन्होंने शराब पीने से इनकार कर दिया। इस पर आयोजक ने परिहास किया कि हमें अल्कोहल पर रामन् का प्रभाव तो दिखाया गया और आनंदित किया गया परंतु रामन् पर अल्कोहल के प्रभाव को देखने के आनंद से क्यों वंचित किया जा रहा है?

2. विज्ञान के क्षेत्र में रामन् की खोज 'रामन् प्रभाव' की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– रामन् की खोज की वज़ह से पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं की आंतरिक संरचना का अध्ययन सहज हो गया। पहले इस काम के लिए 'इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी' का सहारा लिया जाता था। यह मुश्किल तकनीक है और गलतियों की संभावना बहुत अधिक रहती है। रामन् की खोज के बाद पदार्थो की आणविक और परमाणविक संरचना के अध्ययन के लिए रामन् 'स्पेक्ट्रोस्कोपी' का सहारा लिया जाने लगा। यह तकनीक एकवर्णीय प्रकाश के वर्ण में परिवर्तन के आधार पर पदार्थों के अणुओं और परमाणुओं की संरचना की सटीक जानकारी देती है। इस जानकारी के कारण पदार्थों का संश्लेषण करना तथा अनेक उपयोगी पदार्थों का कृत्रिम रूप से निर्माण संभव हो सका।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

शुक्रतारे के समान

स्वामी आनंद (1887–1976)

5

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. शुक्र तारे को किसका साथी माना गया है?

(क) मंगल (ख) सूर्य

(ग) चंद्रमा (घ) सांय काल का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. लेखक ने बिहार और उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों की क्या विशेषता बताई है?

(क) वे अपने साथ सोना बहाकर लाती हैं।

(ख) इनका पानी बहुत स्वादिष्ट होता है।

(ग) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी में सुपारी होती है।

(घ) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी मुलायम व उपजाऊ होती है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. गांधी जी अपने लेख कहाँ लिखा करते थे?

(क) द हिंदू

(ख) ट्रिब्यून

(ग) बॉम्बे क्रॉनिकल

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. सन् 1919 में कौन-सी घटना ने पंजाब में हाहाकार मचा दिया था?

(क) नेताओं की गिरफ़्तारी ने

(ख) आतंकवादी हमलों ने

(ग) जलियाँवाला बाग हत्याकांड ने

(घ) भगत सिंह की फाँसी ने

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. महादेव जी की मृत्यु का एक बड़ा कारण क्या माना जाता है?

(क) ग्यारह मील रोज़ पैदल चलना

(ख) योग करना

(ग) चार घंटे का काम एक घंटे में करना

(घ) कठिन काम करना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. आधुनिक भारत की स्वतंत्रता के उषाकाल में अपनी आभा से देश और दुनिया को मुग्ध करके शुक्रतारे की तरह कौन अस्त हो गए?

(क) महादेव देसाई (ख) शंकर लाल

(ग) उम्मर सोवानी (घ) स्वामी आनंद

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. लाहौर के मुख्य राष्ट्रीय अंग्रेज़ी दैनिक पत्र 'ट्रिब्यून' के संपादक श्री कालीनाथ राय को कितने साल के जेल की सज़ा मिली?

(क) 5 साल की (ख) 10 साल की

(ग) 2 साल की (घ) 3 साल की

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. उन दिनों बंबई के तीन नए नेता थे जो कौन-सी पत्रिका निकालते थे?

(क) यंग इंडिया का एक अंग्रेज़ी साप्ताहिक

(ख) नवजीवन

(ग) क्रानिकल

(घ) ट्रिब्यून

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. तीनों नेताओं ने गांधी जी से क्या विनती की?

(क) 'नवजीवन' में लेख लिखने की

(ख) 'यंग इंडिया' के संपादक बनने की

(ग) 'क्रानिकल' के संपादक बनने की

(घ) 'ट्रिब्यून' के संपादक बनने की

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. नरहरि भाई और महादेव का आपस में क्या संबंध था?

(क) नरहरि भाई महादेव के बड़े भाई थे।

(ख) महादेव उनके दुश्मन थे।

(ग) नरहरि भाई महादेव के जिगरी दोस्त थे।

(घ) नरहरि भाई महादेव के छोटे भाई थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. जब महादेव जी 1917 में गांधी जी के पास पहुँचे तो क्या हुआ?

(i) उनकी गांधी जी से मुलाकात नहीं हो पाई।

(ii) गांधी जी ने उनको तत्काल पहचान लिया।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(iii) उनको अपने उत्तराधिकारी का पद सौंप दिया।

(iv) गांधी जी ने अपने आश्रम का प्रमुख बना दिया।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

12. उन दिनों बंबई के तीन नए नेता कौन थे?

(i) शंकर लाल बैंकर

(ii) हार्नीमैन

(iii) उम्मर सोबानी

(iv) जमनादास द्वारकादास

(क) (i), (ii), (iii) (ख) (ii), (iii), (iv)

(ग) (iii), (iv), (i) (घ) (i), (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. गांधी जी से किस पत्रिका का संपादक बनने की विनती की गई? क्या उन्होंने विनती स्वीकार की?

(i) 'वाम्बे क्रानिकल' का

(ii) 'ट्रिब्यून' का

(iii) 'यंग इंडिया' का

(iv) हाँ, उन्होंने विनती तुरंत स्वीकार कर ली।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. नरहरि भाई महादेव जी के जिगरी दोस्त थे। दोनों ने साथ-साथ क्या-क्या किया था?

(i) एक साथ वकालत की पढ़ाई की।

(ii) अहमदाबाद में साथ-साथ वकालत की शुरुआत की।

(iii) दोनों ने एक-साथ गांधी जी के कार्यों में बढ़-चढ़कर हाथ बँटाया।

(iv) एक ही पत्रिका में लेख लिखा था।

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. मुलाकात के लिए आए लोग जब अपनी सारी बातचीत को टाइप करके गांधी जी के पास 'ओके' करवाने आते थे तो–

(i) भले ही उनमें कुछ गलतियाँ, कमियाँ मिल जाएँ।

(ii) लेकिन महादेव की डायरी में 'कौमा' मात्र की भी भूल नहीं होती।

(iii) महादेव जी उनके लेख को पढ़ते थे।

(iv) उनमें गलतियाँ निकालने पर उसे दुबारा टाइप करवाते थे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

गांधी जी के लिए वे पुत्र से भी अधिक थे। जब सन् 1917 में वे गांधी जी के पास पहुँचे थे, तभी गांधी जी ने उनको तत्काल पहचान लिया और उनको अपने उत्तराधिकारी का पद सौंप दिया। सन् 1919 में जलियाँवाला बाग के हत्याकांड के दिनों में पंजाब जाते हुए गांधी जी को पलवल स्टेशन पर गिरफ़्तार किया गया था। गांधी जी ने उसी समय महादेव भाई को अपना वारिस कहा था। सन् 1929 में महादेव भाई आसेतुहिमाचल, देश के चारों कोनों में, समचे देश के दुलारे बन चुके थे।

1. गांधी जी के लिए पुत्र से अधिक प्रिय कौन थे?

(क) हार्नीमैन

(ख) महादेव देसाई

(ग) कालीनाथ राय

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. 1917 में गांधी जी के पास कौन पहुँचे थे?

(क) कालीनाथ राय

(ख) जमुनादास द्वारकादास

(ग) हार्नीमैन

(घ) महादेव देसाई

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. पलवल स्टेशन पर गिरफ़्तारी के बाद गांधी जी ने अपना वारिस किसे कहा था?

(क) उम्मर सोबानी (ख) महादेव देसाई

(ग) हार्नीमैन (घ) जमुनादास द्वारकादास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. सन् 1919 में पंजाब में कौन-सी घटना घटी?

(क) जलियाँवाला बाग हत्याकांड

(ख) चौरा-चौरी कांड

(ग) असहयोग आंदोलन

(घ) खिलाफ़त आंदोलन

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. **सन् 1929 में कौन समूचे देश के दुलारे बन चुके थे?**

(क) महात्मा गांधी

(ख) महादेव देसाई

(ग) हार्नीमैन

(घ) जमुनादास द्वारकादास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश 2

गांधी जी के पास आने के पहले अपनी विद्यार्थी अवस्था में महादेव ने सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी की थी। नरहरि भाई उनके जिगरी दोस्त थे। दोनों एक साथ वकालत पढ़े थे। दोनों ने अहमदाबाद में वकालत भी साथ-साथ ही शुरू की थी। इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह करना होता है। साहित्य और संस्कार के साथ इसका कोई संबंध नहीं रहता। लेकिन इन दोनों ने तो उसी समय से टैगोर, शरदचंद्र आदि के साहित्य को उलटना-पुलटना शुरू कर दिया था। 'चित्रांगदा' कच-देवयानी की कथा पर टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' शीर्षक नाटिका, 'शरद बाबू की कहानियाँ' आदि अनुवाद उस समय की उनकी साहित्यिक गतिविधियों की देन हैं।

1. **गांधी जी के पास आने से पहले महादेव जी –**

(क) सेना में थे।

(ख) सरकार के अनुवाद विभाग में नौकरी करते थे।

(ग) व्यापारी थे।

(घ) खेती करते थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **महादेव के घनिष्ठ मित्र कौन थे?**

(क) लेखक

(ख) गांधी जी

(ग) संपादक

(घ) नरहरि भाई

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **नरहरि भाई और महादेव ने साथ-साथ किसकी पढ़ाई की?**

(क) हिंदी अनुवाद

(ख) वकालत

(ग) संपादकीय

(घ) स्नातकोत्तर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **वकालत के पेशे में आमतौर पर करना होता है?**

(क) सब कुछ स्याह

(ख) सब कुछ उल्टा-पुल्टा

(ग) सारे कागजात इधर से उधर

(घ) स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): महादेव जी ने सरकार के प्रकाशन विभाग में नौकरी की थी।

कारण (R): उन्होंने आनंद मठ का अनुवाद किया था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. महादेव भाई की लेखन शैली की क्या विशेषता थी?

उत्तर– संस्कार-संपन्न, शिष्ट भाषा, मनोमुग्धकर तरीके से अभिव्यक्त करना ही महादेव भाई की लेखन शैली की विशेषता थी।

2. महादेव भाई कौन थे?

उत्तर– महादेव भाई, गांधी जी के निजी सचिव थे।

3. महादेव भाई पुस्तकें और समाचार-पत्र कब पढ़ा करते थे?

उत्तर– महादेव भाई सभाओं में, कमेटियों की बैठकों में या चलती रेलगाड़ियों के डिब्बों में पढ़ा करते थे।

4. लेखक ने महादेव जी के लिए ऐसा क्यों कहा कि वे शुक्रतारे की तरह ही अस्त हो गए?

उत्तर– लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जिस तरह शुक्रतारा अचानक से चमकता दिखाई देता है, फिर थोड़ी ही देर में दिखना बंद हो जाता है, उसी प्रकार महादेव जी भी संक्षिप्त काल के लिए आए और अपनी प्रतिभा फैलाकर चले गए।

5. महादेव भाई की मृत्यु के बाद गांधी जी भर्तृहरि का कौन-सा भजन दोहराते रहते?

उत्तर– महादेव भाई की मृत्यु गांधी जी के लिए एक घाव के समान था जो दिल में उनके जीते जी बना रहा। वे भर्तृहरि के भजन की यह पंक्ति हमेशा दोहराते रहे– 'ए रे जखम जोगे नहि जशे' – यह घाव कभी योग से भरेगा नहीं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. गांधी जी से कैसे-कैसे लोग मिलने आते थे?

उत्तर– गांधी जी से मिलने बड़े-बड़े देशी-विदेशी राजपुरुष, राजनेता, समाचार-पत्रों के प्रतिनिधि, विभिन्न संगठनों के संचालक, धार्मिक नेता, लेखक आदि आते थे।

2. नरहरि भाई कौन थे? महादेव भाई के जीवन में उनका क्या स्थान था?

उत्तर– नरहरि भाई महादेव भाई के जिगरी दोस्त थे। दोनों एक साथ वकालत पढ़े थे। दोनों ने अहमदाबाद में वकालत भी साथ-साथ ही शुरू की थी। जो काम भी ये करते दोनों साथ ही करते थे। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि महादेव भाई के जीवन में नरहरि भाई का बड़ा महत्त्व था।

3. पत्रकारों और संपादकों को विरोध में लिखने पर अंग्रेज़ सरकार कैसी सज़ा देती थी? सोदाहरण बताएँ।

उत्तर– पत्रकारों और संपादकों को विरोध में लिखने पर अंग्रेज़ सरकार कठोर दंड देती थी। 'ट्रिब्यून' के संपादक श्री कालीनाथ राय को दस साल की जेल की सज़ा मिली। 'क्रानिकल' के अंग्रेज़ संपादक हार्नीमैन को सरकार ने देश-निकाले की सज़ा देकर इंग्लैंड भेज दिया।

4. आशय स्पष्ट कीजिए– 'इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह करना होता था।'

उत्तर– इस पंक्ति का आशय यह है कि वकालत जैसे पेशे में, वकीलों को केस जीतने के लिए सच को झूठ और झूठ को सच साबित करने की कोशिश करनी पड़ती है, भले ही वह नैतिक रूप से सही हो या नहीं।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. महादेव भाई राजनीतिक व्यक्ति न होते हुए भी राजनीतिक जगत् में सबके लाडले कैसे बन गए थे?

उत्तर– महादेव भाई कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वे गांधी जी के सहयोगी थे। उनका अधिकतर समय गांधी जी के साथ देश भ्रमण तथा उनकी प्रतिदिन की गतिविधियों में बीतने लगा। वे समय-समय पर गांधी जी की गतिविधियों पर टीका-टिप्पणी करते रहते थे। महादेव जी जो लिखते थे, वह बड़ा सुंदर व सटीक होता था। वह चाहे साधारण लेख हो या विरोधी समाचार-पत्रों की प्रतिक्रियाओं का जवाब, सभी में उनकी शिष्टाचार भरी शैली होती थी। उनके कॉलम सीधी-सादी भाषा में सुस्पष्ट व उच्च भावों से भरे होते थे। वे विरोधियों की बातों का जवाब उदार हृदय से देते थे। यही कारण था कि वे सबके लाड़ले बन गए।

2. महादेव भाई का समूचा जीवन गांधी जी से किस प्रकार जुड़ा था?

उत्तर– महादेव भाई का समूचा जीवन और उनके सारे काम-काज गांधी जी के साथ एक रूप होकर इस तरह गुँथ गए थे कि गांधी जी से अलग करके उनकी कोई कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उनका संपूर्ण जीवन गांधी जी के सेवक, सचिव और सच्चे अनुयायी के रूप में जुड़ा रहा। वे गांधीवादी विचारों, आदर्शों और कार्यक्रमों के प्रति पूर्णतः समर्पित थे। उन्होंने न केवल गांधी जी की वाणी को शब्दों के रूप में ढाला, बल्कि उनके कार्यों को देश-विदेश तक पहुँचाने का काम किया। काम-काज की अनवरत व्यस्तताओं के बीच इस तरह समय निकालकर लिखी गई दिन-प्रतिदिन की उनकी डायरी की वे अनगिनत अभ्यास पुस्तकें, आज भी मौजूद हैं। उनका जीवन गांधी जी की छाया में बीता।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

स्पर्श–भाग 1
काव्य खंड

6. पद
7. दोहे
8. गीत-अगीत
9. अग्नि पथ
10. • नए इलाके में...
    • खुशबू रचते हैं हाथ...

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पद

रैदास (1388–1518)

6

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. यदि भगवान चंदन हैं तो भक्त क्या हैं?
(क) पानी (ख) मोर
(ग) चकोर (घ) भक्ति

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. कवि ईश्वर की ओर आशा भाव से किस प्रकार देखते हैं?
(क) जैसे मोर बादलों की ओर देखता है।
(ख) जैसे चकोर चाँद की ओर देखता है।
(ग) जैसे पपीहा बादलों की ओर देखता है।
(घ) जैसे किसान बादलों की ओर देखता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. मोती का साथ मिलने से किसकी कीमत बढ़ जाती है?
(क) सुहागे की (ख) व्यक्ति की
(ग) सोने की (घ) धागे की

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. कवि रैदास को किसके नाम की रट लग गई है?
(क) अपने प्रियतमा के (ख) मोक्ष प्राप्त करने की
(ग) चाँद के नाम की (घ) परमात्मा/राम के नाम की

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. ईश्वर यदि दीपक हैं तो भक्त क्या हैं?
(क) घी (ख) अग्नि
(ग) बाती (घ) मिट्टी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. गरीबों के सिर पर छत्र कौन रखवा सकता है?
(क) पूजा (ख) राजा
(ग) ईश्वर (घ) कवि

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. गोविंद का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(क) ईश्वर के लिए (ख) गुरु के लिए
(ग) स्वयं के लिए (घ) अन्य कवियों के लिए

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

8. रैदान ने यहाँ निम्न में से किस कवि का उल्लेख नहीं किया है?
(क) कबीर (ख) बोधा
(ग) नामदेव (घ) धन्ना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. ईश्वर के सिर पर छत्र रखने से आशय है–
(क) मनुष्यों को ज़िम्मेदारी का कार्य सौंपना।
(ख) वास्तव में ईश्वर ही संसार के स्वामी हैं।
(ग) अपने स्थिति को बताना।
(घ) मनुष्य इस धरती का स्वामी है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. कवि के अनुसार उनके प्रभु ने सहज भाव से किन भक्तों को अपनाया है?
(क) उच्चकुलीन भक्तों को
(ख) निम्नकुलीन भक्तों को
(ग) सगुण भक्ति करने वाले भक्तों को
(घ) निर्गुण भक्ति करने वाले भक्तों को

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. कवि को किस नाम की रट लगी है?
(क) कृष्ण नाम की (ख) खाटू श्याम की
(ग) विष्णु नाम की (घ) राम नाम की

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. रैदास का प्रभु के साथ कैसा रिश्ता है?
(क) मालिक और सेवक का (ख) मित्रों जैसा
(ग) प्रिय और प्रियतमा का (घ) दो भाइयों जैसा

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. दूसरे पद में कवि ने समाज में फैली किस बुराई की ओर संकेत दिया है?
(क) छुआछूत (ख) निरक्षरता
(ग) विधवा विवाह (घ) बाल मज़दूरी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. रैदास के पदों में कौन से भाव की भक्ति है?
(क) वात्सल्य (ख) सखा
(ग) श्रृंगार (घ) दास्य

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

15. **अंतिम पंक्ति 'कहि रविदासु...' में रैदास किनको संबोधित करते हैं?**

(क) अपने अनुयायियों को (ख) भक्तों को
(ग) ईश्वर को (घ) संतों को

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

16. **रैदास के अनुसार उनके प्रभु गरीब लोगों पर किस प्रकार की कृपा करते हैं?**

(i) उन्हें धन-धान्य से समृद्ध कर देते हैं।
(ii) उन्हे ऊँची पदवी देते हैं।
(iii) उनके घर आकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।
(iv) उन्हें अधिक शिक्षित बनाते हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (ii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

17. **रैदास ने स्वयं को चकोर क्यों माना है?**

(i) क्योंकि चकोर पक्षी चाँदनी की तरह सफ़ेद होता है।
(ii) क्योंकि चकोर पक्षी अपने प्रिय चाँद को एकटक निहारता रहता है।
(iii) क्योंकि वह चाँद की लालसा में पूरी रात तड़पता रहता है।
(iv) क्योंकि चाँद में चकोर की परछाई दिखाई देती है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

18. **रैदास ने प्रभु की तुलना किस-किस से की है?**

(i) चंदन, मोर (ii) चंदन, बादल
(iii) दीपक, बाती (iv) दीपक, मोती

(क) (i), (iv) (ख) (ii), (iv)
(ग) (ii), (iii) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

19. **दूसरे पद के अनुसार, प्रभु ने किन-किन निम्न कुलीन भक्तों को जगत् में सम्मानीय स्थान दिलाया है?**

(i) नामदेव और कबीर (ii) त्रिलोचन और सधना
(iii) सैनु और चकोर (iv) मीरा और राधा

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

20. **'जाकी छोति जगत् कउ लागै ता पर तुहीं ढ़रै।' इस पंक्ति का आशय है–**

(i) प्रभु की भक्ति से अछूत मनुष्यों का भी कल्याण हो जाता है।
(ii) निम्न जाति के लोग अछूत होते हैं। वे प्रभु की भक्ति नहीं कर सकते हैं।
(iii) निम्न जाति के लोगों की भक्ति को प्रभु स्वीकार नहीं करते हैं।
(iv) प्रभु मनुष्यों के कर्मों को देखते हैं, उसकी जाति को नहीं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै ।।
जाकी छोति जगत् कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।।
नामदेव कबीरू तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै।।

1. **कवि ने निवाजु किसे कहा है?**

(क) भक्तों को (ख) गुरु को
(ग) ईश्वर को (घ) पुजारी को

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **कवि किसका गुणगान कर रहा है?**

(क) संतों का
(ख) भक्तों का
(ग) ईश्वर का
(घ) अछूत का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **अग्रलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि के अनुसार ईश्वर भक्तों पर कृपा बरसाने से पूर्व किसी से भी भयभीत नहीं होता।

कारण (R): ईश्वर किसी की जाति-वर्ण, आर्थिक स्थिति देखे बिना दया करते हैं।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. **'ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै' का अर्थ है–**
   (क) भगवान का रंग लाल है, उसका और कोई रंग नहीं है।
   (ख) भगवान को लाल रंग का चोला पसंद है।
   (ग) भगवान सब कुछ कर सकते हैं, भगवान के बिना कोई कुछ भी नहीं कर सकता।
   (घ) भगवान माँ के लाल हैं और बिना किसी का मन नहीं लगता।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **इस पद्‌यांश का संदेश यह है कि ईश्वर**
   (क) सब पर अपनी कृपा करते हैं।
   (ख) कुछ खास लोगों पर कृपा करते हैं।
   (ग) संतों के ऊपर कृपा करते हैं।
   (घ) किसी पर कृपा नहीं करते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. कवि अपनी किस आदत को नहीं छोड़ पा रहे हैं?

उत्तर– कवि राम नाम रटने की आदत को नहीं छोड़ पा रहे हैं।

2. रैदास स्वयं को क्या मानते हैं?

उत्तर– रैदास स्वयं को दास मानते हैं।

3. ईश्वर अपनी कृपा किस पर बरसाता है?

उत्तर– जो सच्ची भक्ति करे और भयभीत न हो, ईश्वर उस पर अपनी कृपा बरसाता है।

4. कवि ने भक्त की महत्ता देते हुए उसे क्या बताया है?

उत्तर– कवि भक्त की महत्ता प्रतिपादित करते हुए उसे 'सुहागा' की उपमा देते हैं जो स्वर्ण को शुद्‌ध करने का कार्य करता है।

5. कवि का ईश्वर के बारे में क्या कहना है?

उत्तर– कवि क कहना है कि उनका ईश्वर किसी की जाति, वर्ण या आर्थिक स्थिति देखे बिना उस पर दया करता है और इस प्रकार अपने भक्तों पर अपनी कृपा बरसाने से पूर्व वह किसी से भी भयनीत नहीं होता।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कवि ने दूसरे काव्यांश अथवा पद में किन-किन संतों के नाम लिए हैं?

उत्तर– कवि ने नामदेव, कबीर, त्रिलोचन, सधना एवं सैनु जैसे संतों के नाम लिए हैं।

2. ईश्वर के प्रति कवि की भक्ति किस प्रकार की है? उदाहरण देकर बताइए।

उत्तर– कवि ने भगवान को चंदन, बादल, दीपक, मोती, सुहागा आदि के माध्यम से और स्वयं को पानी, मोर, बाती, धागा, सोना आदि के माध्यम से व्यक्त किया है। उन्होंने स्वयं को दास बताकर प्रभु चरणों में अर्पित किया है।

3. इस पाठ में पढ़ी गई कविता की कौन-सी एक पंक्ति आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है और क्यों? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. रैदास की भक्ति 'दास्य भाव' की है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– रैदास की भक्ति दास्य भाव की है। दास्य भक्ति के अंतर्गत भक्त स्वयं को लघु, तुच्छ और दास कहता है तथा प्रभु को दीनदयाल, भक्तवत्सल कहता है। वे स्वयं को पानी और प्रभु को चंदन मानते हैं। वे स्वयं को मोर जैसा तुच्छ और प्रभु को घने वन जैसा विराट मानते हैं। वे प्रभु को गरीब निवाजु, निडर व दयालु कहते हैं। ये सब दास्य भक्ति के भाव हैं। रैदास की भक्ति उनके आकुल मन की पुकार है जो परमात्मा को रिझाने और पाने के लिए है। वे अन्य संतों की भाँति दार्शनिक सिद्‌धांतों के चक्कर में नहीं पड़े। रैदास कहते हैं कि मेरे स्वामी तुम हो और मैं तुम्हारा दास हूँ। मैं रैदास, तुम्हारे चरणों में इसी प्रकार की दास्य भक्ति अर्पित करता हूँ।

2. दोनों पदों में कवि ने ईश्वर को क्या बताया है?

उत्तर– दोनों पदों में कवि ने ईश्वर को अपने भक्तों पर दया करने वाला एवं समस्त मानव जाति को समान दृष्टि से देखने वाला बताया है। वे प्रभु को 'गरीब निवाजु' कहकर यह सिद्‌ध करना चाहते हैं कि ईश्वर उन लोगों पर भी कृपा करते हैं जिनके कारण समाज को छूत लगती है अर्थात् समाज जिसे छूने से भी डरता हैं। ऐसे भक्तों को भी ईश्वर समाज में मान-सम्मान दिलाते हैं क्योंकि ईश्वर की नज़र में समस्त प्राणी एक जैसा है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

दोहे

7

रहीम (1556–1626)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. **रहीम दूसरों से क्या छुपा कर रखने को कहते हैं?**
   (क) दुःख
   (ख) मजाक
   (ग) रहस्य
   (घ) मिठाई

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **फटे दूध से क्या नहीं निकलता है?**
   (क) पनीर
   (ख) जल
   (ग) मक्खन
   (घ) घी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **मनुष्य धन के लिए क्या करता है?**
   (क) अपने सम्मान को महत्त्व देता है।
   (ख) अपना सब कुछ दाँव पर लगा देता है।
   (ग) किसी की बात नहीं सुनता।
   (घ) धन को तुच्छ समझता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **बड़ी चीज़ को देखकर किसी छोटी चीज़ की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, इसका अर्थ है–**
   (क) बड़ी चीज़ काम की होती है।
   (ख) छोटी चीज़ काम की होती है।
   (ग) छोटी और बड़ी चीज़ दोनों का अपना महत्व है।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **लोग समुद्र की बड़ाई क्यों नहीं करते?**
   (क) समुद्र का जल खारा होता है।
   (ख) समुद्र किसी की प्यास नहीं बुझा सकता।
   (ग) समुद्र को पार करना मुश्किल है।
   (घ) समुद्र की लहरें खतरनाक होती हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. **रहीम की नीतिपूरक उक्तियों पर किनकी छाप परिलक्षित होती है?**
   (क) सूफ़ी कवियों की (ख) संत कवियों की
   (ग) संस्कृत कवियों की (घ) आधुनिक कवियों की

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. **रहीम दूसरों से क्या छुपा कर रखने को कहते हैं?**
   (क) धन
   (ख) ज्ञान
   (ग) दुःख
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. **अयोध्या के राजा राम को विपत्ति के समय कहाँ जाना पड़ा?**
   (क) अशोक वाटिका में
   (ख) समुद्र पार
   (ग) दूसरे राज्य में
   (घ) चित्रकूट में

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. **रहीम ने पंक-जल को अच्छा क्यों कहा है?**
   (क) उसमें जल कम है।
   (ख) उसमें धान उत्पन्न होता है।
   (ग) वह कमल को उत्पन्न करता है।
   (घ) वह छोटे-छोटे प्राणियों की प्यास बुझाता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

10. **रहीम के अनुसार किस प्रकार के मनुष्य पशुओं से भी बेकार होते हैं?**
   (क) जो परोपकारी नहीं होते।
   (ख) जो स्वार्थी होते हैं।
   (ग) जो किसी का लिया हुआ धन नहीं लौटाते।
   (घ) जो किसी के द्वारा प्रसन्न किए जाने पर भी उसे कुछ नहीं देते।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

11. **रहीम 'मन की व्यथा' के बारे में क्या कह रहे हैं?**

(i) हमें हमारे मन को व्यथित नहीं करना चाहिए।

(ii) मन की व्यथा को मन में ही रखना चाहिए।

(iii) मन की व्यथा दूसरों को बताने पर लोग हमारा दुःख बाँट लेते हैं।

(iv) मन की व्यथा दूसरों को बताने पर लोग मदद करने की अपेक्षा हमारा मज़ाक उड़ाते हैं।

(क) (i), (iv) (ख) (ii), (iv)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

12. **लाख प्रयत्न करने पर भी क्या-क्या नहीं हो पाता है?**

(i) दही में से माखन नहीं निकल पाता है।

(ii) माखन का घी नहीं बन पाता है।

(iii) फटे हुए दूध में से माखन नहीं निकल पाता है।

(iv) बिगड़ी हुई बात नहीं बन पाती है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. **व्यक्ति को अपने पास संपत्ति क्यों बचाए रखना चाहिए?**

(i) संपत्ति से वह सभी सुख-सुविधाएँ खरीद सकता है।

(ii) संपत्ति उसके बच्चों के काम आती है।

(iii) अपनी संपत्ति ही विपत्ति में काम आती है।

(iv) संपत्ति के अभाव में अपना कहलाने वाले लोग भी काम नहीं आते हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. **'रहिमन पानी राखिए...' इस दोहे में 'पानी' शब्द का प्रयोग किन अर्थों में किया गया है?**

(i) विनम्रता (ii) रंगहीनता

(iii) सूनापन (iv) चमक

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. **रहीम का किन भाषाओं पर समान अधिकार था?**

(i) फ़ारसी (ii) अवधी

(iii) ब्रज (iv) उर्दू

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iii), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि।।
रहिमन निज संपति बिना, कोउ न बिपति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय।।

1. **जहाँ सुई काम आती है वहाँ काम नहीं आ सकती–**

(क) डोरी (ख) रस्सी

(ग) तलवार (घ) धागा

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **'रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजिए डारि' से तात्पर्य है–**

(क) बड़ा हमेशा बड़ा ही रहता है।

(ख) बड़ों को देखकर छोटों को झुक जाना चाहिए।

(ग) छोटी से छोटी चीज़ का भी महत्व होता है।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **किसको सदैव बचाकर रखना चाहिए?**

(क) भोजन को (ख) जल को

(ग) संपत्ति को (घ) बिजली को

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **जल के बिना कमल को कौन नहीं बचा सकता?**

(क) सूर्य (ख) चंद्रमा

(ग) तारे (घ) ध्रुवतारा

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **मनुष्य की विपत्ति में कौन उसका सहायक होता है?**

(क) उसकी संतान

(ख) उसके माता-पिता

(ग) उसकी संपत्ति

(घ) उसके रिश्तेदार

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

पद्यांश 2

नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।
ते रहीम पशु से अधिक, रीझेहु कछू न देत।।
बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

1. **हिरन किससे प्रसन्न होकर अपना शरीर न्योछावर कर देता है?**

(क) संगीत (ख) इंसान

(ग) मोर (घ) इंसान की आवाज़ से

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **कौन-सा मनुष्य पशु से भी बदतर है?**

(क) जो मनुष्य कला का आनंद उठाकर सारा धन न्योछावर कर देता हैं।

(ख) जो कला का आनंद उठाना नहीं जानता।

(ग) जो कला का आनंद उठाकर भी बदले में कुछ नहीं देता।

(घ) जो मनुष्य पशु को खाना नहीं खिलाता।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A)ः आपसी व्यवहार में अप्रिय स्थिति से बचना चाहिए।

कारण (R)ः बात बिगड़ जाने पर फिर वापस बात नहीं बन पाती।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **कौन-सी बात लाख कोशिश करने पर भी नहीं बनती?**

(क) सच्ची

(ख) झूठी

(ग) बिगड़ी

(घ) छल कपट से युक्त

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **फटे दूध को बार-बार मथने पर क्या नहीं होता?**

(क) मक्खन नहीं बनता।

(ख) दूध बनता है।

(ग) लस्सी बनती है।

(घ) दही बन जाता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. रहीम ने प्रेम-संबंध को किस प्रकार तोड़ने का निषेध किया है?

उत्तर– प्रेम-संबंध को चटकाकर (झटका देकर) तोड़ने का निषेध किया गया है।

2. रहीम ने सभी कार्यों को संपन्न करने का क्या मार्ग बताया है?

उत्तर– रहीम के अनुसार एक समय में एक लक्ष्य को साधने से सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं।

3. 'बिगरी बात बनै नहीं, ... मथे न माखन होय।' रहीम ने इस दोहे के माध्यम से क्या कहने का प्रयत्न किया है?

उत्तर– रहीम ने इस दोहे के माध्यम से हमें यह बताने का प्रयास किया है कि हमें असावधानी में या गलती से भी किसी बात को बिगाड़ने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। अगर एक बार कोई बात बिगड़ जाए तो फिर वह बन नहीं पाती।

4. 'रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूले फलै अघाय।' इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

उत्तर– रहीम जी कहते हैं कि पेड़ के जड़ को ही सींचकर हम उसमें फूल और फल प्राप्त कर सकते है। जड़ में पानी देकर पूरा पेड़ लहलहा उठता है। उसी प्रकार अगर मनुष्य भी अपने कार्य को करने में अपनी समस्त ऊर्जा लगा दे तो वो कार्य अवश्य सफल होगा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. रहीम ने छोटे अथवा समाज के साधन विहीन वर्ग से आने वाले लोगों का महत्व कैसे बताया है?

उत्तर– रहीम ने समाज के निम्न वर्ग से आने वाले लोगों के महत्त्व को 'जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि' कहकर स्पष्ट किया है।

2. आशय स्पष्ट कीजिए– 'बिन पानी सब सून।'

उत्तर– रहीम के अनुसार पानी हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है। उसे संचित करके रखना चाहिए।

3. रहीम ने किस उदाहरण द्वारा समझाया है कि बिगड़ी बात नहीं बन सकती?

उत्तर– रहीम जी उदाहरण द्वारा समझाते हैं कि फटे हुए दूध को कितना भी मथा जाए, परंतु उसमें से मक्खन नहीं निकाल सकते। ठीक वैसे ही बिगड़ी बात नहीं बनती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. रहीम के दोहों के आधार पर बताइए कि आपसी संबंधों को किस प्रकार बचाया जा सकता है और इनका क्या महत्त्व है?

उत्तर– कवि ने प्रेम संबंधों को कभी न तोड़ने की सीख दी है। प्रेम का धागा संबंधों को जोड़ता है। प्रेम रूपी धागे को झटके से नहीं तोड़ना चाहिए। यदि वह टूट जाता है तो फिर नहीं जुड़ता और अगर जुड़ता भी है तो गाँठ पड़ जाती है अर्थात् प्रेम संबंध एक बार बन जाते हैं तो उन्हें यत्नपूर्वक बनाए रखना चाहिए। प्रेम संबंधों के टूट जाने पर उनमें पहले जैसा स्नेह नहीं रहता। उनमें खिंचाव बना रहता है। शक बना रहता है। पहले जैसा प्रेम नहीं हो पाता। कितनी भी कीमत देकर प्रेम को बचाने का प्रयास करो, किंतु सफलता नहीं मिलती।

2. 'दीरघ दोहा अरथ की .... सिमिटि कूदी चढ़ि जाहि।' इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

उत्तर– इस दोहे में रहीम दोहा छंद की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि छंद में अक्षर तो बहुत कम होते हैं परंतु उन शब्दों के अर्थ बड़े और गंभीर होते हैं। जिस प्रकार नट छोटे से आकार की कुंडली में से निकलने हेतु अपने शरीर को समेटकर छोटा कर लेता है और उसमें से निकल जाता है, उसी प्रकार कम शब्दों में भी गंभीरता की अभिव्यंजना होती है। दोहा वास्तव में कम शब्दों से युक्त होते हुए भी गहरे अर्थ देती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

गीत-अगीत

8

रामधारी सिंह 'दिनकर' (1908–1974)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. नदी तट से क्या कहना चाहती है?

(क) प्रेम निवेदन (ख) मन की व्यथा

(ग) पर्वतों की शिकायत (घ) जंगलों की उलाहना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. किसके स्वर से पूरा वन मुखरित हो रहा है?

(क) तोते के स्वर से (ख) कोयल के स्वर से

(ग) आल्हा के गान से (घ) प्रेमी के गीत से

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. शुक कब गाता है?

(क) चंद्रमा की रोशनी में (ख) तारों की टिमटिमाहट में

(ग) रात के अंधेरे में (घ) सूर्य के प्रकाश में

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. प्रेमी सांझ के समय क्या गाता है?

(क) भक्ति गीत (ख) देशभक्ति गीत

(ग) आल्हा (घ) विरह गीत

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. 'गीत-अगीत' कविता में कवि के मन में क्या अंतर्द्वंद्व चलता है?

(क) प्रेमी का गीत श्रेष्ठ है या प्रेमिका का

(ख) प्रकृति का गीत श्रेष्ठ है या शुकी का

(ग) उसके द्वारा गाया गीत सुंदर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुंदर है

(घ) नदी दुःखी क्यों है?

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. नदी तट से क्या कहती है?

(क) पर्वतों की शिकायत (ख) सागर की शिकायत

(ग) अपने मन की व्यथा (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. नदी किनारे की बातों को कौन सुन रहा था?

(क) शुक-शुकी (ख) कवि

(ग) प्रेमी-प्रेमिका (घ) गुलाब

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. शुक कब गाता है?

(क) चंद्रमा की रोशनी में (ख) तारों की छाँव में

(ग) सूर्य के प्रकाश में (घ) रात के अँधेरे में

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

9. प्रेमी क्या गा रहा था?

(क) राग भैरवी

(ख) राग दीपक

(ग) आल्हा

(घ) मल्हार

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. प्रेमिका अपने प्रेमी का गाना किस तरह सुन रही है?

(क) पेड़ के नीचे बैठ कर

(ख) चोरी से छिप-छिप कर

(ग) नदी किनारे घूम-घूम कर

(घ) प्रकृति को निहारते हुए

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. कविता के प्रथम छंद में किसका चित्रण है?

(i) शुक-शुकी के प्रेम का

(ii) नदी-किनारे की बातों का

(iii) गुलाब की मन की व्यथा का

(iv) प्रेमी-प्रेमिका के प्रेम का

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. **संध्या के समय जब प्रेमी गीत गाता है तब प्रेमिका–**
(i) उसके लिए सुंदर-सुंदर फूल लाती है।
(ii) उसकी ओर खिंची चली आती है।
(iii) दौड़कर उसके साथ गाने लगती है।
(iv) चोरी से छिप-छिप कर उसका गाना सुनती है।
(क) (i), (ii) (ख) (iii), (ii)
(ग) (iv), (ii) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. **इस कविता में नदी और गुलाब क्या कर रहे हैं?**
(i) नदी अपने मन की व्यथा गुलाब को सुना रही है।
(ii) गुलाब मौन खड़ा है।
(iii) गुलाब अपने पतझड़ के सपने नदी को सुना रहा है।
(iv) नदी अपनी व्यथा अपने किनारों को सुना रही है।
(क) (i), (ii)
(ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)
(घ) (iv), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. **कवि ने 'अगीत' को 'गीत' के समान महत्त्व दिया है क्योंकि–**
(i) 'अगीत' गीत से पहले गाया जाता है।
(ii) प्रेम की मौन अभिव्यक्ति किसी गीत से कम नहीं होती।
(iii) 'अगीत' के बिना 'गीत' का कोई महत्त्व नहीं है।
(iv) हृदय में उमड़ने वाली भावनाएँ गीत के समान ही सुंदर होती है।
(क) (i), (ii)
(ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)
(घ) (iv), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. **'गीत-अगीत' कविता में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ और किसका चित्रण है?**
(i) जीव-जंतुओं के ममत्व का
(ii) मानवीय राग और प्रेमभाव का
(iii) विधाता की कठोरता का
(iv) अभागी प्रेमिका का
(क) (i), (ii)
(ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)
(घ) (iv), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे हैं सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते सनेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में,
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

1. **घनी डाल पर कौन बैठा है?**
(क) कोयल (ख) शुक
(ग) मैना (घ) चिड़िया

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **डाल किसको छाया देती है?**
(क) मुसाफिरों को (ख) प्रेमी-प्रेमिका को
(ग) तोते के घोंसले को (घ) पक्षियों को

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।**
अभिकथन (A): कवि के अनुसार शुक का प्रेम मौन अभिव्यक्ति को दर्शाता है।
कारण (R): शुकी का प्रेम उसकी मुखर अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करता है।
(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. जब सूर्य की किरणें पत्तों से छनकर आती हैं वह तोते का स्पर्श करती है तो–

(क) तोता गाने लगता है।

(ख) तोता डालियों के बीच छुप जाता है।

(ग) तोता सो जाता है।

(घ) तोती के साथ मिलकर गाता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. शुकी किसके स्वर को सुनकर बहुत खुश हो रही है?

(क) प्रेमी के (ख) शुक के

(ग) अपने बच्चों के (घ) कोयल के

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. 'अगीत' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– ऐसे भाव जिनकी अभिव्यक्ति नहीं की गई, वे अगीत कहलाते हैं।

2. 'उपल' शब्द का अर्थ बताएँ।

उत्तर– उपल का अर्थ है– पत्थर, किनारा।

3. नदी के किनारे पर एक गुलाब के पौधे का क्या सोचना है?

उत्तर– गुलाब यह सोचता है कि यदि विधाता ने उसे भी स्वर दिया होता तो वह भी अपने पतझड़ के सपनों का गीत जग को सुना पाता। पतझड़ में गुलाब के सभी पत्ते झड़ जाते हैं और वह अकेला रह जाता है।

4. शुक और शुकी के बारे में कवि ने कौन-सा दृश्य प्रस्तुत किया है?

उत्तर– कवि ने एक ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया है जिसमें पेड़ की ऊँची डाल पर बैठा शुक धूप सेंकते हुए गीत गा रहा है। दूसरी ओर उसी डाल के नीचे एक अन्य डाल की कोटर में शुकी बैठी अंडे से रही है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. गुलाब अपने कौन से सपनों के दुःखों को सुनाना चाहता है?

उत्तर– पतझड़ के मौसम में गुलाब के सभी पत्ते झड़ जाते हैं और फूल अकेला रह जाता है। अपने उस अकेलेपन के दुःख, अपने मित्रों से बिछुड़ने के दुःख को गुलाब, संपूर्ण जगत् को सुनाना चाहता है।

2. नदी किस प्रकार बहती हुई जाती है और कहाँ?

उत्तर– पर्वतीय क्षेत्र में पहाड़ से नीचे उतरकर तेज़ वेग से बहती नदी अपने हृदय की पीड़ा कम करने के लिए निरंतर विरह के गीत गा रही है तथा समुद्र की ओर बढ़ रही है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. शुकी एवं प्रेमिका के भावों को कवि ने 'अगीत' क्यों कहा है?

उत्तर– शुक अपने आनंद को, अपने प्रेम को, अपने गीत के माध्यम से व्यक्त करता है और उसका स्वर संपूर्ण वन में गूँज रहा है। दूसरी ओर शुकी, खोंते (कोटर) में अपने पंख फुलाकर अंडे सेती है। वह भी अपनी संतान के आने के आनंद को अनुभव करती है, शुकी भी प्रसन्न है परंतु वह शुक की भाँति गा नहीं सकती क्योंकि वह अपने अंडों को सेने की ज़िम्मेदारी निभा रही है। दूसरी ओर 'आल्हा' के स्वर सुनते ही प्रेमिका (राधा) घर से खिंची चली आती है परंतु प्रेमी के समीप जाने का साहस नहीं जुटा पाती और नीम के नीचे खड़ी होकर गीत सुनती है। उसके मन में यही विचार है कि विधाता ने यदि उसे गीत की कड़ी बनाया होता तो वह भी प्रेमी के हृदय में बस जाती। वह अपने भावों को हृदय में ही रखती है।

2. कवि ने अपने छंद में एक प्रेमी और प्रेमिका के भाव का कैसा दृश्य प्रस्तुत किया है?

उत्तर– कवि ने अपने छंद में एक प्रेमी और प्रेमिका के भावों को अलग-अलग तरीके से प्रस्तुत किया है। प्रेमी साँझ के समय आल्हा गाता है। अपने प्रेमी का स्वर सुनते ही प्रेमिका घर से निकल प्रेमी की ओर खिंची चली आती है। प्रेमी का स्वर सुनने के बाद प्रेमिका के लिए घर में रुक पाना संभव नहीं हैं परंतु गाँव वालों के डर से वह एक नीम के वृक्ष की छाया में छिपकर ही गीत-सुनती है और मन में सोचती है कि उसे विधाता ने गीत की कड़ी क्यों नहीं बनाया। यहाँ प्रेमी का भाव व्यक्त और प्रेमिका का भाव अव्यक्त दिखाया गया है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अग्नि पथ

हरिवंशराय बच्चन (1907–2003)

9

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. कवि क्या माँगने के लिए मना कर रहा है?
(क) प्यार की छाया (ख) पत्रों की छाया
(ग) आशीर्वाद की छाया (घ) सहायता रूपी छाया

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. छाया माँगने से तात्पर्य है–
(क) वृक्ष की छाया में बैठना
(ख) छाया से मदद माँगना
(ग) सुख-सुविधा चाहना
(घ) अपना प्रतिबिंब देखना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. 'अग्नि पथ' कविता ने मनुष्य को लक्ष्य पाने के लिए क्या प्रेरणा दी है?
(क) सुख-सुविधा जुटाना
(ख) अथक परिश्रम
(ग) कठिनाई देखकर राह बदल लेना
(घ) काम से जी चुराना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. इस कविता के द्वारा कवि किसे प्रेरणा दे रहा है?
(क) डरे हुए मनुष्य को
(ख) घायल मनुष्य को
(ग) कामचोर व्यक्ति को
(घ) जीवन की राह में बढ़ते परिश्रमी व्यक्ति को

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. 'पथ' का पर्यायवाची है–
(क) चाह
(ख) छाँह
(ग) माँग
(घ) मार्ग

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. 'वृक्ष हों भले खड़े, हों घने, हों बड़े' इन पंक्तियों में 'वृक्ष' शब्द का अर्थ है–
(क) आलसी व्यक्ति
(ख) कठिन परिश्रम करने वाला व्यक्ति
(ग) पेड़ की तरह मजबूत व्यक्ति
(घ) मदद करने में समर्थ व्यक्ति

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

7. कवि कौन-सी छाया माँगने के लिए मना कर रहे हैं?
(क) जीवन में दुःख की छाया
(ख) जीवन में सुख की छाया
(ग) पेड़ के पत्तों की छाया
(घ) सहायता रूपी छाया

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. कवि के अनुसार लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए क्या आवश्यक है?
(क) पर्याप्त साधन (ख) पर्याप्त धन
(ग) अथक परिश्रम (घ) अथक प्रयास वाले मित्र

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

9. 'स्वेद' का अर्थ है–
(क) श्वेत रंग (ख) पसीना
(ग) स्वादिष्ट भोजन (घ) स्वादरहित भोजन

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. 'अग्नि पथ' कविता किसके द्वारा लिखी गई है?
(क) जयशंकर प्रसाद
(ख) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(ग) हरिवंशराय 'बच्चन'
(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. कवि के अनुसार, लक्ष्य प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक है?
(i) अथक परिश्रम
(ii) बड़ों का आशीर्वाद
(iii) पर्याप्त साधन
(iv) दृढ़ संकल्प

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. कवि के अनुसार कौन से व्यक्ति अंत में अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकते हैं?

(i) जो आर्थिक रूप से संपन्न होते हैं।
(ii) जिनके मित्र कठिन समय में भी उनका साथ नहीं छोड़ते हैं।
(iii) जो विषम परिस्थितियों में हार नहीं मानते हैं।
(iv) जो हमेशा अथक प्रयास करते हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. कवि मनुष्य को कैसा बनने की प्रेरणा दे रहे हैं?

(i) स्वाभिमानी और सफल
(ii) संघर्षशील और परिश्रमी
(iii) समाज में प्रतिष्ठित
(iv) दृढ़ संकल्प और अथक प्रयास करने वाला

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. इस कविता में कवि ने मनुष्य से क्या आग्रह किया है?

(i) कभी निरुत्साहित न होने का
(ii) संघर्षशील रहने का
(iii) ईमानदारीपूर्ण जीवन का
(iv) परोपकार करते रहने का

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. 'अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ' का अर्थ है–

(i) रोता हुआ व्यक्ति
(ii) रोता हुआ घायल व्यक्ति
(iii) संकटों से घिरा हुआ व्यक्ति
(iv) विषम परिस्थितियों में संघर्ष करता हुआ व्यक्ति

(क) (i), (ii)
(ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)
(घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्याशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

तू न थकेगा कभी।
तू न थमेगा कभी।
तू न मुड़ेगा कभी।
कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

1. प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं?

(क) पुष्प की अभिभाषा
(ख) दोहे
(ग) अग्नि पथ
(घ) गीत-अगीत

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. कवि किस विषय में न थकने और न थमने के लिए मना कर रहा है?

(क) प्रतिज्ञा करने के लिए
(ख) अग्नि पथ पर जाने से
(ग) जीवन की कठिनाइयों और चुनौतियों से
(घ) सुख-सुविधा पाने के लिए

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान पूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।

अभिकथन (A)ः कवि के अनुसार हमारा जीवन कर्म पथ है।
कारण (R)ः कर्म पथ अग्नि पथ से ज्यादा कठिन होता है।

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. 'अग्नि पथ' का प्रतीकार्थ है–

(क) जीवन में थकान का अनुभव न करना
(ख) संघर्ष भरे इसी जीवन को अग्निपथ कहा गया है
(ग) जीवन में आराम पाने के लिए आरामदायी वस्तुओं का भोग
(घ) दुःख और कठिनाइयों के मार्ग को जीवन में अनदेखा करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. **'तू न थकेगा कभी' से कवि का तात्पर्य है–**
   (क) रास्ते में सदैव चलते रहना, बैठना नहीं
   (ख) जीवन में कठिनाइयाँ आने पर हार नहीं मानना
   (ग) सफलता के मार्ग पर थकना नहीं है
   (घ) कोई भी कार्य न करने से थकान न होना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. कवि ने अपने उद्‌देश्य को स्पष्ट करने हेतु क्या शैली अपनाई है?

उत्तर– कवि ने अपने उद्‌देश्य को स्पष्ट करने हेतु प्रतीकों का प्रयोग किया है।

2. 'अग्नि पथ' कविता के द्‌वारा बच्चन जी का क्या अभीष्ट है?

उत्तर– कवि सुखों को त्यागकर जीवन की चुनौतियों को स्वीकारने तथा संघर्षों के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

3. कवि ने जीवन-पथ पर अग्रसर मनुष्य को किस बात से सावधान किया है?

उत्तर– कवि ने मनुष्य को सावधान करने हुए कहा है कि जीवन-पथ संघर्षों का पथ है। इस पथ पर कभी सुखों की आशा नहीं रखनी चाहिए क्योंकि इस प्रकार की आशाएँ जब पूर्ण नहीं होती तो दुःख पहुँचाती है।

4. कवि को मनुष्य की कैसी अवस्था उसकी महानता का परिचायक लगती है?

उत्तर– जो अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं का डटकर सामना करते हैं और इस प्रक्रिया में अश्रु, स्वेद एवं रक्त से लथपथ हो जाते हैं। ऐसी अवस्था कवि को मनुष्यों की महानता का परिचायक लगती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कवि ने 'न थमने', 'न थकने' एवं 'न रुकने' की शपथ क्यों दिलवाई है?

उत्तर– कवि जानते हैं कि लगातार संघर्ष करते रहने वाला व्यक्ति भी कभी-कभी आपदाओं एवं मुसीबतों से डरकर हार मान लेता है। इसलिए कवि 'न थमने', 'न थकने' एवं 'न रुकने' की शपथ दिलाता है।

2. क्या जीवन रूपी 'अग्नि पथ' में सहायता रूप में मिलने वाले वृक्ष भी हमारे मार्ग की बाधा बन सकते हैं?

उत्तर– अगर हम दूसरों से मिलने वाली सहायता पर निर्भर रहेंगे तो हमारी संघर्ष करने की क्षमता कमज़ोर पड़ जाएगी। इसलिए कवि किसी भी प्रकार की मदद की उम्मीद नहीं रखते।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. 'अग्नि पथ' कविता का सार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– कवि हरिवंशराय बच्चन द्‌वारा रचित 'अग्नि पथ' कविता के माध्यम से कवि ने अपने जीवन के सत्य को अभिव्यक्त करने का प्रयास किया है। कवि का जीवन प्रारंभ से लेकर अंत तक परेशानियों, निराशा, हताशा और सांसारिक तथा परिवारिक उलझनों से घिरा रहा। उन्होंने कभी पीछे मुड़कर किसी की सहायता नहीं ली। उन्होंने कभी न रुकने, न थकने की प्रेरणा लोगों को दी। उन्होंने कहा है कि हमें चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए और अपने पुरुषार्थ पर भरोसा करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। इस मार्ग पर चलते समय आँसू-पसीना बहाकर तथा खून से लथपथ होकर भी हमें निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति संघर्ष से पीछे नहीं हटता वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

2. कवि जीवन-पथ के यात्री से किस बात की शपथ लेने का आग्रह करते हैं?

उत्तर– कवि कहते हैं कि जीवन रूपी अग्निपथ के पग-पग पर अनेक मुसीबतों, बाधाओं एवं विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसकी चेतावनी देने के साथ ही साथ कवि उस जीवन-पथ के यात्री को कभी भी थकने, थमने और मुड़ने के विचार को त्याग देने और ऐसा न करने की शपथ लेने का आग्रह करते हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

1. नए इलाके में 2. खुशबू रचते हैं हाथ

10

अरुण कमल (1954)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. पुराने निशान धोखा देते हैं क्योंकि–

(क) लोग उन निशानों को मिटा देते हैं।

(ख) लेखक को याद नहीं रहता।

(ग) लोग उस जगह पर नए मकान बना लेते हैं।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. नए इलाके में जाने पर कवि क्या भूल जाता है?

(क) सामान

(ख) रास्ता

(ग) किसके घर जाना है उसका नाम

(घ) फोन करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. कवि अकसर कहाँ रास्ता भूल जाता है?

(क) कार्यालय जाते समय

(ख) मित्र के घर जाते समय

(ग) नए बसते इलाकों में

(घ) बाज़ार जाते समय

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. 'बसंत का गया पतझड़ और बैसाख का गया भादो को लौटा' से कवि का क्या आशय है?

(क) वह बहुत समय बाद उस जगह आया है।

(ख) नया महीना आ गया है।

(ग) कवि को पतझड़ का मौसम पसंद नहीं है।

(घ) कवि ऋतु परिवर्तन का वर्णन करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. अंत में कवि आशा करता है–

(क) समय बदल जाएगा।

(ख) नए निर्माण बंद हो जाएँगे।

(ग) उसे पुरानी निशानी से घर मिल जाएगा।

(घ) उसका परिचित उसे स्वयं ही बुला लेगा।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. समाज को सुंदर बनाने वाले लोग अकसर कैसी जगहों में रहते हैं?

(क) अच्छी जगहों में

(ख) आलीशान बंगलों में

(ग) गंदी जगहों में

(घ) शहर के बीच में

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का भाव है–

(क) मेंहदी लगे हाथ सुंदर होते हैं।

(ख) मेंहदी लगाने वालों की दयनीय दशा के बारे में बताना।

(ग) समाज के निम्न परंतु मेहनती वर्ग की दयनीय दशा को उजागर करना।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के माध्यम से कवि समाज के किस विडंबना की ओर संकेत करता है?

(क) समाज में ऊँच-नीच की भेद को

(ख) समाज धर्म के आधार पर बँटा हुआ है।

(ग) समाज जाति के आधार पर बँटा हुआ है।

(घ) अगरबत्ती बनाकर खुशबू फैलाने वाले लोग बदबूदार इलाके में रहने के लिए विवश हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के कवि कौन हैं?

(क) जयशंकर प्रसाद

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ग) अरुण कमल

(घ) सियारामशरण गुप्त

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. अगरबत्तियाँ बनाने वाले लोग अच्छे घरों में क्यों नहीं रह पाते?

(क) क्योंकि उन्हें ऐसे ही रहने की आदत होती है।

(ख) क्योंकि वह अच्छे घरों में रहना नहीं चाहते।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) क्योंकि उनके पास धन की कमी है।

(घ) अपने धन को खर्च करना नहीं चाहते।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. कवि को कहाँ से बाएँ मुड़ना था?

(क) पीपल के पेड़ से

(ख) ढहे हुए घर से

(ग) ज़मीन के खाली टुकड़े से

(घ) बिना रंग वाले लोहे के फाटक से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. 'वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ' का अभिप्राय है–

(क) कवि वसंत के मौसम में यहाँ से गया था।

(ख) कवि पतझड़ के मौसम में वापिस लौटा है।

(ग) कुछ ही समय में अद्भुत परिवर्तन हो गया है।

(घ) कवि अक्टूबर में महीने में यहाँ आया है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. कविता के अनुसार, अगरबत्तियाँ बनाकर खुशबू फैलाने वाले लोग कहाँ रहते हैं?

(क) वृद्धाश्रमों में (ख) अनाथालयों में

(ग) गंदे इलाकों में (घ) सड़कों के किनारे

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. खुशबूदार हाथों की तुलना की गई है–

(क) गुलाब की महक से

(ख) जूही की डाल से

(ग) फूलों की पंखुड़ियों से

(घ) पीपल के पत्तों से

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. कविता में खुशबू रचने वाले हाथ किसके हैं?

(क) मेंहदी लगाने वालों के

(ख) अगरबत्ती बनाने वालों के

(ग) इत्र बनाने वालों के

(घ) गुलदस्ते बनाने वालों के

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

16. पुराने निशान धोखा क्यों दे जाते हैं?

(i) जगह-जगह नए-नए निर्माण हो जाते हैं।

(ii) नए निर्माण के कारण पुरानी निशानियाँ खत्म हो जाती हैं।

(iii) पुराने निशान याद नहीं रहते हैं।

(iv) पुराने निशान ढूँढ़ने में बहुत समय लग जाता है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

17. 'पुरानी पड़ जाती है दुनिया' से कवि का आशय है–

(i) लोग नई-नई चीज़ों की तरफ़ दौड़ रहे हैं।

(ii) दुनिया में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं।

(iii) समय बहुत तीव्र गति से परिवर्तनशील है।

(iv) लोग कवि और कविताओं को भूल रहे हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

18. प्रस्तुत कविता में 'खुशबू रचने वाले हाथ' कहाँ रहते हैं?

(i) तंग गलियों में

(ii) बदबूदार स्थानों में

(iii) मेंहदी के कारखानों में

(iv) मंदिरों में

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

19. कविता में गंदे इलाकों के गंदे लोग कौन-कौन सी खुशबू वाली अगरबत्तियाँ बनाते हैं?

(i) खस की (ii) जूही की

(iii) चमेली की (iv) केवड़ा की

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

20. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का मूल भाव क्या है?

(i) गरीब मजदूरों की दयनीय दशा की ओर ध्यान आकर्षित करना।

(ii) पूजा में अगरबत्तियों के प्रयोग पर पाबंदी लगाना।

(iii) अगरबत्तियाँ बनाने के लिए उचित स्थानों की व्यवस्था करना।

(iv) समाज के निम्न परंतु मेहनती वर्ग के उद्धार के प्रति चेतना जागृत करना।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है
रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती हैं दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाज़ा खटखटाओ
और पूछो— क्या यही है वो घर?
समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

1. कवि के अनुसार अब किसका भरोसा नहीं किया जा सकता?
(क) नए रास्तों का (ख) पुराने रास्तों का
(ग) नई यादों का (घ) अपनी स्मृति का

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. 'जैसे बसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ' से कवि का आशय है–
(क) ऋतु परिवर्तन
(ख) खुशी का दुःख में बदल जाना
(ग) दुःख के समय का खुशी में बदल जाना
(घ) समय की परिवर्तनशीलता

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. कवि के अनुसार दुनिया एक दिन में ही पुरानी पड़ जाती है क्योंकि–
(क) जो बीत गई सो बात गई।
(ख) रोज़ नए परिवर्तन हो रहे हैं।
(ग) बीते दिन पुराना हो जाता है।
(घ) बीता दिन फिर लौटकर नहीं आता।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. हर दरवाज़े पर खटखटाकर कवि क्या पूछना चाहता है?
(क) क्या वह उसी शहर में है?
(ख) क्या यहाँ हमेशा बरसात होती है?
(ग) क्या वह यही मकान है?
(घ) क्या वह उसे पहचानते हैं?

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. 'समय बहुत कम है तुम्हारे पास' से कवि का तात्पर्य है–
(क) जीवन-अवधि कम है और काम अधिक।
(ख) कम समय में अधिक काम निपटाना है।
(ग) मकान जल्दी बनाना है समय कम है।
(घ) बनते-बिगड़ते स्वरूप के बीच जीवन तीव्र गति से बहता चला जा रहा है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश 2

यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू
रचते रहते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

1. अगरबत्ती का कारखाना अकसर कहाँ होता है?
(क) किसी तंग गली में
(ख) नालों के पार
(ग) बदबूदार कूड़े के ढेर के पास
(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. देश की मशहूर अगरबत्तियाँ कहाँ बनती हैं?
(क) सामुदायिक केंद्र में
(ख) शहर के बीच में
(ग) गंदे मोहल्ले की गंदी गलियों में
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक विकल्प चुनकर लिखिए।

अभिकथन (A): कवि के अनुसार समाज में किसी तरह की विषमता नहीं बची है।

कारण (R): जिस गली में अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ समाज के धनाढ्य वर्ग के लोग बसते हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. 'उभरी नसों वाले हाथ' से किनकी ओर संकेत है?

(क) युवकों की ओर

(ख) बच्चों की ओर

(ग) वृद्ध व्यक्ति की ओर

(घ) महिलाओं की ओर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. 'खुशबू रचने से' अभिप्राय है–

(क) इत्र का उपयोग करना

(ख) समाज में सौंदर्य की सृष्टि करना

(ग) गुलाब से घर महकाना

(घ) अपने जीवन को सुख-सुविधापूर्ण बनाना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. कवि ने इस दुनिया की क्या विशेषता बताई है?

उत्तर– कवि कहते हैं कि यह दुनिया एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है।

2. कवि अब किस अंतिम उपाय का सहारा खोज रहे हैं?

उत्तर– कवि अंत में सोच रहे हैं कि कोई उन्हें पहचानकर पुकार ले।

3. कवि ने पीपल के पत्ते जैसे हाथ किनको कहा है?

उत्तर– कवि ने बच्चों के नए-नए हाथों को पीपल के पत्ते जैसे कहा है।

4. 'खुशबू रचने वाले हाथ' कौन-सी अगरबत्तियाँ बनाते हैं?

उत्तर– 'खुशबू रचने वाले हाथ' केवड़ा, गुलाब, खस और रातरानी अगरबत्तियाँ बनाते हैं।

5. कवि अपने किस असहाय स्थिति का वर्णन कर रहे हैं?

उत्तर– कवि जब एक बस्ती में गए, वहाँ उन्होंने अपने किसी परिचित का घर खोजा, पर अपने पुराने चिह्नों के बदल दिए जाने या नष्ट किए जाने पर उस घर को खोज नहीं पाए। इसी असहाय स्थिति का कवि ने वर्णन किया है।

6. 'खुशबू रचते हैं हाथ' में कवि ने समाज के किन वर्गों के जीवन का वर्णन किया है?

उत्तर– 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में कवि ने समाज के निम्न आय वर्ग के मज़दूरों, कामगारों आदि के अभावग्रस्त जीवन का वर्णन किया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कवि ने 'ढहा आ रहा अकास' कहकर किस ओर संकेत किया है?

उत्तर– कवि ने संकेत दिया है कि आकाश सिर पर गिरा चला आ रहा है। शायद कोई पहचाना हुआ पुकार ले तथा नए इलाके में वह पुरानी पहचान प्राप्त कर ले।

2. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के द्वारा कवि ने समाज की किस समस्या की ओर संकेत किया है?

उत्तर– कवि ने इस कविता के द्वारा सामाजिक विषमताओं की ओर संकेत किया है। उन्होंने खुशबूदार अगरबत्तियाँ बनाने वाले लोगों की नरक जैसी ज़िंदगी का वर्णन किया है।

3. 'पीपल के पत्ते जैसे नए-नए हाथ' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर– 'पीपल के पत्ते जैसे नए-नए हाथ' से कवि का आशय अगरबत्तियाँ बनाने वाले उन नन्हे बालक-बालिकाओं से है जिनके हाथ पीपल के पत्तों के समान कोमल हैं।

4. 'बाल श्रम' गैर कानूनी घोषित किए जाने के बावज़ूद माता-पिता अपने बच्चों से बाल मज़दूरी क्यों करवाते हैं? कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर– 'बाल श्रम' गैर कानूनी घोषित किए जाने के बावजूद माता-पिता अपने बच्चों से बाल मज़दूरी इसलिए करवाते हैं क्योंकि वे गरीब मज़दूर हैं। अशिक्षा के कारण उनके परिवार के सदस्यों की संख्या अधिक है। परिवार के भरण-पोषण हेतु परिवार का मुखिया घर के बच्चों को कारखानों आदि जगहों पर मज़दूरी करने के लिए बाध्य करता है। कवि कहता है कि दुनिया भर की गंदगी के बीच ये अति निर्धन लोग समाज के लिए खुशबू रचते हैं। पीपल के पत्तों जैसे हाथ अर्थात् छोटे बच्चे भी अपने कोमल हाथों से अगरबत्तियाँ बनाने को मजबूर हैं।

5. कवि किन लोगों की स्थिति देखकर बहुत आक्रोशित हैं?

उत्तर– कवि ने खुशबूदार अगरबत्तियाँ बनाने वाले लोगों के रहने के स्थान का वर्णन किया है। कवि इन मज़दूरों, कामगारों और कारीगरों के अभावों से भरे जीवन का वर्णन कर रहे हैं और समाज में उनके योगदान की ओर संकेत करते हुए कहते हैं कि जो लोग संसार को जीने योग्य और सुगंधित बनाते

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

हैं, वे स्वयं कितने बदबूदार नालों के पार और कूड़े-करकट की ढेरों के पास जीने को बाध्य हैं। इन्हीं लोगों की स्थिति देखकर कवि आक्रोशित हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. नए इलाके में कवि किन बातों से धोखा खा जाता है?

उत्तर– कवि पुराने निशान खोजता है। पीपल का पुराना पेड़ ढूँढ़ता है, खाली ज़मीन के टुकड़े की तलाश करता है तथा गिरे हुए मकान को पहचानने की कोशिश करता है ताकि पुरानी चीज़ों और स्थानों में तालमेल बिठा सके। वह इसमें असफल होता है और धोखा खा जाता है। *छात्र स्वयं विस्तारित उत्तर लिखने का प्रयास करें।*

2. खुशबूदार अगरबत्तियाँ कैसी परिस्थितियों में बनाई जाती हैं?

उत्तर– खुशबूदार अगरबत्तियों का निर्माण बदबू और गंदगी भरे वातावरण में बच्चों, बूढ़ों, लड़कियों, औरतों तथा गरीब मज़दूरों द्वारा किया जाता है। *छात्र स्वयं विस्तारित उत्तर लिखने का प्रयास करें।*

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

संचयन–भाग 1

1. गिल्लू
2. स्मृति
3. कल्लू कुम्हार की उनाकोटी
4. मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

गिल्लू

महादेवी वर्मा (1907–1987)

1

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. लेखिका ने गिल्लू की जान कैसे बचाई? लिखिए।

उत्तर– गिल्लू कौओं की चोंच से घायल हो गया था, जब लेखिका की नज़र उस पर पड़ी। नवजात होने के कारण वह अपना आहार ग्रहण करने में असमर्थ था। लेखिका ने रुई की पतली बत्ती से दूध देने का प्रयत्न किया, लेकिन उसके मुँह में दूध नहीं जा सका। कई घंटे के उपचार के बाद दूध तो नहीं, लेकिन एक बूँद पानी उसके मुँह में टपकाया जा सका। लगभग तीन दिन होते-होते वह कुछ ठीक हुआ और उसने अपने पंजे से लेखिका की उँगली पकड़ना शुरू कर दिया। इस प्रकार काफ़ी प्रयास के बाद उसे बचाया गया।

2. लेखिका द्वारा पाले गए पशु-पक्षियों की तुलना में 'गिल्लू' अलग था। कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– लेखिका ने अनेक पशु-पक्षी पाल रखे थे। उनका सभी से लगाव था और वे सबकी यथोचित देखभाल करती थीं। सभी से लगाव होने के बावजूद उनमें से किसी का साहस नहीं था कि लेखिका की थाली में उनके साथ बैठकर खाना खा सके। परंतु लेखिका जैसे ही खाना खाने बैठतीं, गिल्लू आ टपकता और लेखिका की थाली में बैठ जाना चाहता। लेखिका ने बड़ी मुश्किल से उसे थाली के पास बैठना सिखाया जहाँ बैठकर वह चावल का एक-एक दाना उठाकर बड़ी सफ़ाई से खाता रहता। काजू उसका प्रिय भोजन था। अगर उसे काजू नहीं दिया जाता तो अन्य खाद्य भी खाना बंद कर देता या झूले के नीचे फेंक देता। लेखिका ने इसी कारण गिल्लू को अन्य पशु-पक्षियों की तुलना में अपवाद कहा है।

3. लेखिका को गिल्लू गिलहरी कहाँ मिला?

उत्तर– लेखिका को गिलहरी घायलावस्था में उनके घर के बरामदे में रखे गमले के पास मिला। जिस पर दो कौए अपनी काक दृष्टि डाल रहे थे। संभवतः वह घोंसले से गिर पड़ा था।

4. लेखिका जब लिखने बैठती तब अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या-क्या करता?

उत्तर– लेखिका का ध्यान अपनी ओर दिलवाने के लिए वह कभी लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए उठ नहीं जाती।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. 'काकद्वय की चोंचों के घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे, अतः वह निश्चेष्ट-सा गमले से चिपटा पड़ा था।' 'गिल्लू' पाठ से उद्धृत लेखिका के इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. क्या किसी गिलहरी को पालना उचित है? अपने विचार लिखिए।

उत्तर– गिलहरी ही नहीं अपितु किसी भी जानवर को पालना गलत है। हमें किसी की स्वतंत्रता छीनने का अधिकार नहीं है। हम किसी को बंधक बनाकर नहीं रख सकते। पाठ में आई परिस्थिति अलग है। उस स्थिति में अगर लेखिका गिल्लू को न बचातीं तो उसका काल के गाल में समाना तय था। वहाँ लेखिका का दृष्टिकोण गिल्लू को कैद करना नहीं था अपितु वह उसकी जान बचाना चाहती थीं। हमें पशु-पक्षियों की सेवा करके, उनकी चोट, पीड़ा इत्यादि को दूर करके, उनके साथ मित्रवत संबंध स्थापित करने चाहिए। पशु-पक्षियों को स्वतंत्र वातावरण में उनकी स्वाभाविक क्रियाओं के अनुरूप बढ़ने का अवसर प्रदान करना चाहिए। प्रेमवश किसी पशु-पक्षी की देख-रेख करना एक सराहनीय कार्य है परंतु यही प्रेम जब किसी को ज़ंजीरों में जकड़े तो अन्याय है।

3. क्या पशु-पक्षियों को घर में बंद रखना उचित है? अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर– पशु-पक्षी भी हमारी तरह होते हैं। उनकी भी अपनी भावनाएँ होती हैं। वे भी हमारी तरह खुश और दुःखी होते हैं। उन्हें भी कष्ट, तकलीफ़ आदि की अनुभूति होती है। क्या आप तमाम उम्र किसी पर निर्भर रहना चाहेंगे? शायद बिलकुल नहीं। प्रकृति ने सबको अलग-अलग कार्य दिया है, सबका अपना-अपना जीने का ढंग है। किसी के निजी जीवन में हस्तक्षेप करना कभी भी उचित नहीं हो सकता अर्थात् हमें किसी भी पशु-पक्षी को पालतू नहीं बनाना चाहिए क्योंकि इससे उनकी स्वच्छंदता छिन

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

जाती है। वे प्रकृति प्रदत्त अपना कार्य नहीं कर पाते, परिणामस्वरूप वे निष्क्रिय हो जाते हैं। अतः उनकी स्वच्छंदता तथा प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए उन्हें स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है।

4. **लेखिका ने किस विश्वास के साथ गिल्लू की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनाई?**

उत्तर– गिल्लू को सोनजुही की लता बहुत पसंद थी। वह कभी-कभी लेखिका को चौंकाने के लिए सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता। दूसरा कारण लेखिका को कहीं-न-कहीं ये विश्वास था कि गिल्लू किसी बसंत में उस जुही के पीले फूल के रूप में खिलेगा।

इसी विश्वास से लेखिका ने गिल्लू की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनाई।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

स्मृति

श्रीराम शर्मा (1896–1967)

2

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. चक्षुःश्रवा का क्या आशय है? 'स्मृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि कब लेखक चक्षुःश्रवा बन गया?

उत्तर– जो जीव अपनी आँखों से सुनता है, उसे चक्षुःश्रवा कहा जाता है। साँप के बारे में कहा जाता है कि उसके कान नहीं होते। वह सुनने के लिए अपनी आँखों का प्रयोग करता है, इसलिए साँप को भी चक्षुःश्रवा कहा जाता है। साँप के समक्ष लेखक स्वयं को भी चक्षुःश्रवा होने का अनुभव कर रहा था। दोनों एक-दूसरे को अपनी आँखों से तौल और एक-दूसरे की गतिविधियों पर नज़र रख रहे थे। आँखों के अलावा अन्य इंद्रियों ने काम करना बंद कर दिया था। इस स्थिति में लेखक भी अपनी आँखों से सुन रहा था। उसे लग रहा था कि उसकी ज़रा-सी चूक उसकी जान पर आफ़त ला सकती है। इस तरह साँप और लेखक दोनों ही चक्षुःश्रवा बन गए थे।

2. लेखक के भाई साहब ने पत्र कहाँ जाकर डालने को कहा?

उत्तर– लेखक के भाई साहब ने लेखक को एक पत्र देकर मक्खनपुर डाकखाने में डाल आने को कहा। साथ ही यह निर्देश भी दिया कि तेज़ी से जाना है जिससे शाम की डाक में ये चिट्ठियाँ निकल जाएँ।

3. अब लेखक को क्या डर सता रहा था?

उत्तर– चिट्ठी के कुएँ में गिर जाने के बाद लेखक को मार का डर सता रहा था। उन्हें अपने भाई साहब का क्रोधित चेहरा याद आ रहा था।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. 'सजल नेत्रों से माँ ने अपनी गोद में ऐसे बैठा लिया जैसे चिड़िया अपने बच्चों को डैने के नीचे छिपा लेती है।' 'स्मृति' पाठ के आधार पर इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।

उत्तर– यह कथन मानव जीवन में मातृत्व की कोमलता और सुरक्षा की भावना को दर्शाता है। जब कोई बच्चा दुःखी या भयभीत होता है, तो माँ उसे अपनी गोद में समेटकर उसकी रक्षा करती है, जैसे चिड़िया अपने नन्हें बच्चों को पंखों के नीचे छिपा लेती है। यह दृश्य माँ की ममता, स्नेह और भावनात्मक जुड़ाव को प्रकट करता है। पाठ में यह कथन इस बात को दर्शाता है कि माँ अपने बच्चे के दुःख और तकलीफ को देखकर व्याकुल हो जाती है और उसे अपने स्नेह में समेट लेती है, ताकि वह सुरक्षित और आश्वस्त महसूस कर सके।

2. 'स्मृति' पाठ में लिफ़ाफ़े और पोस्टकार्ड का उल्लेख किया गया है। पता लगाइए और बताइए कि दोनों में क्या अंतर होता है?

उत्तर– लिफ़ाफ़े और पोस्टकार्ड में निम्नलिखित अंतर हैं–

लिफ़ाफ़ा–लिफ़ाफ़े सभी डाकघरों में उपलब्ध होते हैं। पत्र और अन्य दस्तावेज़ भेजने के लिए सभी सरकारी व गैर सरकारी दफ़्तरों और व्यापारिक कंपनियों में इनका इस्तेमाल किया जाता है। पत्र भेजने के अलावा लिफ़ाफ़े के ज़रिए हम तस्वीरें, बधाई पत्र जैसी कम भार वाली वस्तुएँ भी भेज सकते हैं। डाकघर में आपको अलग-अलग प्रकार के लिफ़ाफ़े मिलेंगे; जैसे–साधारण लिफ़ाफ़ा, रजिस्टर्ड डाक के लिए लिफ़ाफ़ा आदि। आप बाज़ार से भी लिफ़ाफ़ा खरीद सकते हैं। स्वयं भी लिफ़ाफ़ा बना सकते हैं। वैसे भी डाकघरों में मिलने वाले लिफ़ाफ़ों का इस्तेमाल करना अनिवार्य नहीं है।

पोस्टकार्ड–पोस्टकार्ड लिखित संप्रेषण का सबसे सस्ता साधन है। यह एक कार्ड होता है, जिसके दोनों ओर संदेश लिखा जा सकता है। डाकघर में दो प्रकार के पोस्टकार्ड मिलते हैं– साधारण पोस्टकार्ड और प्रतियोगिता पोस्टकार्ड। साधारण पोस्टकार्ड का प्रयोग पत्र लिखने के लिए किया जाता है और प्रतियोगिता पोस्टकार्ड का प्रयोग रेडियो, टेलिविज़न आदि में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भेजने के लिए किया जाता है।

3. काफी सोच-विचार के पश्चात लेखक ने क्या फैसला लिया?

उत्तर– जब लेखक चिट्ठी लेकर मक्खनपुर डाकखाने में डालने जा रहा था तभी कुएँ में पत्थर फेंकते समय उनकी चिट्ठी कुएँ में गिर गई। उन्हें मालूम था कि कुएँ के अंदर एक साँप भी है। लेकिन उनके लिए तो दोनों तरफ खतरा था। बहुत सोच-विचार कर उन्होंने कुएँ में से चिट्ठी निकालने का फैसला किया।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

कल्लू कुम्हार की उनाकोटी

के. विक्रम सिंह (1938–2013)

3

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. अगरतला जाने के पीछे कौन-सी बुनियादी विचारधारा थी?

उत्तर– त्रिपुरा की समूची लंबाई में आर-पार जाने वाले राष्ट्रीय मार्ग-44 से यात्रा करना और त्रिपुरा के विकास संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी देना ही अगरतला जाने के पीछे की बुनियादी विचारधारा थी।

2. अगरतला में लेखक की मुलाकात किससे हुई?

उत्तर– अगरतला में लेखक की मुलाकात हेंमत कुमार जमातिया से हुई जो वहाँ के एक लोकप्रिय लोकगायक हैं और वे 1996 में संगीत नाटक अकादमी द्‌वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।

3. लेखक के अनुसार त्रिपुरा के आदिवासी समाज में असंतोष की क्या वजह है?

उत्तर– सोनामुरा, बेलोनिया, सबरूम और कैलासशहर जैसे त्रिपुरा के ज़्यादातर महत्त्वपूर्ण शहर बांग्लादेश के साथ सीमा के करीब है। बांग्लादेश के लोगों का अवैध आवक यहाँ जबरदस्त है और सामाजिक स्वीकृति भी हासिल है। जिसके कारण जनसंख्या वृद्‌धि तीव्र गति से हो रही है। यही त्रिपुरा के आदिवासी समाज में असंतोष का कारण है।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. अगरतला में स्थित भगवान बुद्‌ध की प्रतिमा ने त्रिपुरा के समाज पर क्या प्रभाव डाला है?

उत्तर– त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के बाहरी हिस्से पैचारथल में स्थित बौद्‌ध मंदिर की मुख्य बुद्‌ध प्रतिमा 1930 के दशक में रंगून से लाई गई थी। त्रिपुरा के बौद्‌ध मंदिर एवं बौद्‌ध धर्म ने इस राज्य को बहुधार्मिक समाज का उदाहरण बना दिया। त्रिपुरा में उन्नीस अनुसूचित जनजातियों और विश्व के चार बड़े धर्मों का प्रतिनिधित्व मौजूद है। यहाँ उन्नीस कबीलों में से दो चकमा और मुध महायानी भी बौद्‌ध हैं। ये कबीले म्यांमार से चटगाँव के रास्ते त्रिपुरा पहुँचे और जनजातियों में भी बौद्‌ध धर्म की स्थापना की। इस प्रकार हिंदू, मुसलमान, ईसाई धर्मों के साथ बौद्‌ध धर्म होने से त्रिपुरा का धार्मिक दृष्टि से महत्त्व बढ़ गया।

2. 'टी.पी.एस.' क्या है? समझाइए।

उत्तर– टी.पी.एस. (टरू पोटेटो सीड्स) आलू की एक प्रजाति का नाम है। कैलासशहर के ज़िलाधिकारी ने आलू की खेती के विषय में लेखक को जानकारी देते हुए बताया कि त्रिपुरा के, खासकर उत्तर ज़िले में, टी.पी.एस. की खेती को बहुत सफलता मिली है। आलू की बुआई के लिए आमतौर पर पारंपरिक आलू के बीजों की दो मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर की ज़रूरत पड़ती है, लेकिन टी.पी.एस. की सिर्फ़ 100 ग्राम मात्रा ही एक हेक्टेयर की बुआई के लिए काफ़ी होती है। त्रिपुरा से टी.पी.एस का निर्यात असम, मिजोरम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के साथ-साथ बांग्लादेश, मलेशिया और विएतनाम को भी किया जाता है।

3. हेमंत कुमार जमातिया और मंजु ऋषिदास के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– टीलियामुरा में लेखक की मुलाकात हेमंत कुमार जमातिया से हुई, जो यहाँ के एक प्रसिद्‌ध लोकगायक हैं और 1996 में संगीत नाटक अकादमी द्‌वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं। हेमंत कोकबारोक बोली में गाते हैं। वे जवानी के दिनों में पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के सदस्य थे। परंतु अब समाज सेवा के लिए ज़िला परिषद् के सदस्य हैं। टीलियामुरा में लेखक की मुलाकात एक और गायक मंजु ऋषिदास से हुई। मंजु ऋषिदास आकर्षक महिला थीं और रेडियो कलाकार होने के अलावा नगर पंचायत में अपने वार्ड का प्रतिनिधित्व भी करती थीं। वे निरक्षर थीं लेकिन अपने वार्ड में पेयजल के बारे में पूरी जानकारी रखती थीं।

4. पाठ के आधार पर 'गंगा अवतरण' की कथा को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– उनाकोटी में पहाड़ों को अंदर से काटकर विशाल आधार मूर्तियाँ बनी हैं। यहाँ स्थित एक विशाल चट्‌टान ऋषि

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

भागीरथ की प्रार्थना पर स्वर्ग से पृथ्वी पर गंगा के अवतरण के मिथक को चित्रित करती है। गंगा अवतरण के धक्के से कहीं पृथ्वी धँसकर पाताल लोक में न चली जाए, लिहाजा शिव को इसके लिए तैयार किया गया कि वे गंगा को अपनी जटाओं में उलझा लें और इसके बाद इसे धीरे-धीरे पृथ्वी पर बहने दें। शिव का चेहरा एक समूची चट्टान पर बना हुआ है और उनकी जटाएँ दो पहाड़ों की चोटियों पर फैली हैं। भारत में यह शिव की सबसे बड़ी आधार मूर्ति है। पूरे साल बहने वाला एक जल प्रपात पहाड़ों से उतरता है जिसे गंगा जितना ही पवित्र माना जाता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

4

धर्मवीर भारती (1926–1997)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. लेखक की निजी लाइब्रेरी की पहली किताब कौन-सी थी?

उत्तर– लेखक की निजी लाइब्रेरी की पहली किताब देवदास थी जो उन्होंने अपने पैसे से खरीदी थी।

2. पाँचवी कक्षा में फर्स्ट आने पर स्कूल से इनाम में मिलने वाली किताबों ने किस प्रकार लेखक की ज़िंदगी बदल दी?

उत्तर– पाँचवी कक्षा में फर्स्ट आने पर स्कूल से इनाम में मिलने वाले दो किताबों में पहली में दो छोटे बच्चे घोंसलों की खोज में बागों और कुंजों में भटकते हैं और इस बहाने पक्षियों की जातियों, उनकी बोलियों, उनकी आदतों की जानकारी उन्हें मिलती थी। दूसरी किताब थी – 'ट्रस्टी द रग' जिसमें पानी के जहाजों की कथाएँ थीं –जहाज कितने प्रकार के होते हैं, कौन-कौन सा माल लादकर लाते हैं, कहाँ से लाते हैं, नाविकों की ज़िंदगी कैसी होती है, कैसे-कैसे द्वीप मिलते हैं, कहाँ ह्वेल, कहाँ शार्क होती हैं, आदि। इन दोनों किताबों ने लेखक के लिए एक नई दुनिया का द्वार खोल दिया। पक्षियों से भरा आकाश और रहस्यों से भरा समुद्र।

3. लेखक को किताबें पढ़ने का शौक तो ठीक, किताबें इकट्ठी करने की सनक क्यों चढ़ी?

उत्तर– इसका कारण बचपन का अनुभव था। इलाहाबाद भारत के प्रख्यात शिक्षा-केंदों में से एक रहा है। ईस्ट इंडिया द्वारा स्थापित पब्लिक लाइब्रेरी से लेकर महामना मदनमोहन मालवीय द्वारा स्थापित भारती भवन तक। विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी, हर मुहल्ले की अपनी लाइब्रेरी, वकीलों, अध्यापकों की निजी लाइब्रेरी। लेखक को अनूदित उपन्यासों को पढ़कर बड़ा आनंद आता था। लेखक का परिचय बकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की दुर्गेशनंदिनी, कपाल कुंडला और आनंदमठ से, टॉलस्टॉय की अन्ना करेनिना आदि पुस्तकों से हुआ। लाइब्रेरी खुलते ही लेखक पहुँच जाते और बंद होने तक वहीं रहते। कहानी अधूरी रह जाती तो एक कसक-सी उठती थी। काश अपनी भी एक लाइब्रेरी होती।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. 'मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय' पाठ के लेखक को क्या हुआ था?

उत्तर– लेखक को जुलाई 1989 को तीन-तीन ज़बरदस्त हार्ट-अटैक, एक के बाद एक आए तथा नब्ज़ बंद, साँस बंद और धड़कन बंद हो गई थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया परंतु डॉक्टर बोर्जेस ने हिम्मत नहीं हारी थी। लेखक को नौ सौ वॉल्ट्स के शॉक्स दिए गए। डॉक्टर बोले यदि मृत शरीर मात्र है तो दर्द महसूस ही नहीं होगा पर यदि कहीं भी ज़रा भी एक कण प्राण शेष होंगे तो हार्ट रिवाइव कर सकता है। फिर प्राण तो लौटे पर इस प्रयोग में साठ प्रतिशत हार्ट सदा के लिए नष्ट हो गया। केवल चालीस प्रतिशत बचा। उसमें तीन अवरोध थे। ओपेन हार्ट ऑपरेशन तो करना ही था पर सर्जन हिचक रहे थे। लेखक घर जाकर बिना हिले-डुले विश्राम करता है तथा अपने किताबों वाले कमरे में आराम करता है। अंत में लेखक के प्राण बच जाते हैं।

2. किताबों से जुड़ाव ने लेखक के जीवन पर क्या प्रभाव डाला था?

उत्तर– किताबों से जुड़ाव ने लेखक के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था क्योंकि लेखक को विद्यालय में पहली बार प्रथम आने पर दो पुस्तकें इनाम में मिलीं। पिता ने अपनी अलमारी के एक खाने में जगह दी और कहा कि आज से ये तुम्हारी किताबों का रेक है और तुम्हारी लाइब्रेरी है। लेखक के मन में इसका गहरा प्रभाव पड़ा। उसको पुस्तक संग्रह करने की आदत पड़ गई। लेखक स्कूल की छुट्टी के बाद मुहल्ले की लाइब्रेरी चला जाता था। पारिवारिक आर्थिक संकट के कारण वह लाइब्रेरी की फ़ीस नहीं भर सकता था इसलिए वहीं बैठकर पुस्तक पढ़नी पड़ती थी। पुस्तक पढ़ने की सनक इतनी लगी कि पता नहीं चलता कि कब शाम हो जाती थी। कई बार कोई उपन्यास यदि अधूरा छूट जाता तो मन में कसक रहती कि शायद पूरा पढ़ पाता। अनायास खरीदी गई 'देवदास' नामक पुस्तक से लेखक का पुस्तक संकलन शुरू हुआ जो आजीवन चलता रहा। कहाँ तो एक-एक पुस्तक के लिए लेखक को तरसना पड़ता था, कहाँ ठसाठस भरी अलमारियों में अनगिनत पुस्तकें थीं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. 'मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय' पाठ के आधार पर लेखक की माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर– लेखक के बचपन में उसकी माँ स्त्री-शिक्षा की पक्षधर थी, इसलिए स्त्री-शिक्षा के लिए आदर्श कन्या पाठशाला की स्थापना की थी। लेखक की माँ उनकी स्कूली पढ़ाई पर ज़ोर देती थी। हमेशा चिंतित रहती कि लड़का कक्षा की किताबें नहीं पढ़ता। पास कैसे होगा। कहीं खुद साधु बनकर घर से भाग गया तो? शुरू में स्कूल न भेजकर पढ़ाई के लिए घर पर मास्टर रखे गए थे। पिता के समझाने के बाद लेखक ने परिश्रम कर तीसरे, चौथे में अच्छे नंबर प्राप्त किए तथा पाँचवें में फर्स्ट आया। तत्पश्चात् माँ ने आँसू भरकर गले लगाया। सिनेमा विरोधी माँ ने अपने बेटे को देवदास फ़िल्म का एक गाना गाते सुना और कहा कि तुम अपना दिल क्यों छोटा करते हो। जाओ, इस फ़िल्म को देख आओ। अतः उपरोक्त विवरण के आधार पर कहा जा सकता है कि लेखक की माँ का चरित्र एक आदर्श माँ के चरित्र का उदाहरण है तथा वह अपने पुत्र का हर समय साथ देती नज़र आती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

खंड 'घ'
लेखन

1. पत्र-लेखन (अनौपचारिक पत्र)
2. अनुच्छेद-लेखन
3. संवाद-लेखन
4. चित्र-वर्णन

पत्र-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन एवं चित्र-वर्णन स्व-चिंतन, वाक्-कौशल एवं कल्पनाशक्ति पर आधारित हैं। अतः इनके अभ्यास विद्‌यार्थी स्वयं करें।